{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 13 अगस्त 2026
श्रावण कृष्ण 15 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 320
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स	-	77,966.35
निफ्टी	-	24,435.95
सोना	-	1,63,754
चांदी	-	2,55,000
डॉलर	-	95.41

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

मानसून सत्र के 18वें दिन भी संसद में हंगामा...

सदन में शाह का बायकॉट करेगा विपक्ष!

आखिरी दिन अमित शाह चढ़ावा चोरी और संसद मार्च के दिन गोलीबारी को दरकिनार कर नीट परीक्षा पर देंगे बयान

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के 18वें दिन भी हंगामा देखने को मिला। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लेटर लिखा। उन्होंने नीट पेपर लीक पर छात्रों के प्रदर्शन के मुद्दे पर चर्चा के लिए समय तय करने की मांग की। शाह ने लेटर में लिखा कि मेरा अनुरोध है कि स्पीकर विपक्ष से चर्चा करें और आपसी सहमति के आधार पर इस मुद्दे पर चर्चा के लिए जितना समय, दिन या घंटे उचित समझें, निर्धारित करें। मैं तय समय के दौरान सदन में मौजूद रहूंगा और इस मुद्दे पर चर्चा में हिस्सा लेने के लिए तैयार हूं। विपक्ष की ओर से उठाए गए सभी सवालों का जवाब देने के लिए भी मैं तैयार हूं। हालांकि विपक्ष का आरोप है कि शाह राम मंदिर चढ़ावा चोरी और संसद मार्च के दिन गोलीबारी को दरकिनार कर नीट परीक्षा पर बयान देना चाहते हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हमें उनका लेक्चर नहीं सुनना है। पहले ये बताएं कि जंतर-मंतर पर छात्रों पर गोलियां किसने चलवाईं। उन्होंने आदेश नहीं दिया तो वे इस्तीफा दें। अगर गुरूवार को शाह सदन में बोलेंगे तो विपक्ष उनका बायकॉट करेगा।

राहुल ने कहा कि स्टूडेंट्स को गोली किसने मारी? स्टूडेंट्स को कीलों वाली लाठियों से पीटने का ऑर्डर किसने दिया? क्या अमित शाह ने हमारे बच्चों को गोली मारने का ऑर्डर दिया था? अगर उन्होंने दिया है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। राहुल ने आगे कहा- शाह घर के सामने हजार पुलिस वाले खड़े होते हैं। 30 गाडियां उनके आगे पीछे होती हैं कि कहीं कोई बच्चा न आ जाए। पिछले 20 दिनों से अमित शाह गायब हैं। गृह मंत्री में हिम्मत नहीं है। वह सदन में नहीं आ सकते। वहीं शाह ने कहा, मैं इस बात पर भी चर्चा करूंगा कि वे चर्चा क्यों नहीं होने देना चाहते थे। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को सिर्फ संसद की कार्यवाही चलने देनी चाहिए।

संसद में जारी रहेगा विरोध- खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जवाब की मांग की। उन्होंने कहा कि विपक्ष संसद में अपना रुख बनाए रखेगा। पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने कहा, कल कुछ नहीं होगा। हम वही करते रहेंगे जो अब तक करते आ रहे हैं। बुधवार को विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और अमित शाह जवाब दो के नारे लगाए। विपक्ष ने राष्ट्रीय राजधानी और अन्य राज्यों में छात्रों के खिलाफ पुलिस की ओर से बल प्रयोग किए जाने को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री पर निशाना साधा।

प्रियंका ने सरकार की जवाबदेही पर सवाल उठाए

इससे पहले दिन में, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शाह पर तीखा हमला किया। उन्होंने देश भर में छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ लाठी और पैलेट गन समेत बल के कथित इस्तेमाल के लिए सरकार की जवाबदेही पर सवाल उठाए। मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, आपको क्या लगता है, इसके लिए कौन जिम्मेदार है? जब हजारों छात्र इकट्ठा होते हैं और उनकी एक ही मांग होती है, तो आप उन पर लाठियां बरसाते हैं, पैलेट गन चलाते हैं और बिहार में तो आप उनके खिलाफ एके-47 का इस्तेमाल करते हैं। यह बयान हाल ही में हुए छात्र विरोध प्रदर्शनों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच चल रहे टकराव के बीच आया है। इस मुद्दे की वजह से संसद में बार-बार कामकाज बाधित हुआ है; विपक्ष सरकार से जवाब मांग रहा है और राहुल गांधी ने शाह से जवाब की मांग की है।

विपक्ष चुप नहीं रहेगा

प्रियंका गांधी ने लोकतांत्रिक जवाबदेही का मुद्दा उठाया और पूछा कि क्या गृह मंत्री अपने आप को जनता के प्रति जवाबदेय मानते हैं या नहीं? उन्होंने कहा, क्या आप जनता के प्रति जवाबदेय नहीं हैं? इसलिए हमें भी शांत बैठना चाहिए? प्रियंका गांधी ने कहा कि विपक्ष चुप नहीं रहेगा। विपक्ष प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस बल के इस्तेमाल के मुद्दे पर गृह मंत्री से संसद में जवाब देने की मांग कर रहा है और साथ ही माफी मांगने की भी मांग कर रही है। इस मुद्दे पर संसद का मानसून सत्र बाधित रहा है। अब सरकार इस मुद्दे पर बहस के लिए तैयार है और गृह मंत्री संसद में इस पर जवाब देंगे। अब वहीं एनडीए सांसदों ने झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज का मुद्दा उठा दिया है।

खास खबर

ट्रक-ऑटो की टक्कर, 6 की मौत

संगारेड्डी। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में मंगलवार रात ऑटो-रिक्शा और ट्रक की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। छह लोग घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना रात करीब 8 बजे सतवार एक्स रोड पर हुई। ऑटो में ड्राइवर के अलावा 11 महिलाएं सवार थीं। सभी कर्नाटक के बीदर की रहने वाली कृषि मजदूर थीं और काम खत्म करके घर लौट रही थीं। मरने वालों में एक ऑटो ड्राइवर और 5 महिलाएं थीं। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई थी। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को जहीराबाद और संगारेड्डी के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वहीं, हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है और हादसे की वजह का पता लगाया जा रहा है।

स्पाइसजेट फ्लाइट का एसी खराब

नई दिल्ली। दिल्ली से पुणे जा रही स्पाइसजेट की फ्लाइट में मंगलवार रात एसी खराब होने से करीब 150 यात्रियों को परेशानी हुई। केबिन का टेम्परेचर इतना बढ़ गया कि कुछ यात्रियों को सांस लेने में भी दिक्कत होने लगी। यात्रियों के विरोध के बाद फ्लाइट रद्द कर दी गई। इसके बाद यात्री छह घंटे से ज्यादा समय तक एयरपोर्ट पर फंसे रहे। बुधवार सुबह दूसरी फ्लाइट से उन्हें पुणे पहुंचाया गया। यात्रियों के मुताबिक, केबिन में एसी और वेंटिलेशन ठीक से काम नहीं कर रहा था। उनका आरोप है कि इस दौरान उन्हें खाने के कूपन या नाश्ता भी नहीं दिया गया। वहीं, एक गर्भवती महिला की तबीयत बिगडने् लगी। एक यात्री लेशपाल ने बताया कि शुरुआत में उन्हें लगा कि यह कोई सामान्य तकनीकी समस्या है, लेकिन कुछ देर बाद गर्मी इतनी बढ़ गई कि यात्रियों के कपड़े पसीने से पूरी तरह भीग गए।

जेल में बंद प्रज्वल रेवन्ना के पास फोन मिला

बेंगलुरु। बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने छापेमारी की। इसमें पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पास मोबाइल और पेन ड्राइव मिली है। जेल छ्रत्रक्ष अलोक कुमार ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छ्रह्रञ्जङ्क फुटेज की जांच चल रही है। सेंट्रल जेल के स्क्क को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट को सस्पेंड किया गया है। रेवन्ना जनता दल (सेक्युलर) के विधायक एचडी रेवन्ना के बेटे और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। वह रेप केस में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। रेवन्ना के परिवार के फार्महाउस में काम करने वाली 47 साल की महिला ने अप्रैल 2024 में रेवन्ना के खिलाफ स्न्ढ्ढक्र दर्ज कराई थी।

कुछ ना कहना

विपक्ष तय करे चर्चा करनी है या हंगामा

-अमित शाह ने संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप विपक्ष पर लगाया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को विपक्ष पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार संसद में हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष को चर्चा के लिए पत्र दे। बुधवार दोपहर 3 बजे से गुरुवार दोपहर 3 बजे तक सरकार चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह गुरुवार को विपक्ष के एक-एक सवाल का जवाब देंगे।

अमित शाह ने कहा, सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उसका उद्देश्य चर्चा करना नहीं, बल्कि हंगामा करना है। उन्होंने कहा कि चर्चा के बाद जनता तय करेगी कि कौन चर्चा करना चाहता है और कौन इससे भाग रहा है।

'संसद आता हूं, लेकिन सदन चलने नहीं दिया जा रहा'

वहीं शाह ने मीडिया से बातचीत में विपक्ष की ओर से उनके संसद में नहीं आने संबंधी आरोपों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सत्र शुरू होने के बाद से वह लगातार संसद आ रहे हैं और अपने चैंबर में बैठते हैं। लेकिन विपक्ष दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चलने दे रहा है, ऐसे में सदन में जाकर क्या किया जा सकता है। गृह मंत्री ने कहा कि संसद में छात्रों के प्रदर्शन से जुड़े मुद्दे समेत सभी विषयों पर चर्चा के लिए सरकार तैयार है। उन्होंने बताया कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि नीट से जुड़े छात्रों के प्रदर्शन पर हर प्रकार की चर्चा की जा सकती है। विपक्ष की चर्चा की मांग को सरकार ने स्वीकार कर लिया है।

प्रश्नकाल भी स्थगित करने को तैयार

शाह ने कहा कि वह सभी सवालों का जवाब देने के लिए सदन में मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर प्रश्नकाल स्थगित करने के लिए भी सरकार तैयार है, हालांकि इसके लिए लोकसभा अध्यक्ष की अनुमति आवश्यक होगी।

मुंबई में पहाड़ का हिस्सा ढहा, सात लोगों की मौत, सात लोग घायल, मलबे में फंसे लोगों की तलाश जारी

मुंबई। मुंबई में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच घाटकोपर पूर्व के अशोक नगर और चिराग नगर इलाके में बुधवार तड़के बड़ा हादसा हो गया। गौसिया चॉल के पीछे स्थित पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा अचानक ढह गया और मलबा दो से तीन घरों पर जा गिरा। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है, जबकि सात लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मलबे में कुछ और लोगों के फंसे होने की आशंका के चलते राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। मुंबई महानगरपालिका के अग्निशमन दल के अनुसार, हादसा बुधवार तड़के करीब 3.48 बजे हुआ। राठौड़ मेडिकल के पास गौसिया चॉल के पीछे पहाड़ी का हिस्सा अचानक धंस गया। इसके बाद बड़ी मात्रा में मिट्टी, पत्थर और मलबा नीचे स्थित घरों पर आ गिरा। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, एनडीआरएफ, स्थानीय पुलिस, मनपा के एल-वॉर्ड के कर्मचारी और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंच गए। बचाव दल ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया।

- भाभा अस्पताल में चार घायल

कुर्ला स्थित भाभा अस्पताल में चार घायलों को भर्ती कराया गया है। इनमें सोहेल अंसारी (18) के सिर में चोट आई है। इसके

अलावा मोहम्मद अंसारी (14), नईमुद्दीन इकबाल खान (28) और साजिद अंसारी (16) का इलाज चल रहा है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार सभी की हालत स्थिर है।

- राजावाड़ी अस्पताल में 7 की मौत

राजावाड़ी अस्पताल में कुल 10 लोगों को लाया गया था। इनमें से डॉक्टरों ने 7 लोगों को मृत घोषित किया, जबकि तीन घायलों का उपचार जारी है। मृतकों में मोहम्मद समीर अंसारी (14), साहिल हुसैन अब्दुल काजी (19), एक अज्ञात व्यक्ति (45), अबान आरिफ शेख (2), मन्नत आरिफ शेख (4), मर्जिना आरिफ शेख (27) और विकेत रमेश यादव (27) शामिल हैं। घायलों में फराना दिलबर खान (28), दिलबर अमनुल्ला खान (38) और शमीन मुस्लिम खान (26) शामिल हैं। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

बारिश और संकरी गलियों ने बढ़ाई मुश्किल

हादसे के बाद मौके पर राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। लगातार हो रही बारिश, अंधेरा और संकरी गलियों के कारण बचाव दल को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। घटनास्थल तक भारी मशीनरी पहुंचाना भी चुनौती बना हुआ है। ऐसे में बचावकर्मी सावधानीपूर्वक मलबा हटाकर उसमें दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं। स्थानीय विधायक दिलीप लांडे ने हादसे में दो लोगों की मौत की जानकारी दी है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह विवाद, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में 12 अगस्त को होने वाली सुनवाई टल गई। अब मामले की अगली सुनवाई 2 सितंबर 2026 को होगी। मामले में मुख्य विवाद के साथ यह मुद्दा भी महत्वपूर्ण है कि हिंदू पक्ष की ओर से दायर विभिन्न याचिकाओं में से किसे रिप्रेजेंटेटिव सूट (प्रतिनिधिक वाद) माना जाए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पहले सूट नंबर-17 को प्रतिनिधिक वाद के रूप में स्वीकार किया था। हालांकि, अन्य हिंदू पक्षकारों ने इस पर आपत्ति जताई है।

जंतर-मंतर का सीजन-2 जल्द होगा शुरू, सीजेपी फाउंडर ने बीजेपी पर लगाया गंभीर आरोप

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने घोषणा की है कि जंतर-मंतर का सीजन-2 बहुत जल्द शुरू होगा। उन्होंने बताया कि इंस्टाग्राम पर बहुत से लोग उनसे यह सवाल पूछ रहे हैं कि अगला सीजन कब आएगा।

इस ऐलान के साथ ही, दीपके ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में उनकी पार्टी की स्वयंसेवक बैठक के लिए एक हॉल खोजने में उन्हें काफी कठिनाई हुई। दीपके के अनुसार, उन्हें हर जगह यही कहा गया कि ऊपर से दबाव है और कोई भी हॉल किराए पर देने को

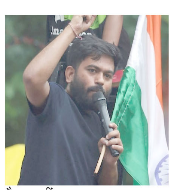

तैयार नहीं था।

दीपके ने बताया कि काफी मुश्किलों के बाद सीजेपी ने हॉल बुक किया था, जिसकी रसीद भी उनके पास मौजूद है। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि मंगलवार सुबह हॉल मालिकों को धमकी दी गई। दीपके के मुताबिक, हॉल मालिकों से कहा गया कि अगर उन्होंने यहां सीजेपी की बैठक होने दी, तब उन्हें उल्टा लटका दिया जाएगा। उन्होंने सीधे तौर पर इन कार्रवाइयों के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया।

सीजेपी संस्थापक ने कहा कि इस तरह की हरकतें दिखाती हैं कि बीजेपी देश के युवाओं से डरी हुई है। उन्होंने कहा, अगर उन्हें लगता है कि ऐसी छोटी-मोटी हरकतों से हम डर जाएंगे तो यह उनकी बहुत बड़ी गलतफहमी है। हालांकि, हॉल बुकिंग को लेकर दबाव और धमकी के अभिजीत दीपके के इन आरोपों पर बीजेपी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ आरोप साबित

- जांच में कैश और सबूतों में मिलीं खामियां

नई दिल्ली। पूर्व न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़े जले हुए नोटों के मामले में जांच समिति की रिपोर्ट बुधवार को संसद के दोनों सदनों में पेश कर दी गई। तीन सदस्यीय जांच समिति ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ लगाए गए तीनों आरोपों को सिद्ध माना है। रिपोर्ट में आधिकारिक आवास से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने, उससे जुड़े भौतिक साक्ष्यों के संरक्षण में लापरवाही और जांच के दौरान दिए गए स्पष्टीकरण को असंतोषजनक पाए जाने की बात कही गई है। जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपने के कई महीने बाद इसे संसद के पटल पर रखा। लोकसभा और राज्यसभा में संबंधित महासचिवों ने रिपोर्ट पेश की। दो खंडों में तैयार रिपोर्ट में जांच के दौरान दर्ज किए

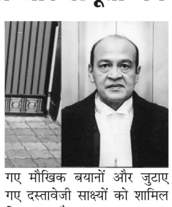

गए मौखिक बयानों और जुटाए गए दस्तावेजी साक्ष्यों को शामिल किया गया है।

यह मामला मार्च 2025 में जस्टिस वर्मा के दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास से जुड़ा है। उनके सरकारी आवास 30, तुगलक क्रेसेंट में आग लगने के बाद दमकलकर्मियों को स्टोररूम से बड़ी मात्रा में जले हुए 500 रुपये के नोट मिले थे। घटना के बाद नकदी की मौजूदगी और उसके स्त्रोत को लेकर गंभीर सवाल उठे थे। मामला सामने आने के बाद जस्टिस वर्मा के खिलाफ आंतरिक जांच की प्रक्रिया शुरू हुई। बाद में तीन सदस्यीय समिति गठित कर पूरे मामले की जांच कराई गई। समिति ने उपलब्ध दस्तावेजों, प्रत्यक्षदर्शियों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अपनी रिपोर्ट तैयार की।

रिपोर्ट में क्या कहा गया?

जांच समिति ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ लगाए गए तीनों आरोप को साबित माना है। पहले आरोप में समिति ने कहा कि आधिकारिक आवास के स्टोररूम में मिली बड़ी मात्रा में नकदी की मौजूदगी, उसके स्त्रोत और स्वामित्व को लेकर जस्टिस वर्मा संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इसलिए यह आरोप सिद्ध पाया गया।

सीबीआई ने दाखिल की 20 हजार पेज की चार्जशीट, 13 लोगों को बनाया आरोपी, कोर्ट ने जताई हैरानी

नई दिल्ली। नीट यूजी पेपर लीक मामले की जांच और सुनवाई के बीच अब सीबीआई की चार्जशीट के मीडिया में लीक होने का मामला सामने आया है। राउज एवेन्यू कोर्ट स्थित स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट ने चार्जशीट में शामिल गवाहों के नाम मीडिया रिपोर्टों में सामने आने पर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि मुकदमे की प्रक्रिया कानून के मुताबिक होनी चाहिए और किसी भी पक्ष के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए।

मामले की सुनवाई कर रहे स्पेशल जज अजय गुप्ता ने चार्जशीट की जानकारी अदालत में औपचारिक रूप से सामने आने से पहले ही मीडिया में पहुंचने पर हैरानी जताई। उन्होंने कहा कि जिन बातों पर अभी अदालत में चर्चा तक नहीं हुई है, वे भी चार्जशीट का हिस्सा हैं। ऐसे में उनका बाहर आना गंभीर विषय है और इस संबंध में कुछ किए जाने की जरूरत है।

नीट पेपर लीक की चार्जशीट भी लीक

गवाहों के नाम सामने आने पर कोर्ट गंभीर

सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि मीडिया रिपोर्टों में चार्जशीट में शामिल गवाहों के नाम सामने आए हैं। इनमें कुछ गवाह नाबालिग भी बताए गए हैं। इस पर कोर्ट ने चिंता जताते हुए कहा कि ट्रायल की प्रक्रिया प्रभावित नहीं होनी चाहिए। जज अजय गुप्ता ने कहा कि खुले कोर्ट में सुनवाई के दौरान मीडिया की भी जिम्मेदारी होती है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित पक्षों की जिम्मेदारी है कि आपराधिक कानून के तहत जिस तरह ट्रायल होना चाहिए, उसी तरह आगे बढ़े। कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी भी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए। यदि ऐसी रिपोर्टिंग हो रही है, तो संबंधित लोगों को इस तरह की चीजें करने से बचना चाहिए।

आरोपियों के वकील ने भी उठाया सवाल

सुनवाई के दौरान आरोपियों की ओर से पेश वकील ने भी चार्जशीट के मीडिया में पहुंचने पर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि अदालत में चार्जशीट दाखिल होने से पहले ही इसकी कॉपी मीडिया तक पहुंच गई थी। बचाव पक्ष ने आशंका जताई कि इससे आरोपियों के मामले पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इस पर कोर्ट ने कहा कि वह संबंधित मीडिया रिपोर्ट की जांच करेगा। इसके बाद यह देखा जाएगा कि इस मामले में आगे क्या कार्रवाई की जरूरत है।

करीब 20 हजार पेज की चार्जशीट, 13 आरोपी

सीबीआई ने नीट यूजी पेपर लीक मामले में करीब 20 हजार पेज की चार्जशीट दाखिल की है। इसमें कुल 13 लोगों को आरोपी बनाया गया है। चार्जशीट में पेपर लीक की प्रक्रिया और कथित तौर पर इसमें शामिल लोगों की भूमिका का विवरण दिया गया है। सीबीआई के मुताबिक, तीन विषय विशेषज्ञों ने अलग-अलग तरीकों से दिल्ली स्थित नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के कार्यालय से नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र से जुड़े सवाल हासिल किए और उन्हें लीक किया।

बीमारी का कहर- एक और मासूम की मौत, ढाई महीने में 8 बच्चों ने गंवाई जान

आदिवासी अंचल में मौतों का सिलसिला जारी, 3 वर्षीय प्रियंका ने जिला अस्पताल में तोड़ा दम, बीमारी की असली वजह अब भी रहस्य, दिग्विजयसिंह ने सीएम को लिखा पत्र राज्य स्तरीय जांच, दोषियों पर कार्रवाई और मृत बच्चों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की सहायता की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के आदिवासी अंचल अडोरी और मछुरदा पंचायत के गांवों में फैली बीमारी का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार बीमार पड़ रहे बच्चों के बीच जिला अस्पताल में भर्ती 3 वर्षीय मासूम प्रियंका पिता सुकचंद धुर्वे की इलाज के दौरान मौत हो गई। प्रियंका को 9 अगस्त को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इस मौत के साथ ही पिछले करीब ढाई महीने में आदिवासी अंचल में बीमारी से जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या 8 तक पहुंच गई है।

एक नजर में

ढाई महीने में 8 बच्चों की मौत
3 वर्षीय प्रियंका ने इलाज के दौरान तोड़ा दम।
9 अगस्त को कराया गया था भर्ती
बीमारी बनी रहस्य
मौत की ठोस वजह अब तक स्पष्ट नहीं।
जांच के लिए पुणे भेजे गए सैंपल,
नही आई अब तक जांच रिपोर्ट
दिग्विजयसिंह ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र
राज्य स्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग
मृतको के परिजनों को 10-10 लाख रुपये देने की मांग।
गंभीर बच्चों का बड़े शहरों में उपचार करने कहा

बीमारी कौन सी, अब तक स्पष्ट नहीं

महामारी प्रभावित गांवों में जबलपुर मेडिकल कॉलेज की टीम के साथ बालाघाट के चिकित्सीय अमले ने भी बच्चों का परीक्षण किया है। इसके बावजूद अब तक बीमारी की कोई ठोस वजह सामने नहीं आ सकी है। चिकित्सकों के अनुसार प्रभावित बच्चों में निमोनिया, खून की कमी, शरीर में पानी की कमी, किडनी पर असर, सर्दी-खांसी, बुखार, एग्जिमा, खुजली, फंगस इंफेक्शन और मलेरिया जैसी अलग-अलग स्वास्थ्य समस्याएं सामने आई हैं।

सैम्पल की अब तक नही आई रिपोर्ट

बताया गया कि बीमारी के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए सैंपल पुणे भी भेजे गए हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की ओर से अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इनकी रिपोर्ट कब तक सामने आएगी। ऐसे में ग्रामीणों और मृत बच्चों के परिजनों में बीमारी को लेकर चिंता और भय लगातार बढ़ता जा रहा है।

अब तक इन मासूमों की जा चुकी है जान

प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 जून से 11 अगस्त के बीच बीमारी की चपेट में आकर 13 वर्षीय लमनिन पिता समारू धुर्वे, 1 वर्षीय साहिल पिता समारू धुर्वे, 1 वर्ष 9 माह की पूजा पिता चमरू धुर्वे,5 वर्षीय सचिन पिता चैनसिंह मरकाम, 4 वर्षीय प्रीति पिता नेहरू मरकाम, 4वर्षीय अरविंद पिता चैतु धुर्वे, मंगली मरकाम और अब 3 वर्षीय प्रियंका पिता सुकचंद धुर्वे की मौत हो चुकी है।

अब सबसे बड़ा सवाल

लगातार बच्चों की मौत के बावजूद बीमारी की वास्तविक वजह सामने नहीं आने से ग्रामीणों में भय का माहौल है। सवाल यह है कि आखिर बच्चों की मौत का कारण क्या है? क्या यह किसी संक्रामक बीमारी का प्रकोप है, दूषित पानी या भोजन इसका कारण है, अथवा बच्चों में फैली अलग-अलग बीमारियों के पीछे कोई साझा वजह है? पुणे भेजे गए सैंपल की रिपोर्ट और विस्तृत चिकित्सकीय जांच के बाद ही तस्वीर साफ होने की उम्मीद है। फिलहाल हर नई मौत स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था और जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

दिग्विजयसिंह ने सीएम को लिखा पत्र

आदिवासी क्षेत्र में लगातार हो रही बच्चों की मौतों का मामला अब राजनीतिक स्तर पर भी गरमा गया है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बाद अब पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह ने भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र भेजकर पूरे मामले पर चिंता जताई है। उन्होंने बैगा आदिवासी परिवारों में फैल रही बीमारी को गंभीर स्थिति बताते हुए इसे विभागीय लापरवाही का परिणाम बताया है।दिग्विजयसिंह ने पत्र में कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति में शामिल बैगा आदिवासी परिवारों के बीच संक्रमण की बीमारी फैलने से परिवारों में मातम का माहौल है। उन्होंने मामले की राज्य स्तर से जांच कराने और दोषी अमले के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है।

मृत बच्चों के परिजनों को 10-10 लाख रू. सहायता की मांग

दिग्विजयसिंह ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि बीमारी से जान गंवाने वाले बच्चों के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए। वहीं गंभीर रूप से बीमार बच्चों को बेहतर उपचार के लिए एयरलिफ्ट कर नागपुर, रायपुर अथवा भोपाल के बड़े अस्पतालों में भर्ती कराया जाए और उनके उपचार का पूरा खर्च शासन वहन करे।

सिविल सर्जन ने की मौत की पुष्टि

सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने प्रियंका की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि बच्ची को कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां थीं। चिकित्सकीय टीम ने उसे बचाने का पूरा प्रयास किया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। लगातार हो रही बच्चों की मौतों के बीच अब सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि आखिर इन बच्चों को कौन सी बीमारी अपनी चपेट में ले रही है।

शिक्षको के बाद अब विघार्थियों की बारी

कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विघार्थियों की दर्ज होगी ऑनलाइन उपस्थिति, ई-उपस्थिति के बाद शिक्षा विभाग का नया कदम, एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर दर्ज होगी रोजाना अटेंडेंस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सरकारी स्कूलों में शिक्षक की उपस्थिति को ई-अटेंडेंस के माध्यम से ऑनलाइन करने के बाद, अब शिक्षा विभाग

विद्यार्थियों की उपस्थिति भी ऑनलाइन करने की ओर आगे बढ़ रहा है। विद्यार्थियों की उपस्थिति को लेकर शिक्षा विभाग अब व्यवस्था को डिजिटल करने जा रहा है। शिक्षकों की ई-उपस्थिति के बाद अब कक्षा 9वीं से 12वीं तक अध्ययनरत विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज की जाएगी। लोक शिक्षण संचालनालय ने इस संबंध में शिक्षा विभाग को निर्देश जारी कर दिए हैं।बताया गया कि नई व्यवस्था के तहत विद्यार्थियों की रोजाना उपस्थिति एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर दर्ज होगी।

जिले के 85 हजार विघार्थियों पर लागू होगा नियम

बात अगर जिले की करे तो विभागीय जानकारी के अनुसार जिले में कक्षा 9वीं से 12वीं तक करीब 85 हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। नई ऑनलाइन व्यवस्था लागू होने के बाद इन विद्यार्थियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा। विभाग इसी ऑनलाइन डाटा के आधार पर विद्यार्थियों की उपस्थिति की निगरानी करेगा।

कक्षा शिक्षक को दर्ज करनी होगी वास्तविक उपस्थिति

बताया गया कि एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर संबंधित कक्षा के सभी विद्यार्थियों की सूची प्रदर्शित होगी। कक्षा शिक्षक को विद्यार्थियों की वास्तविक उपस्थिति के अनुसार जानकारी अपडेट करनी होगी। इसके लिए उपस्थित, अनुपस्थित और अवकाश की तीन श्रेणियां निर्धारित की गई हैं।जिसमे विघार्थियों की जानकारी दर्ज की जाएगी।नई व्यवस्था में सिस्टम में सभी विद्यार्थियों की उपस्थिति पहले से दर्ज रहेगी। शिक्षक को केवल उन विद्यार्थियों के नाम के सामने 'अनुपस्थित' दर्ज करना होगा, जो कक्षा में मौजूद नहीं हैं। वहीं छुट्टी पर रहने वाले विद्यार्थियों के लिए 'अवकाश' विकल्प चुना जाएगा। जानकारी दर्ज करने के बाद शिक्षक को उसे सेव करना होगा।

कम उपस्थिति वालों पर रहेगी नजर

विभागीय जानकारी के अनुसार ऑनलाइन उपस्थिति शुरू होने के बाद शिक्षा विभाग को विद्यार्थियों की उपस्थिति का नियमित और व्यवस्थित डाटा मिल सकेगा। कम उपस्थिति वाले विद्यार्थियों की पहचान कर स्कूल प्रबंधन उनकी पढ़ाई में अतिरिक्त मदद की योजना बना सकेगा। जरूरत पड़ने पर ऐसे विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं भी संचालित की जा सकेंगी।वही लगातार अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें बच्चों की नियमित उपस्थिति के लिए प्रेरित किया जाएगा। विभाग का मानना है कि ऑनलाइन उपस्थिति से स्कूलों में विद्यार्थियों की वास्तविक उपस्थिति की निगरानी अधिक प्रभावी तरीके से हो सकेगी।

संचालनालय के निर्देशो का जिले में कराया जाएगा पालन-धनश्री जैन

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी धनश्री जैन ने बताया कि संचालनालय के निर्देश के अनुसार कक्षा 9वीं से 12वीं तक विद्यार्थियों की उपस्थिति एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर दर्ज की जाएगी। विद्यार्थियों की उपस्थिति संबंधी जानकारी पोर्टल के माध्यम से ही प्राप्त की जाएगी।हमे संचालनालय से जो निर्देश प्राप्त हुए हैं उसका जिले में पालन कराया जाएगा।

हर घर तिरंगा अभियान में डाईट छात्रों ने निकाली देशभक्ति रैली, नारों से गूंजा बालाघाट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान के तहत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाईट) बालाघाट के डीएलएड विद्यार्थियों ने नगर में देशभक्ति रैली निकाली। इस रैली का

उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना रहा। रैली में डीएलएड विद्यार्थियों ने तिरंगा लेकर नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया। इस दौरान घर-घर तिरंगा फहराएंगे, आजादी का अमृत उत्सव मनाएंगे, भारत माता की जय, वंदे मातरम, मेरा देश तिरंगा-मेरी शान तथा हर घर तिरंगा-हर दिल तिरंगा जैसे देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंज उठा। डाईट प्राचार्य नरेश प्रसाद मलगाम ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देश के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने की महत्वपूर्ण पहल है। तिरंगा देश के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और संघर्ष की याद दिलाता है। यह अभियान नागरिकों में देशभक्ति और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति जुड़ाव को मजबूत करता है। तिरंगा देश की शान, एकता और अखंडता का प्रतीक है तथा हर घर तिरंगा अभियान देशवासियों को एक सूत्र में जोड़ने का संदेश देता है। रैली में वरिष्ठ व्याख्याता अरविंद मते, वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती सरला भारद्वाज, उच्चतर माध्यमिक शिक्षक श्री तुलेन्द्र कुथे सहित डाईट में अध्ययनरत डीएलएड के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

15 अगस्त को लेकर, रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के मद्देनजर रेलवे स्टेशन एवं ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जीआरपी चौकी बालाघाट पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के पालन में बुधवार, 12 अगस्त को जीआरपी चौकी बालाघाट के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने रेलवे स्टेशन बालाघाट में सघन चेकिंग अभियान चलाया।सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से चलाए गए इस अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन परिसर के विभिन्न हिस्सों की बारीकी से जांच की गई। जीआरपी टीम ने आने-जाने वाली ट्रेनों के साथ ही प्लेटफार्म, बुकिंग विंडो और मुसाफिर खाना सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर चेकिंग की।

ट्रेनों से लेकर प्लेटफार्म तक निगरानी

चेकिंग अभियान के दौरान जीआरपी के जवानों ने ट्रेनों में यात्रियों एवं उनके सामान की जांच की। वहीं प्लेटफार्म पर संदिग्ध गतिविधियों और लावारिस सामान पर विशेष नजर रखी गई। बुकिंग विंडो तथा मुसाफिर खाने में भी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।बताया गया कि 15 अगस्त के राष्ट्रीय पर्व को देखते हुए रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की आवाजाही बढ़ने की संभावना है। ऐसे में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए जीआरपी द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ाई गई है।

संदिग्ध गतिविधियों पर रहेगी नजर

जीआरपी अधिकारियों ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशानुसार स्वतंत्रता दिवस तक रेलवे स्टेशन एवं ट्रेनों में लगातार निगरानी और चेकिंग अभियान जारी रहेगा। पुलिस द्वारा यात्रियों से भी अपील की जा रही है कि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। लावारिस सामान दिखाई देने पर उसे स्वयं न छुएं और इसकी सूचना जीआरपी को दें।राष्ट्रीय पर्व के दौरान रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए जीआरपी की टीम लगातार सक्रिय रहेगी।अभियान के दौरान रेलवे परिसर में सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच कर आवश्यक सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए गए।

खैरलांजी क्षेत्र में बाघ की दहशत बरकरार, अब एथेनॉल प्लांट मिरगपुर में दिखे बाघ के पगमार्क

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। खैरलांजी क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी से एक बार फिर दहशत का माहौल बन गया है। बुधवार सुबह मिरगपुर स्थित एथेनॉल प्लांट परिसर के आसपास बाघ के पगमार्क देखे जाने की जानकारी सामने आई है। पगमार्क दिखाई देने के बाद प्लांट क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों और आसपास के ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि सुबह प्लांट क्षेत्र में कुछ लोगों की नजर जमीन पर बने बाघ के पगमार्क पर पड़ी। इसकी सूचना उन्होंने ग्रामीणों और विभागीय कर्मचारियों को दी।उधर बाघ के पगमार्क मिलने की खबर क्षेत्र में फैलते ही लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई।बताया गया कि मिरगपुर और आसपास का इलाका वन क्षेत्र से लगा होने के कारण यहां वन्यप्राणियों की आवाजाही बनी रहती है। इससे पहले भी क्षेत्र में बाघ के मूवमेंट की खबरें सामने आती रही हैं। ऐसे में एथेनॉल प्लांट के समीप बाघ के पगमार्क मिलने से लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

ग्रामीणों ने की निगरानी बढाने की मांग

ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि मौके पर पहुंचकर पगमार्क की जांच की जाए और क्षेत्र में बाघ की वास्तविक मौजूदगी का पता लगाने के लिए निगरानी बढ़ाई जाए। साथ ही ग्रामीणों और प्लांट कर्मचारियों की सुरक्षा की मांग की गई है। फिलहाल बाघ के पगमार्क मिलने की सूचना के बाद क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही है। वन विभाग की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि पगमार्क हाल के हैं और बाघ किस दिशा में गया है।

ग्रामीण पटेलों की जिला स्तरीय बैठक कल, पटेलों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर होंगी चर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण पटेल कल्याण संघ मध्यप्रदेश द्वारा बालाघाट जिले के ग्रामीण पटेलों की जिला स्तरीय बैठक 14 अगस्त को आयोजित की गई है। बैठक बस स्टैंड स्थित धर्मशाला मे सुबह 11 बजे से प्रस्तावित है। बैठक में आगामी कार्यवाही को लेकर निर्णय लिए जाएंगे तथा आगे की रणनीति एवं रूपरेखा तैयार की जाएगी।संघ की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि जिले की पटेलों की उपेक्षा किए जाने सहित विभिन्न विषयों पर बैठक में विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही बैठक के दौरान विभिन्न तहसीलों में पदाधिकारियों का चयन कर उनकी नियुक्ति की जाएगी। संगठन ने बालाघाट जिले के सभी पदाधिकारियो व ग्रामीण पटेलों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने की अपील की है। ग्रामीण पटेल प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल शरणागत, प्रदेश उपाध्यक्ष टेकचंद बोपचे, प्रदेश सदस्य ईश्वर दयाल हनवत, जिला अध्यक्ष कृष्णा कुमार और उदेलाल डहारे सहित जिला एवं तहसील स्तर के पदाधिकारियों ने बैठक में अधिक से अधिक संख्या में ग्रामीण पटेलों से शामिल होने का आग्रह किया है।बैठक में ग्रामीण पटेलों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के साथ आगामी कार्यक्रमों और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर भी निर्णय लिए जाने की संभावना है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0020/ड-154/2026-27
मौजा मोहगांव ध., रा.नि.मं. कनकी

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गोविंद पिता मुलचंद बरैया, जाति लोधी, निवासी ग्राम मोहगांव ध., तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा मोहगांव ध., रा.नि.मं. कनकी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता मूलचंद पिता बुध्दुलाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 10.05.1980 मृत्यु स्थल ग्राम मोहगांव ध. के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 18.08.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 10.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 13.08.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

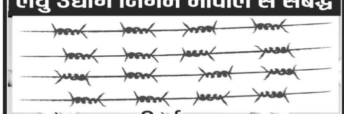

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

चार साल से फरार स्थाई वारंटी मनोज टेकाम गिरफ्तार

रूपझर पुलिस ने ग्राम गोनाझोला में घेराबंदी कर पकड़ा

चोरी के मामले में बैहर न्यायालय ने जारी किया था स्थाई वारंट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर पुलिस ने चोरी के मामले में पिछले करीब चार साल से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने स्थाई वारंटी को ग्राम गोनाझोला में घेराबंदी कर पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद उसे बैहर न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तार

स्थाई वारंटी मनोज पिता सुरेंद्र टीकम 26 वर्ष वार्ड ग्राम पानीटोला वार्ड नंबर 10 उकवा निवासी है। जिसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भेज दिया गया। रूपझर पुलिस के मुताबिक मनोज टेकाम के विरुद्ध घर में घुसकर चोरी करने के आरोप में थाने में अपराध क्रमांक 38/2022 के तहत धारा 457, 380, 34 भादवि में मामला दर्ज किया गया था। प्रकरण बैहर के न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी की अदालत में आपराधिक प्रकरण क्रमांक 9/2023 शासन विरुद्ध गजानंद उइके सहित तीन के नाम से विचाराधीन है।इस मामले में मनोज टेकाम लगातार फरार चल रहा था। न्यायालय द्वारा उसे गिरफ्तार कर पेश करने के लिए पूर्व में भी वारंट जारी किए गए थे।लेकिन वह पुलिस की पकड़ में नहीं आया। इसके बाद 5 दिसंबर 2023 को बैहर न्यायालय द्वारा बिना मियाद का स्थाई वारंट जारी किया गया था। वारंट जारी होने के बाद से पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी।फरारी के दौरान मनोज टेकाम द्वारा दूसरे शहरों में मजदूरी करने और अपनी पहचान छिपाकर रहने की जानकारी सामने आई। पुलिस ने उसकी तलाश मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों के साथ ही जिले से लगे छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी की, लेकिन उसका सुराग नहीं मिल पाया।इसी बीच पुलिस को हाल ही में सूचना मिली कि मनोज टेकाम अपने गांव पानीटोला में देखा गया है। सूचना के आधार पर रूपझर पुलिस उसकी लगातार निगरानी और तलाश में जुटी रही। 12 अगस्त को मनोज टेकाम के ग्राम गोनाझोला में मौजूद होने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे बैहर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। स्थाई वारंटी की गिरफ्तारी में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में रूपझर थाना प्रभारी निरीक्षक कामेश धुमकेती के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक देवेश तिवारी, आरक्षक कृष्णा कुमार यादव एवं आरक्षक अभिषेक कोष्टी की सराहनीय भूमिका रही।

दो माह से वेतन नहीं मिला तो जल शोधन संयंत्रों में काम बंद, पानी के लिए तरस रहे दर्जनों गांव

भटेरा, पिपरझरी, ढूटी और देवसर्रा प्लांट के करीब 80 कर्मचारी ने काम बंद हड़ताल की शुरू

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था से जुड़े जल शोधन संयंत्रों में काम करने वाले कर्मचारियों का वेतन विवाद अब गंभीर रूप लेता दिखाई दे रहा है। जून और जुलाई 2026 का वेतन नहीं मिलने से आर्थिक परेशानी झेल रहे करीब 80 कर्मचारियों ने विरोध स्वरूप जल शोधन संयंत्रों का संचालन बंद कर दिया है। कर्मचारियों के काम बंद करने का असर अब सीधे ग्रामीण क्षेत्रों की पेयजल व्यवस्था पर पड़ने लगा है। भटेरा, पिपरझरी, ढूटी और देवसर्रा जल शोधन संयंत्रों से जुड़ी पंचायतों में पानी की सप्लाई प्रभावित होने से ग्रामीणों के सामने भी परेशानी खड़ी हो गई है।

वेतन भुगतान की मांग को लेकर कर्मचारियों ने 11 अगस्त को जिला मुख्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा था। कर्मचारियों ने बताया कि वे एम/एस रियान वाटर टेक प्राइवेट लिमिटेड के अंतर्गत विभिन्न जल शोधन संयंत्रों में ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस का काम करते हैं। पिछले कई वर्षों से अपनी सेवाएं देने के बावजूद उन्हें जून और जुलाई माह का वेतन नहीं मिला है। दो महीने से वेतन अटकने के कारण कर्मचारियों के सामने परिवार का खर्च चलाने, बच्चों की पढ़ाई, राशन और अन्य आवश्यक जरूरतें पूरी करने में मुश्किलें आने लगी हैं। कर्मचारियों के अनुसार वेतन भुगतान को लेकर पहले भी संबंधित अधिकारियों से लगातार चर्चा की गई थी। 22 जुलाई को जल निगम और पीआईयू के अधिकारियों द्वारा कर्मचारियों को 5 अगस्त तक वेतन दिलाने का आश्वासन दिया गया था। कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें उम्मीद थी कि तय समय सीमा में समस्या का समाधान हो जाएगा, लेकिन 5 अगस्त बीतने के बाद भी उनके खाते में वेतन की राशि नहीं पहुंची। इससे कर्मचारियों का धैर्य जवाब देने लगा और उन्होंने विरोध का रास्ता अपनाने का निर्णय लिया। कर्मचारियों का आरोप है कि आश्वासन की अवधि समाप्त होने के बाद भी जब भुगतान नहीं हुआ तो उन्होंने अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया। उनका कहना है कि अब जल निगम के अधिकारी प्लांटों पर पहुंचकर कर्मचारियों की समस्या सुनने के लिए भी तैयार नहीं हैं। लगातार टल रहे भुगतान से कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती गई और आखिरकार उन्होंने प्लांटों का संचालन बंद करने का फैसला लिया। कर्मचारियों के मुताबिक 8 अगस्त से भटेरा जल शोधन संयंत्र का संचालन बंद किया गया। इसके बाद 10 अगस्त से पिपरझरी और ढूटी संयंत्रों का संचालन भी रोक दिया गया। देवसर्रा संयंत्र का संचालन भी कर्मचारियों के आंदोलन से प्रभावित हुआ है। बाद में कर्मचारियों ने चारों संयंत्रों में काम बंद रखने की बात कही। इसके चलते इन संयंत्रों से जुड़े गांवों और पंचायतों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें इस बात का पूरा अंदाजा है कि प्लांट बंद होने से ग्रामीणों को पानी के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है, लेकिन उनके सामने भी मजबूरी है। दो महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण उनके परिवार आर्थिक संकट में हैं। कर्मचारियों का कहना है कि वे लगातार काम कर रहे हैं, प्लांटों की व्यवस्था संभाल रहे हैं और ग्रामीणों तक पानी पहुंचाने की जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन जब उन्हें समय पर मेहनताना ही नहीं मिलेगा तो उनके लिए परिवार का पालन-पोषण करना मुश्किल हो जाएगा। कर्मचारियों का यह भी कहना है कि उन्होंने शुरुआत में अधिकारियों से बातचीत कर समस्या का समाधान कराने का प्रयास किया था। वेतन भुगतान के आश्वासन के बावजूद जब राशि नहीं मिली तो मजबूर होकर काम बंद करना पड़ा। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि उनकी मांग किसी अतिरिक्त लाभ की नहीं, बल्कि किए गए कार्य के बदले लंबित वेतन के भुगतान की है। इस संबंध में कर्मचारी दुर्गेश राहागडाले ने दूरभाष पर चर्चा करते हुए बताया कि 11 अगस्त को जनसुनवाई में ज्ञापन सौंपकर प्रशासन को कर्मचारियों की समस्या से अवगत कराया गया था। उन्होंने बताया कि इसके बाद 12 अगस्त से भटेरा, पिपरझरी, ढूटी और देवसर्रा जल शोधन संयंत्रों में कर्मचारियों ने काम बंद रखा है। उनका कहना है कि कर्मचारियों से एक माह का वेतन देने को लेकर भी चर्चा हुई, लेकिन कर्मचारी जून और जुलाई दोनों महीनों का पूरा बकाया वेतन देने की मांग पर कायम हैं। दुर्गेश के अनुसार काम बंद होने के बाद जिले की कई दर्जन पंचायतों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हुई है। उनका कहना है कि कर्मचारी भी ग्रामीणों की समस्या को समझते हैं, लेकिन जब तक उनके दो माह के वेतन का भुगतान नहीं होता, तब तक काम शुरू करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारी वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं और उन्हें अपने मेहनताने के लिए इस तरह संघर्ष करना पड़ रहा है, यह चिंताजनक स्थिति है। वहीं, पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने के कारण अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी समस्या बढ़ने लगी है। जिन गांवों में संबंधित जल शोधन संयंत्रों से नियमित पानी की सप्लाई होती है, वहां आपूर्ति बाधित होने से लोगों को वैकल्पिक साधनों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। यदि कर्मचारियों और संबंधित कंपनी के बीच जल्द समाधान नहीं निकला तो आने वाले दिनों में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट और गहरा सकता है। कर्मचारियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि एम/एस रियान वाटर टेक प्राइवेट लिमिटेड और जल निगम के अधिकारियों को तत्काल निर्देशित कर जून एवं जुलाई माह का लंबित वेतन जारी कराया जाए। कर्मचारियों का कहना है कि वे अपनी मांग को लेकर प्रशासन के समक्ष पहुंचे हैं और चाहते हैं कि मामले का जल्द समाधान निकले, ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिलने के साथ ही बंद पड़े जल शोधन संयंत्रों का संचालन दोबारा शुरू किया जा सके और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति भी सामान्य हो सके।

हरियाली अमावस्या पर शनि मंदिरों में उमड़ी श्रद्धा, दिनभर चले धार्मिक आयोजन

सराफा बाजार के 132 वर्ष पुराने शनि मंदिर में भोर से शुरू हुआ अभिषेक-पूजन और महाप्रसाद का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हरियाली अमावस्या के पावन पर्व पर बुधवार को जिलेभर में आस्था और भक्ति का माहौल देखने को मिला। जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण अंचलों तक श्रद्धालुओं ने भगवान शनिदेव के मंदिरों में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था, जो देर शाम तक जारी रहा। भक्तों ने शनिदेव के दर्शन कर तेल अर्पित किया और परिवार की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर जिले के विभिन्न शनि मंदिरों में अभिषेक, हवन, पूजन, आरती और महाप्रसाद सहित अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

शहर के सराफा बाजार स्थित प्राचीन शनि मंदिर में हरियाली अमावस्या का पर्व विशेष धार्मिक आयोजनों के साथ मनाया गया। करीब 132 वर्ष पुराने इस मंदिर में लंबे समय से चली आ रही परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। मंदिर के पुरोहित देव कुमार जोशी ने बताया कि पर्व को लेकर मंदिर परिसर में विशेष तैयारियां की गई थीं। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचने लगे थे। हरियाली अमावस्या के दिन मंदिर में धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत सुबह करीब 4 बजे भगवान शनिदेव की प्रतिमा के विशेष स्नान से हुई। इसके बाद मंत्रोच्चार के साथ भगवान शनिदेव का विधि-विधान से अभिषेक किया गया। अभिषेक के पश्चात विशेष पूजा-अर्चना और हवन का आयोजन हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होकर भगवान शनिदेव का आशीर्वाद लिया। कई श्रद्धालुओं ने शनिदेव को तेल अर्पित कर अपनी मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना की। पर्व को लेकर सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की कतार लगने लगी थी। लोग परिवार के साथ मंदिर पहुंचे और दर्शन-पूजन किया। जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ता गया, मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ती गई। पूरे दिन मंदिर में धार्मिक गतिविधियां जारी रहीं। शनिदेव के जयकारों से मंदिर परिसर गूंजता रहा और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। हरियाली अमावस्या के अवसर पर सराफा बाजार स्थित शनि मंदिर में विशाल महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया। पुरोहित देव कुमार जोशी ने बताया कि महाप्रसाद का वितरण सुबह करीब 11 बजे से प्रारंभ किया गया। इसके बाद लगातार श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाता रहा। देर शाम तक महाप्रसाद ग्रहण करने के लिए लोगों की आवाजाही बनी रही। शहर के अलावा आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी आयोजन में सहभागिता की और प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसर में दिनभर धार्मिक आयोजन और महाप्रसाद का सिलसिला चलता रहा। एक ओर श्रद्धालु भगवान शनिदेव की पूजा-अर्चना में लीन रहे, वहीं दूसरी ओर महाप्रसाद वितरण की व्यवस्था जारी रही। महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। लोगों ने शनिदेव के दर्शन कर अपने परिवार के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

दिनभर चले धार्मिक आयोजनों के बाद रात में मंदिर परिसर में भजन संध्या का आयोजन किया गया। रात करीब 8 बजे शुरू हुई भजन संध्या में भजन गायकों और कलाकारों ने भगवान शनिदेव सहित विभिन्न देवी-देवताओं की स्तुति से जुड़े भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों की मधुर धुनों के बीच श्रद्धालु देर रात तक भक्ति में डूबे रहे। मंदिर परिसर में देर रात तक धार्मिक वातावरण बना रहा। हरियाली अमावस्या का उत्साह ग्रामीण अंचलों में भी देखने को मिला। जिले के विभिन्न गांवों में स्थित शनि मंदिरों में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान शनिदेव की पूजा-अर्चना की। कई स्थानों पर विशेष अभिषेक और हवन के आयोजन किए गए। इसके बाद आरती और प्रसाद वितरण हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुबह से लेकर देर शाम तक मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही। हरियाली अमावस्या के अवसर पर जिलेभर में हुए धार्मिक आयोजनों ने लोगों की आस्था और परंपरा को जीवंत कर दिया। सराफा बाजार स्थित प्राचीन शनि मंदिर में भोर से शुरू हुए अभिषेक और पूजन से लेकर दिनभर चले महाप्रसाद तथा रात तक चली भजन संध्या में श्रद्धालुओं की सक्रिय सहभागिता रही। श्रद्धालुओं ने भगवान शनिदेव से परिवार की खुशहाली, सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हुए श्रद्धा और उत्साह के साथ पर्व मनाया।

वरिष्ठ पत्रकार शरद जोशी के निधन से पत्रकारिता जगत में शोक

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की बालाघाट जिला इकाई ने शोकसभा आयोजित कर दी श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रतलाम के वरिष्ठ पत्रकार एवं मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष शरद जोशी के आकस्मिक निधन से पत्रकारिता जगत में शोक की लहर है। उनके निधन पर मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की बालाघाट जिला इकाई द्वारा शोकसभा आयोजित कर दिवंगत पत्रकार को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिला अध्यक्ष इंद्रजीत भोज के नेतृत्व में आयोजित शोकसभा में पत्रकारों ने स्वर्गीय शरद जोशी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस दौरान उपस्थित पत्रकारों ने उनके व्यक्तित्व, पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान तथा पत्रकार हितों के लिए किए गए कार्यों को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि शरद जोशी ने लंबे समय तक पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय रहकर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। वे पत्रकारिता को केवल पेशे के रूप में नहीं, बल्कि समाज और पत्रकारों की आवाज को मजबूती से उठाने के माध्यम के रूप में देखते थे। पत्रकारों के हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर वे सदैव सक्रिय रहे तथा संगठनात्मक गतिविधियों में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। वक्ताओं ने कहा कि शरद जोशी का आकस्मिक निधन पत्रकारिता जगत के साथ-साथ मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के लिए भी बड़ी क्षति है। उनके अनुभव, सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण की कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। पत्रकार साथियों ने कहा कि उन्होंने अपने कार्य और व्यवहार के माध्यम से जो पहचान बनाई, उसे हमेशा याद रखा जाएगा। शोकसभा में जिला उपाध्यक्ष श्रवण शर्मा, महासचिव ओमेंद्र बिसेन सहित पत्रकार सुनील कोरे, मनीष जैन, माही महेश चौहान, गुणेश्वर सहारे, ईश्वर शरणागत, प्रदीप सर्राटे, महेश दोने, यमलेश बंजारी, असलम मूसा, शुभम मेश्राम और कमल खोडले सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही ईश्वर से शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में दुख सहने की शक्ति एवं संबल प्रदान करने की कामना की गई।

100 में से 93 बच्चे स्वस्थ होकर लौटे गांव, 108 एंबुलेंस से भेजे गए घर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट जिले के बिरसा विकासखंड के ग्राम कुंडेकसा, अडोरी, कोरका एवं बांदरी में स्वास्थ्य संबंधी समस्या के बाद उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराए गए बच्चों में से 93 बच्चे स्वस्थ होकर अपने गांव लौट गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि 12 अगस्त को कुल 100 बच्चों में से 93 बच्चों को सफलतापूर्वक स्वास्थ्य लाभ मिलने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया। सभी बच्चों को 108 एंबुलेंस के माध्यम से उनके गांव पहुंचाया गया। वर्तमान में सभी 93 बच्चे स्वस्थ हैं। सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने बताया कि 11 अगस्त की सुबह भी 17 बच्चों को उपचार के बाद डिस्चार्ज किया गया था। सभी बच्चे पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद 108 एंबुलेंस से अपने गांव रवाना किए गए। बच्चों के स्वस्थ होकर घर लौटने पर उनके परिजनों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

छह साल से फरार स्थाई वारंटी आदित्य बरले गिरफ्तार

लालबर्रा पुलिस ने घर पर घेराबंदी कर पकड़ा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा पुलिस ने किशोर न्याय बोर्ड बालाघाट के एक प्रकरण में करीब छह साल से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी आदित्य पिता रवनलाल बरले 22 वर्ष को उसके घर ग्राम बोरी मोहगांव में घेराबंदी कर पकड़ा। न्यायालय में पेश किए जाने के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल बालाघाट भेज दिया गया है। लालबर्रा पुलिस के अनुसार आदित्य बरले के विरुद्ध किशोर न्याय बोर्ड बालाघाट के प्रकरण क्रमांक 131/2020 में धारा 294, 427, 327, 506, 34 भादवि के तहत मामला दर्ज था। प्रकरण दर्ज होने के बाद से आदित्य लगातार फरार चल रहा था जिसकी की गिरफ्तारी के लिए न्यायालय द्वारा स्थाई वारंट जारी किया गया था। इसके बाद लालबर्रा पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस टीम ने बालाघाट जिले के अलावा छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों में भी उसकी तलाश की लेकिन वह अपनी पहचान छिपाकर फरारी काट रहा था। पुलिस द्वारा आरोपी आदित्य की लगातार गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी।इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि आदित्य बरले को उसके घर पर देखा जा रहा है। सूचना की तस्दीक के बाद लालबर्रा पुलिस टीम ने 11 अगस्त की शाम करीब 6.05 बजे ग्राम बोरी मोहगांव में घेराबंदी कर आरोपी आदित्य बरले को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तारी के बाद उसे 12 अगस्त को बालाघाट न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल बालाघाट भेज दिया गया।स्थाई वारंटी की गिरफ्तारी में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में सहायक उप निरीक्षक प्रशांत बंसोड़, प्रधान आरक्षक विश्राम धुर्वे, आरक्षक दिलीप एवं आरक्षक सौरभ शर्मा की सराहनीय भूमिका रही।

अधिवक्ता संघ ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

नकल शाखा प्रभारी को हटाने और व्यवस्था में सुधार की मांग की

लंबे समय से लंबित आवेदनों, रसीद न देने और टिकट चस्पा न करने पर जताई गंभीर आपत्ति

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित तहसील कार्यालय की नकल शाखा की लचर कार्यप्रणाली और मनमानी से परेशान अधिवक्ता संघ ने 12 अगस्त को तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार को ज्ञापन सौंपा है। साथ ही तहसीलदार से अधिवक्ता संघ ने नकल शाखा प्रभारी (सेक्शन राइटर) को तत्काल हटाने, अतिरिक्त सेक्शन राइटर पदस्थ करने और पारदर्शी व्यवस्था लागू करने की मांग की है। तहसीलदार को सौंपे गये ज्ञापन के माध्यम से अधिवक्ता संघ ने आरोप लगाया कि नकल शाखा में पदस्थ वर्तमान सेक्शन राइटर का रवैया लंबे समय से गैर-जिम्मेदाराना और असहयोगात्मक बना हुआ है। नकल हेतु दिये गये आवेदनों पर नियत समय-सीमा के भीतर नकल उपलब्ध नहीं करवाई जा रही है। पक्षकारों और अधिवक्ताओं को महीनों नकल के लिये चक्कर कटवायें जाते हैं। जिससे न्यायालयीन प्रकरणों की सुनवाई सीधे तौर पर प्रभावित हो रही है। वहीं अधिवक्ता संघ द्वारा सौंपे गये ज्ञापन पर तहसीलदार ने मामले को संज्ञान लेते हुए शीघ्र व्यवस्था में सुधार करने का आश्वासन दिया है। साथ ही लोक सेवा केंद्र के माध्यम से भी नकल वितरण प्रक्रिया को सुगम बनाने और अतिरिक्त सेक्शन राइटर की पदस्थापना हेतु जिला कलेक्टर को मांग पत्र प्रेषित करने की बात कही है।

गंभीर वित्तीय व शासकीय अनियमितताओं का आरोप

अधिवक्ताओं ने शाखा की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा कि शुल्क लेने के बावजूद पक्षकारों को विधिवत शासकीय रसीद जारी नहीं की जा रही है, जो कि गंभीर वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है। इसके अलावा तैयार की जाने वाली प्रतियों पर नियमानुसार आवश्यक राजस्व अथवा न्यायालयीन टिकट चस्पा नहीं किया जाता, जिससे दस्तावेजों की कानूनी वैधानिकता खतरे में पड़ जाती है।

अतिरिक्त स्टाफ की नियुक्ति की मांग

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि तहसील में केवल एक सेक्शन राइटर होने और उनके कार्य में रूचि न लेने के कारण सैकड़ों नकल आवेदन धूल फांक रहे हैं। संघ ने मांग की है कि वर्तमान सेक्शन राइटर की कार्यप्रणाली की जांच कर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाये और उन्हें शाखा से हटाया जाये। राजस्व एवं न्यायिक कार्यों के सुचारू संचालन के लिए कम से कम दो योग्य एवं दक्ष सेक्शन राइटर तत्काल पदस्थ किये जाये, आवेदन जमा होने पर पावती, निर्धारित शुल्क की रसीद तथा प्रतियों पर समुचित टिकट चस्पा करने की पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने सहित व्यवस्था में सुधार करने की मांग की है। साथ ही इस मामले की प्रतिलिपि अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) वारासिवनी और जिला कलेक्टर बालाघाट को भी प्रेषित कर शीघ्र हस्तक्षेप की मांग की गई है। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ लालबर्रा के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

नकल आवेदनों की विधिवत नहीं दी जाती है रसीद - बाबूलाल

अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बाबूलाल सराठे ने बताया कि तहसील कार्यालय स्थित नकल शाखा का कार्य लंबे समय से असंतोषजनक बना हुआ है। अधिवक्ताओं द्वारा नकल के लिए दिये जाने वाले आवेदनों की न तो विधिवत रसीद दी जाती है और न ही समय सीमा के भीतर नकलें उपलब्ध करवाई जा रही हैं। आगे बताया कि पूर्व में यहां दो सेक्शन राइटर पदस्थ थे, लेकिन वर्तमान में केवल एक ही पदस्थ होने के कारण कार्य का अत्यधिक दबाव है। इसलिए तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर मांग की गई है कि निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करते हुए व्यवस्था दुरूस्त की जाये एवं शीघ्र ही एक अतिरिक्त सेक्शन राइटर की नियुक्ति की जाये।

बिना टिकट लगाये जारी होती है नकल - अजय

वरिष्ठ अधिवक्ता अजय कौशल ने बताया कि समय पर आदेशों व दस्तावेजों की नकल न मिलने के कारण अपील न्यायालयों में समय पर तर्क व बहस पेश नहीं हो पाती। समय सीमा समाप्त होने से कई बार पक्षकारों के विरूध्द निर्णय पारित हो जाते हैं, जिससे उन्हें अपूरणीय क्षति उठानी पड़ती है। इसके अलावा बिना विधिवत टिकट लगाये ही अधिकारियों के हस्ताक्षर से नकलें जारी करने जैसी अनियमितताएं भी सामने आई हैं। इसलिए प्रशासन से मांग है कि नियमानुसार बिना टिकट नकलें जारी न की जाये।

व्यवस्था में की जायेगी सुधार - तहसीलदार

तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार ने बताया कि तहसील अधिवक्ता संघ द्वारा तहसील कार्यालय की नकल शाखा में पदस्थ कर्मचारियों की कार्यप्रणाली व व्यवस्थाओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में अधिवक्ताओं द्वारा नकल प्राप्त करने में आ रही दिक्कतों और हो रही देरी जैसी समस्याओं से अवगत करवाया गया है। श्री अहिरवार ने बताया कि नकल शाखा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं को शीघ्र ही दुरूस्त किया जायेगा। इसके साथ ही कर्मचारियों के आचरण व कार्यप्रणाली को लेकर मिली शिकायतों पर विधिवत वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

महाविद्यालय में डॉ. एस. आर. रंगनाथन जयंती एवं पुस्तकालय दिवस का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में 12 अगस्त को महान वैज्ञानिक एवं भारतीय पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस. आर. रंगनाथन की जयंती के अवसर पर पुस्तकालय दिवस का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं डॉ. रंगनाथन के छायाचित्र पर माल्यार्पण, पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी प्राचार्य ने कहा कि डिजिटल युग में भी पुस्तकों का विद्यार्थी जीवन में विशेष महत्व है। पुस्तकालय विद्यार्थियों के ज्ञान-विस्तार, व्यक्तित्व विकास एवं शोध क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक सुमन बरवा ने डॉ. एस. आर. रंगनाथन के पुस्तकालय विज्ञान में योगदान तथा आधुनिक पुस्तकालय व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए उन्होने विद्यार्थियों के जीवन में पुस्तकों के महत्व को भी रेखांकित किया। अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. देवराज चौरे ने ई-पुस्तक, डिजिटल लाइब्रेरी, ऑनलाइन संसाधनों एवं सूचना तकनीक के महत्व पर जानकारी देते हुए विद्यार्थियों से अपनी दैनिक दिनचर्या में पुस्तकों को शामिल करने का आव्हान किया। महाविद्यालय की ग्रंथपाल एवं कार्यक्रम संयोजक श्रीमती संध्या भलावे ने कहा कि पुस्तकालय विद्यार्थियों को शांत एवं अनुकूल वातावरण प्रदान करता है, जहां वे अपने लक्ष्य पर एकाग्र होकर अध्ययन कर सकते हैं। साथ ही विद्यार्थियों से सही पुस्तकों का चयन कर उन्हें पढ़ने, समझने और उनके ज्ञान को जीवन में लागू करने की अपील की है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक संपन्न

बैठक में स्वतंत्रता दिवस पर्व मनाने सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में बुधवार की शाम 4 बजे ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक कांग्रेस कमेटी ब्लॉक अध्यक्ष मनीराम भोयर सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर्व मनाने एवं किस-किस स्थानों पर कौन ध्वजारोहण करेगें सहित अन्य बिन्दुओं पर विचार-विमर्श कर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। साथ ही सभी को स्वतंत्रता दिवस का पर्व धूमधाम से मनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। साथ ही सभी को संगठित होकर पार्टी हित में काम करने कहा गया। बैठक में निर्णय लिया गया है कि पूर्व गृह मंत्री स्व. पंडित नंदकिशोर शर्मा के प्रतिमा स्थल में प्रात: 8 बजे वरिष्ठ कांग्रेसी ज्ञानचंद शर्मा, अनिल शर्मा, सेवादल स्थल गुजरी चौक में प्रात: 8.15 बजे मथुरा बिसेन, सुनिल अवधिया, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस गंज लालबर्रा में प्रात: 8.30 बजे मनीष कुशवाहा, गांधी टेक स्थल थाने के सामने प्रात: 9 बजे क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, पूर्व विधायक अशोकसिंह सरस्वार एवं ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर के द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा। चर्चा में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर ने बताया कि आगामी 15 अगस्त को कांग्रेस कमेटी के द्वारा स्वतंत्रता दिवस मनाये जाने हेतु बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में नगर मुख्यालय के विभिन्न स्थानों पर ध्वजारोहण करने की रूपरेखा तैयारी की गई है। साथ ही अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर संगठित होकर पार्टी हित में काम करने एवं 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर अधिक से अधिक पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से उपस्थित होने की अपील की गई है। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, नगर कांग्रेस अध्यक्ष अमीनुद्दीन हन्फी, शैलेष केकती, सुमित स्वामी, सुनिल अवधिया, ओपी बिसेन, इमरान खान, मथुरा बिसेन, गोलू ब्रम्हे, श्री सोनी, नीतिन साखला, चैनलाल श्रीवास सहित अन्य कांग्रेसी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बजरंग मंदिर में संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ जारी, 24 अगस्त को निकलेगी कांवड़ यात्रा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित बजरंग मंदिर में सावन मास के शुभारंभ 29 जुलाई से संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ जारी है जो एक माह तक निरंतर जारी रहेगा। इस अखण्ड रामायण पाठ के अवसर पर बजरंग मंदिर में रोजाना सुबह भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाता है। वहीं दिन में महिलाएं एवं रात्रि में पुरूष व युवा वर्ग के द्वारा शामिल होकर अखण्ड रामायण पाठ का वाचन किया जा रहा है जिससे नगर मुख्यालय भक्तिमय हो गया है। साथ ही सावन मास के अंतिम सोमवार 24 अगस्त को प्रात: 8 बजे बजरंग मंदिर से वैनगंगा नदी पोटियापाट धाम तक विशाल कांवड़ यात्रा डीजे की धुन पर निकाली जायेगी और कांवड़िये वैनगंगा नदी से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन कर धर्मलाभ अर्जित करेगें, जिसकी तैयारी समिति के द्वारा पूरी कर ली गई है। आपकों बता दे कि सावन मास के प्रारंभ होते ही नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में स्थित शिव मंदिर व शिवालयों में श्रध्दालुओं के द्वारा रोजाना अखण्ड रामायण पाठ व विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। साथ ही समितियों के माध्यम से कांवड़ यात्रा निकालकर वैनगंगा नदी पोटियापाट व अन्य स्थानों से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक व पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे है। इसी तरह बजरंग मंदिर समिति लालबर्रा के द्वारा भी सावन मास के अंतिम सोमवार 24 अगस्त को मंदिर से विशाल कांवड़ यात्रा निकाली जायेगी और वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। चर्चा में बजरंग मंदिर समिति लालबर्रा के संरक्षक ज्ञानचंद शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सावन मास के अवसर पर नगर मुख्यालय में स्थित बजरंग मंदिर में गत दिवस से अखण्ड रामायण पाठ जारी है, जिसका वाचन संपूर्ण सावन मास की समाप्ति तक जारी रहेगा और प्रतिदिन दिन में महिलाएं व रात्रि के समय पुरूष व युवा वर्ग के द्वारा संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ पढ़ा जा रहा है। श्री शर्मा ने बताया कि सावन मास के अंतिम सोमवार 24 अगस्त को प्रात: 8 बजे मंदिर प्रांगण से विशाल कांवड़ यात्रा निकलेगी जो वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट पहुंचेगी। जहां से कांवड़ में जल लाकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक व पूजा अर्चना की जायेगी और एक माह से जारी अखण्ड रामायण पाठ का रक्षाबंधन पर्व के दुसरे दिन हवन-पूजन व महाप्रसादी वितरण के साथ समापन किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील बजरंग मंदिर समिति लालबर्रा के पदाधिकारियों ने की है।

ब्लॉक यादव समाज संगठन की बैठक 14 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित यादव समाज मंगल भवन में 14 अगस्त को दोपहर 12 बजे से ब्लॉक यादव समाज संगठन की ब्लाक स्तरीय बैठक आहुत की गई है। चर्चा में यादव समाज संगठन लालबर्रा अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि बैठक में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को श्रध्दा, उत्साह एवं भव्यता के साथ मनाने ण्वं भव्य पदयात्रा/बाइक रैली निकाले जाने सहित अन्य बिन्दुओं पर विचार-विमर्श कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जायेगी। इस अवसर पर समाज के सभी पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील यादव समाज संगठन लालबर्रा अध्यक्ष मनोज यादव ने की है।

तिरंगा रैली एवं मानव श्रृंखला बनाकर राष्ट्र भक्ति का दिया गया संदेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में बुधवार को हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत तिरंगा रैली एवं मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे के निर्देशन में तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को देशभक्ति, राष्ट्रीय प्रेम एवं भारत माता की जय वंदेमातरम के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा दी गई। साथ ही तिरंगा रैली निकाली गई और महाविद्यालय परिसर में मानव श्रृंखला बनाकर राष्ट्र भक्ति का संदेश देकर स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाने प्रेरित किया गया। हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन गत 9 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक किया जाना सुनिश्चित किया गया है। इस अभियान में जन सामान्य को विगत वर्षो की तरह उत्साह और देशभक्ति के साथ स्वाधीनता दिवस मनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमन बरवा, डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, नरेश सौलखे, श्रीमती संध्या भलावे, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, मनीष शिवहरे, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. आशा कारे, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, पीतम मुरते, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमति वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

झाड़गांव से सहजाटोला मार्ग की बदहाली पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

सड़क पर परहा लगाकर जताया विरोध,उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत झाड़गांव के अंतर्गत आने वाले सहजाटोला के ग्रामीण विगत २० वर्षो से भी अधिक समय से पक्की सड़क के निर्माण की आस लगाए बैठे हैं लेकिन अब उनका सब्र का बांध टूट चुका है। बारिश की शुरुआत होते ही सहजाटोला को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग गड्ढों और भयंकर कीचड़ के खतरनाक जाल में तब्दील हो चुके हैं। जिम्मेदारो की अनदेखी से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर पसरे कीचड़ में धान का परहा यानि पौधा रोपकर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया और शीघ्र डामरीकरण नही होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

स्कूली बच्चों और ग्रामीणों का जीना मुहाल

सहजाटोला से मुख्य मार्ग तक पहुँचने के लिए दो रास्ते बने हुए हैं पहला सहजाटोला से झाड़गांव और दूसरा सहजाटोला से मेंढ़की। दुर्भाग्यवश दोनों ही मार्ग आज भी कच्चे हैं। वर्तमान में बारिश के कारण रास्तों पर कीचड़ भर गया है और जगह जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं। इसी खतरनाक रास्ते से होकर छोटे छोटे मासूम स्कूली बच्चे रोजाना स्कूल जाने को मजबूर हैं। आए दिन बच्चे कीचड़ में फिसलकर चोटिल हो रहे हैं जिससे अभिभावकों में भारी चिंता व्याप्त है। यह मार्ग ना केवल विद्यार्थियों बल्कि स्थानीय किसानों और मजदूरों की आवाजाही का भी एकमात्र जरिया है। सड़क की खस्ताहाल स्थिति के कारण पैदल चलना भी दूभर हो गया है। आए दिन लोग इस रास्ते पर फिसलकर गिर रहे हैं और दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण और मरम्मत को लेकर कई बार संबंधित विभागीय अधिकारियों और स्थानीय पंचायत प्रशासन को लिखित व मौखिक शिकायतें दी जा चुकी हैं। इसके बावजूद ना तो पंचायत स्तर पर मुरूम गिट्टी डालकर कोई अस्थाई मरम्मत कराई गई और ना ही जिम्मेदार अधिकारियों ने समस्या की गंभीरता को समझा। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि सहजाटोला के दोनों मुख्य संपर्कों झाड़गांव और मेंढकी मार्ग को जल्द से जल्द प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत शामिल कर पक्की डामरीकृत सड़क का निर्माण कराया जाए। सुरक्षित यातायात और बेहतर कनेक्टिविटी पाना उनका बुनियादी अधिकार है। यदि जल्द ही सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे जिसके लिए प्रशासन जिम्मेदार होगा।

मार्ग के खराब होने से स्कुल आने जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है-एकता मड़ावी

छात्रा एकता मडावी ने बताया कि हम सहजाटोला में रहते हैं मेंढ़की स्कूल में पढ़ाई करने के लिए जाते हैं। रोजाना हमें इस मार्ग से आना जाना करना पड़ता है कई बार हम गिरने से बच जाते हैं कपड़े खराब हो जाते हैं और कई बार तो गिर भी जाते हैं। यह मार्ग जब बहुत ज्यादा खराब हो जाता है तो हम स्कूल भी नहीं जा पाते हैं छुट्टी लेना पड़ता है। बहुत ज्यादा इस मार्ग पर समस्या है और हर कोई परेशान है।

२० वर्षो की समस्या है जो आज तक किसी ने ध्यान नही दिया-आलोक बिसेन

ग्रामीण आलोक बिसेन ने बताया कि हम मेंढ़की रहते हैं यह सड़क पर २० वर्षों से अधिक समय हो गया है कोई काम नहीं हुआ है। ग्राम पंचायत में भी इस पर कोई खास ध्यान नहीं दिया हर बार खाना पूर्ति की जाती है ,इस बार तो वह भी नहीं की गई है इस संबंध में सभी जनप्रतिनिधि और अधिकारियों को बताया गया है पर कुछ हुआ नहीं। सहजाटोला के लोग आना जाना बहुत मुश्किल में करते हैं काफी तकलीफ होती है। यहां ग्रामीणों ने धान का पौधा रोपाई कर दिया है यह बताता है कि ग्राम में कितना आक्रोश है। यहां पर काम के नाम पर मुरुम डाल दी जाती थी जो इस वर्ष नहीं डाली है हम चाहते हैं कि प्रधानमंत्री सड़क बने डामरीकरण हो।

वर्तमान विधायक को ज्ञापन देकर भी अवगत कराया कुछ नही हुआ-संदीप सुलाखे

ग्रामीण संदीप सुलाखे ने बताया कि हम सहजाटोला रहते हैं ग्राम पंचायत झाड़गांव है। शासन विकास की बात करता है परंतु डेवलपमेंट का मूल यातायात है जब सड़क ऐसी होगी तो विकास कैसा होगा। हम कई वर्षों से यहां सहते आ रहे हैं सड़क को ३० वर्ष से हम देख रहे हैं हमारे बुजुर्गों ने ५० वर्ष तक देखा है ऐसा कब तक चलेगा। वर्तमान विधायक को ज्ञापन देकर ७ बार हम मिलने गए हैं आश्वासन हमें वहां मिला है पंचायत में सरपंच को भी हमने कहा है। समस्या इतनी है कि ३ महीना बच्चे ढंग से स्कूल नहीं जाते हैं दुर्घटना होने की संभावनाएं बनी रहती है। मेंन रोड़ ढाई किलोमीटर दूर है ऐसा ही रहा तो हम जिला कलेक्टर के पास भी जाएंगे मुख्य सड़क पर धरना प्रदर्शन और चक्काजाम भी करेंगे इसके लिए शासन प्रशासन जिम्मेदार होगा।

नपा में याद किये गये प्रथम नपाध्यक्ष स्व.कस्तुरचंद वर्मा

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के साथ परिषद ने दी श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर पालिका परिषद में बुधवार को नगर के प्रथम नगर पालिका अध्यक्ष स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.कस्तुरचंद वर्मा की पुण्य तिथि मनाकर उन्हे याद किया गया। यह कार्यक्रम पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ,नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ,सीएमओ सूर्यप्रकाश उके सहित अन्य गणमान्य जनो की मौजूदगी में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों के द्वारा नपा परिसर में स्थित स्व.कस्तुरचंद वर्मा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर श्रध्दांजली अर्पित की गई। इस श्रद्धांजलि के अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

नगर के प्रथम नगर पालिका अध्यक्ष स्व.कस्तुरचंद वर्मा के जीवन पर प्रकाश डालकर उनके जीवन के बारे में विस्तार से बताया गया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि स्व. कस्तूरचंद वर्मा नपा के प्रथम अध्यक्ष थे जिन्होने लगातार १८ वर्ष तक सेवा की एवं वारासिवनी की बसाहट इन्होने की है जिसकी सभी तारिफ करते है। स्वर्गीय कस्तूरचंद वर्मा एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। आज जो भी शासकीय कार्यालय दिख रहे हैं वह उनकी बसावट है आज हम उन्हें याद करते हैं। नगर पालिका अध्यक्ष सरिता मनोज दादरे ने कहा कि हमने प्रथम नगर पालिका अध्यक्ष स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय कस्तूरचंद वर्मा को देखा तो नहीं परंतु उनके बारे में हमारे नेता पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल व अन्य लोगों से सुना है। श्री वर्मा के समय जिस प्रकार से नगर का विकास हुआ था वैसा पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल के कार्यकाल में नगर का विकास हुआ था। परंतु अब हमारी परिषद है जिसमें हमारे नेता प्रदीप जायसवाल का मार्गदर्शन है और निश्चित रूप से इस परिषद को भी नगर के विकास के लिए जाना जाए। ऐसा कार्य श्री जायसवाल के नेतृत्व में हमारे द्वारा करने का प्रयास रहेगा। इस अवसर पर नगर पालिका के पार्षद अधिकारी कर्मचारी सहित गणमान्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

किसानों की सिंचाई का संकट फसल प्यासी विभाग बेखबर

किसानो ने समस्या का निराकरण करने विभाग से की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत कासपुर के आमाटोला में जल संसाधन विभाग की घोर लापरवाही के कारण किसानों के सामने सिंचाई का एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है। ढूटी नहर से निकली माइनर का पानी जल निकासी मार्ग यानि मोंगा बंद होने की वजह से खेतों तक नहीं पहुँच पा रहा है। इस तकनीकी खामी और विभागीय अनदेखी के चलते लगभग १५० एकड़ कृषि भूमि में लगी फसलों पर सिचाई का खतरा मंडरा रहा है जिससे क्षेत्रीय किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

३ वर्षो से जुगाड़ के भरोसे खेती, अंतिम पानी के अभाव में नुकसान

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह समस्या कोई नई नहीं है बल्कि पिछले ३ वर्षों से लगातार बनी हुई है। बारिश के दिनों में मुरुम खदान के गड्ढों में जमा होने वाले पानी और आसपास के ट्यूबवेल धारकों से सहयोग लेकर किसान किसी तरह अपनी फसलों की शुरुआती सिंचाई करते आ रहे हैं। परंतु जब फसल के पकने के समय अंतिम पानी आखिरी सिंचाई की सबसे सख्त जरूरत होती है तब पानी नहीं मिल पाता। सही समय पर पानी नही मिलने से हर साल किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। कासपुर ढूटी नहर से निकली माइनर का पानी अंतिम छोर मदनपुर तक पहुँचता है। आमाटोला से कायदी कच्चे मार्ग पर पानी के बहाव और वितरण के लिए एक मोंगा वाटर कोष नाली मार्ग लगा हुआ है। यह मोंगा लंबे समय से बंद पड़ा है। मोंगा बंद होने के कारण पानी किसानों के खेतों की नालियों में जाने के बजाय सीधे मदनपुर की ओर बहकर निकल जाता है। पीडित किसानों ने इस गंभीर समस्या के संबंध में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को लिखित शिकायत दर्ज कराई है। इसके बावजूद विभाग ने अब तक मामले को गंभीरता से नहीं लिया है और ना ही स्थल का निरीक्षण कर सुधार कार्य कराया है। फसलों को बर्बादी से बचाने के लिए किसानों ने शासन व जल संसाधन विभाग से गुहार लगाई है कि बंद पड़े मोंगे को तत्काल खुलवाया जाए और नहर नाली की मरम्मत कराकर १५० एकड़ क्षेत्र के किसानों को सुचारू रूप से पानी उपलब्ध कराया जाए।

सिचांई विभाग के अधिकारियों को शिकायत करने के बाद भी नही हुआ समाधान-अमरसिंह भलावी

किसान अमर सिंह भलावी ने बताया कि सिंचाई के पानी की बहुत दिक्कत है वाटर कोर्स खेत नाली से पानी नहीं आ रहा है। मुख्य सड़क पर गुजरने वाली नाली में एक मोंगा लगा है जो अंदर आता है परंतु वह बंद हो गया है क्योंकि नीचे मिट्टी में वह दब गया है। यहां पर करीब १५० एकड़ कृषि भूमि स्थित है जो अब नहर के पानी से असिंचित पड़ी हुई है इसकी शिकायत भी किये थे पर कुछ हुआ नहीं। अभी सिंचाई के लिए हम गड्ढे में जमा पानी ले रहे हैं आखिरी पानी में हमें नुकसान उठाना पड़ता है पर्याप्त पानी सिचांई के लिए नहीं मिल रहा है। यह कासपुर से नहर आती है हम चाहते हैं कि विभाग इस पर गंभीरता से ध्यान देकर हमारे खेतों में पानी पहुंचाये।

रानी अवंती बाई स्टेडियम में शुरू हुई परेड़ रिहर्सल

परेड़ में १० ग्रुप होंगे शामिल, सिखाई जा रही कदमताल की बारीकी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में आगामी १५ अगस्त को राष्ट्रीय महापर्व स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाने की व्यापक तैयारियां चल रही हैं। इस राष्ट्रीय पर्व का मुख्य आकर्षण भव्य परेड़ होगी जिसकी रिहर्सल ११ अगस्त से ही प्रारंभ कर दी गई है। परेड़ में शामिल कैडेट्स १५ अगस्त के मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि को सलामी देंगे। परेड़ में शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों तथा शासकीय महाविद्यालय के सीनियर और जूनियर कैडेट्स को मिलाकर कुल १० ग्रुप भाग ले रहे हैं। रिहर्सल में एनसीसी, स्काउट एंड गाइड, रेड क्रॉस तथा विभिन्न निजी शिक्षण संस्थानों के कैडेट्स शामिल हैं। कैडेट्स को एक साथ कदमताल करने, तालमेल बिठाने, कप्तान के आदेशों को मुस्तैदी से सुनने और सटीक

शारीरिक मुद्रा बनाए रखने का कड़ा अभ्यास कराया जा रहा है। ११ अगस्त से शुरू हुई यह रिहर्सल १४ अगस्त तक चलेगी। १४ अगस्त को फाइनल ड्रेस रिहर्सल के बाद दस्ता सीधे १५ अगस्त को मुख्य मंच के सामने अपनी प्रस्तुति देगा। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस परेड का विशेष आकर्षण महिला सशक्तिकरण की झलक होगी। हर वर्ष जहां अमूमन बालक वर्ग से ही कप्तान या गार्ड बनाए जाते थे। वहीं इस बार समानता और नारी शक्ति को बढ़ावा देने के लिए २ बालक और २ बालिकाओं को गार्ड बनाया गया है। इस प्रकार इस वर्ष बालिकाएं भी स्वतंत्रता दिवस की परेड़ का नेतृत्व और संचालन करेंगी। समारोह के सफल और व्यवस्थित आयोजन के लिए तहसील कार्यालय में एसडीएम की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा, स्वच्छता और दर्शक व्यवस्था से जुड़े आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए। एनसीसी अधिकारियों ने बताया कि सभी कैडेट्स कडी मेहनत के बावजूद पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ अभ्यास में जुटे हुए हैं। पूरे कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र परेड होती है जो सभी को देश भक्ति से भर देती है। इस दौरान कैडेट को परेड की बारीकी सिखाई जा रही है ताकि वह १५ अगस्त को बेहतर प्रस्तुति दे सके। इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी सहित बड़ी संख्या में कैडेट्स मौजूद रहे।

श्री शनिदेव जन्मोत्सव भक्तिभाव और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के रेलवे स्टेशन रोड़ निर्मल नगर वार्ड नं.६ स्थित शनि मंदिर में श्रावण बदी अमावस्या के पावन अवसर पर १२ अगस्त को भगवान श्री शनिदेव का जन्मोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास भक्तिभाव और श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। दिनभर चले धार्मिक अनुष्ठानों और कार्यक्रमों में नगर की धर्मप्रेमी जनता ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित किया। जन्मोत्सव के इस पावन अवसर पर सुबह से ही मंदिर परिसर में शनिभक्तों का तांता लगा रहा। सुबह ९ बजे भगवान शनिदेव का आकर्षक श्रृंगार कर प्रथम आरती की गई। शनिभक्तों के द्वारा भगवान शनिदेव को शुद्ध तेल से स्नान कराया गया एवं विधिवत अभिषेक किया गया। दिनभर मंदिर प्रांगण में शनिदेव के स्तोत्र पाठ और पूजन का क्रम निरंतर चलता रहा। रात्रि ८ बजे से ९ बजे तक विद्वान आचार्यों के मार्गदर्शन में विधि विधान से हवन पूजन एवं शांति महायज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुतियां दीं। तत्पश्चात् रात्रि ९ बजे भगवान शनिदेव का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इसके पश्चात भव्य महाआरती की गई और उपस्थित जनसमुदाय को महाप्रसादी का वितरण किया गया। पुजारी पं. गिरधर जोशी ने बताया की हरियाली

अमावस्या को शनि जन्मोत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष की भांति किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने सुगमता से दर्शन कर दान सामग्री और पूजा अर्चना की गयी। जन्मोत्सव और महाआरती के दौरान समूचा मंदिर प्रांगण जय शनिदेव के जयकारों से गुंजायमान रहा। नगरवासियों ने भगवान शनिदेव से क्षेत्र की सुख, समृद्धि और शांति की कामना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तगणो के द्वारा उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित किया गया।

पीढ़ीयां अपनी आयु और नाम से नहीं काम से पहचान पाती है!

समाजशास्त्र के लिए पीढ़ियों की पढ़ाई करना, उनकी अंत:-अन्तरा प्रवृत्ति की समझ रखना प्राथमिकता रही है। हर पीढ़ी के सम्मुख अपने समय के अवसर, चुनौतियां, खूबियां और खामियां रहती हैं। इसलिए किसी पीढ़ी की सही-संतुलित समझ उसको समग्रता के साथ समझने से ही संभव है। जेन्जी जनरेशन को केवल उपद्रवी/आंदोलनकारी अथवा नकारात्मकता से आप्लावित समझ लेना ठीक नहीं है। उनकी अपनी उपलब्धियां है। खेल, शिक्षा, तकनीक और अन्य क्षेत्रों में वे बेजोड़ हैं। इसी तरह पीढ़ियों के नामकरण का यह उद्यम भी सरल नहीं है। जनरेशनल स्टडीज मानव इतिहास को समझने का एक अलग दृष्टिकोण है। जो व्यक्तियों से परे सामूहिक अनुभवों की पहचान कराता है। पीढ़ियों को पढ़ने की यह सामाजिक दृष्टि अनुसंधान के नए आयामों का आहवाहन करती है। समय किसी भी सामाजिक परिवेश की सही-सही शिनाख्त रखता है। हर दौर की पीढ़ी कुछ स्थापित संरचनाओं में सवंर्द्धित होती है। समय विशेष में जन्मी पीढ़ियां अपने समय सरोकारों के समानान्तर ही अपनी पहचान बनाती है। सामाजिक परिवेश जिस राजनीतिक-आर्थिकी और तकनीकी द्वारा गढ़ा जाता है वही उस दौर की समस्याओं, लक्ष्यों, उददेश्यों और आवश्यकताओं का भी निर्धारण करता है। पीढ़ियां अपने सामाजिक सरोकारों और ऐतिहासिक संदर्भों में ही अर्थ ग्रहण करती है। भारतीय पीढ़ियों को समय सरोकारों के ऐतिहासिक संदर्भों में देखा जाए तो- आजादी के लिए संघर्ष करने वाली सबसे पहली ग्रेटेस्ट जनरेशन दो-दो विश्व युद्धों की त्रासदी झेलते हुए वैश्विक महामंदी और भयावह महामारियों से गुजरते हुए विभाजन की विभीषिका के कटु अनुभवों गुजरी। बावजूद इस सबके आजादी की सुखद नई हवा में जीने वाली इस जनरेशन के सम्मुख राष्ट्र निर्माण का एक महान स्वपन मौजूद था। आजादी के महान संघर्ष जुड़ी भारतीय पीढ़ी बहुत पारंपरिक, ईमानदार और अनुशासित जीवन जीते हुए संचार के सरल तरीको चिठठी, पत्रों और अंतरदेशीय खतों को लिखते हुए बढ़ी हुई। लैंडलाइन फोन और पी.सी.ओ. की लम्बी लाइनों तथा राशन की दुकानों पर प्रतीक्षारत रही। कक्षाओं में पिटना, किताबों से पढ़ना और शिक्षकों की शक्ल में गुरुओं से डरना, गर्मियों की छुटि्टयों में बुआ, मौसी और मामाओं के घर मस्ती करना। यह सादगी, सरलता और सहजता के जीवन का सिलसिला इस ग्रेट जनरेशन की कर्त्तव्यपरायता, निष्ठा और सबके प्रति सम्मान का सिलसिला रहा। दूसरी पीढ़ी साइलेंट जनरेशन अपने शांतिपूर्ण स्वभाव और नवाचारों के लिए जानी जाती है। यह बेहद मेहनती, आशावादी और थोड़ा-थोड़ा प्रतिस्पर्धी बनने की तरफ बढ़ी। यह स्थायी सरकारी नौकरियों में मस्त, घंटों काम करना, छोटे-बड़ों का सम्मान रखना इसकी पहचान बनी। इस पीढ़ी ने कम्पयूटर भी अपने जीवन के आखिरी दौर में देखा। इसका समाजीकरण भी अनुभव और किताबी शिक्षण के साथ ही चला। हां काम करने के प्रति समर्पण और प्रत्यक्ष संवाद के संग-संग व्यक्तिगत कॉल जीवन का हिस्सा होने लगी। व्यक्तिगत उपलब्धियां पहचान पाने लगी। साथ ही सामुदायिक चेतना भी आकार लेने लगी। हफ्तों/महीनों के राशन भंडारण का चलन भी इसी पीढ़ी की पहचान रही। इस पी ?ी ने बदलाव के स्वर दबी जुबान ही उठाए।

38 करोड़ जेन ज़ेड का सियासी विस्फोट

भारत में जेन ज़ेड का उदय, राजनीति की नई करवट-2027 में पांच राज्यों व 2029 में करोड़ों युवा तय करेंगे दिल्ली की सत्ता ?

वैश्विक स्तरपर 9 अगस्त 2026 की स्थिति को आधार बनाकर देखें तो भारत की राजनीति में एक ऐसा पीढ़ीगत बदलाव दिखाई देने लगा है,जिसे अब केवल युवा मतदाता कहकर टालना संभव नहीं है। जेन-ज़ेड आमतौर पर 1997 से 2012 के बीच जन्मी पीढ़ी का सबसे बड़ा प्रभाव यह है कि इसका राजनीतिक व्यवहार परंपरागत राजनीतिक निष्ठाओं, जातीय समीकरणों और दलगत पहचान से आगे बढ़कर रोजगार,शिक्षा, पारदर्शिता परीक्षा व्यवस्था, डिजिटल स्वतंत्रता और जवाबदेही जैसे प्रत्यक्ष मुद्दों से जुड़ता दिखाई दे रहा है। हालांकि एक महत्वपूर्ण सावधानी जरूरी है,जेन-ज़ेड कोई आधिकारिक चुनावी श्रेणी नहीं है और इसकी आयु -सीमा पर पूर्ण सहमति भी नहीं है;इसलिए भारत में इसके मतदाताओं की सटीक संख्या बताने के बजाय आयु-समूह और मतदाता- आंकड़ों के आधार पर अनुमान लगाना अधिक वैज्ञानिक है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र जेन ज़ेड की स्थिति पर लगातार नजर गड़ाए हुए हूँ और यह मानता हूं कि, भारत में 2026 के परीक्षा-पत्र लीक और परीक्षा- व्यवस्था के विरुद्ध हुए युवा आंदोलन ने इस बदलाव को असाधारण रूप से सामने ला दिया।हजारों-लाखोंयुवाओं की नाराजगी केवल एक परीक्षा या एक प्रशासनिक निर्णय तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसने मेहनत का निष्पक्ष परिणाम, व्यवस्था की जवाबदेही और भविष्य की सुरक्षा जैसे व्यापक सवालों को राजनीतिक विमर्श में ला दिया। आगामी विधानसभा चुनावों (उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश आदि) में जेन ज़ी की स्थिति और उनके 5 प्रतिशत वोट के प्रभाव से संभोग तो गणित बिगाड़ सकता है।जुलाई 2026 में युवा प्रदर्शनकारियों ने परीक्षा -पत्र लीक को लेकर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की और सरकार के साथ बातचीत भी हुई। 9 अगस्त की स्थिति में उपलब्ध अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में इस आंदोलन को भारत में युवा असंतोष के बड़े राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। इस घटनाक्रम को केवल भारत की सीमा के भीतर देखना भी पर्याप्त नहीं होगा। दक्षिण एशिया के तीन पड़ोसी देशों, श्रीलंका,बांग्लादेश और नेपाल में पिछले कुछ वर्षों में युवा-प्रधान जनआंदोलनों ने सत्ता की स्थिरता को सीधे चुनौती दी। श्रीलंका में 2022 का व्यापक जनआंदोलन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को सत्ता छोड़ने की स्थिति तक ले गया। बांग्लादेश में 2024 के छात्र-नेतृत्व वाले आंदोलन ने प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार को गिरा दिया। नेपाल में सितंबर 2025 में भ्रष्टाचार, राजनीतिक विशेषाधिकार और सामाजिक- मीडिया प्रतिबंधों के विरोध में शुरू हुए युवा आंदोलन ने प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के इस्तीफे का रास्ता बनाया। इन तीनों घटनाओं में परिस्थितियां अलग थींऔर इन्हें पूरी तरह एक ही जेन-ज़ेड क्रांति कहना अतिसरलीकरण होगा,लेकिन एक साझा संदेश स्पष्ट है डिजिटल रूप से संगठित युवा असंतोष अब राजनीतिक सत्ता को चुनौती देने की क्षमता रखता है। साथियों, यही वह बिंदु है जहां भारतीय पीएम की सोशल -मीडिया रणनीति में दिखाई देने वाला बदलाव महत्वपूर्ण हो जाता है। राजनीति में लंबे समय तक संदेश मुख्यत: भाषणों रैलियों, टेलीविजन और संगठित कार्यकर्ता नेटवर्क के माध्यमसे पहुंचाया जाता था।लेकिन अब इंस्टाग्राम रील,यूट्यूब शॉर्ट्स, छोटे वीडियो,मीम- संस्कृति और प्रत्यक्ष डिजिटल संवाद उस राजनीतिक भाषा का हिस्सा बन गए हैं जिसे युवा प्रतिदिन इस्तेमाल करते हैं। हाल के दिनों में मोदी और भाजपा से जुड़े डिजिटल संचार में युवाओं के अनुकूल छोटे और अधिक अनौपचारिक प्रारूपों पर ध्यान बढ़ने की चर्चा हुई है। हालांकि इसे केवल परीक्षा आंदोलन की प्रतिक्रिया कहना अभी जल्दबाजी होगी; यह व्यापक डिजिटल राजनीतिक परिवर्तन का हिस्सा है।दूसरी ओर विपक्ष के नेता ने भी जेन-ज़ेड के साथ अपेक्षाकृत अनौपचारिक डिजिटल संवाद का रास्ता अपनाया है।उनके सोशल- मीडिया संवाद में राजनीति के साथ फिटनेस, व्यक्तिगत अनुभव,युवा भाषा और सीधे संवाद को जोड़ा जा रहा है। 2025 में उनके आधिकारिक डिजिटल संवाद में जेन-ज़ेड की राजनीतिक ऊर्जा पर सीधे बात भी दिखाई दी, जबकि अगस्त 2026 में उनकी फिटनेस संबंधी पोस्ट को भी जेन-ज़ेड से जुड़ने की रणनीति के रूप में रिपोर्ट किया गया।इसी प्रकार भारत की सबसे बड़ी स्वयंसेवी संस्था के सरसंघ चालक द्वारा जेन-ज़ेड से संवाद और युवा आंदोलनों को समझने की आवश्यकता पर दिया गया जोर यह बताता है कि यह बदलाव केवल चुनावी दलों तक सीमित नहीं है। हालिया टिप्पणी में भागवत ने युवा आंदोलनों को स्वत: राष्ट्र-विरोधी मानने के बजाय नई पीढ़ी के साथ संवाद और परिवर्तन की आवश्यकता पर बल दिया। इसका व्यापक राजनीतिक अर्थ यह है कि भारतीय राजनीति की पारंपरिक संस्थाएं अब समझ रही हैं कि नई पीढ़ी को केवल भाषण देकर प्रभावित नहीं किया जा सकता; उसके सवालों के सटीकता से उत्तर भी देने होंगे। साथियों, यही कारण है कि भाजपा से कांग्रेस,क्षेत्रीय दलों से लेकर विभिन्न सामाजिक- राजनीतिक संगठनों तक सभी के सामने एक समान चुनौती खड़ी हो गई है जेन -ज़ेड को केवल वोट बैंक नहीं, बल्कि संवाद- साझेदार कैसे बनाया जाए। आज का युवा पार्टी कार्यालय में आने से पहले पार्टी का इंस्टाग्राम देखता है, भाषण सुनने से पहले उसका छोटा वीडियो देखता है और नेता के दावे को स्वीकार करने से पहले अनेक डिजिटल स्रोतों से उसकी जांच कर सकता है। इसका अर्थ यह नहीं कि जेन-ज़ेड पारंपरिक राजनीति को पूरी तरह अस्वीकार कर देगा; बल्कि इसका अर्थ यह है कि राजनीतिक विश्वसनीयता बनाने का रास्ता बदल रहा है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल है भारत में जेन-ज़ेड की राजनीतिक शक्ति कितनी बड़ी है? यहां 38 करोड़ जेन-ज़ेड मतदाता कहना सटीक नहीं होगा।लगभग 38 करोड़ का आंकड़ा भारत के व्यापक युवा वर्ग के संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है,लेकिन जेन-ज़ेड की पूरी जनसंख्या और उसके पात्र मतदाताओं को एक ही संख्या मानना गलत होगा। हालिया रिपोर्टों में भारत की 15-29 वर्ष आयु वाली युवा आबादी लगभग 37 करोड़ बताई गई है। इनमें सभी जेन-ज़ेड नहीं हैं और सभी मतदाता भी नहीं हैं। इसलिए आपके दिए गए 38 करोड़ के आंकड़े को युवा वर्ग की व्यापक क्षमता के संकेतक के रूप में देखना चाहिए,न कि जेन-ज़ेड के प्रमाणित मतदाता आंकड़े के रूप में। साथियों, फिर भी राजनीतिक गणित को समझने के लिए एक सरल उदाहरण बेहद महत्वपूर्ण है। यदि किसी व्यापक युवा मतदाता समूह में केवल 5 प्रतिशत लोग चुनाव- दर-चुनाव अपना राजनीतिक रुझान बदलते हैं और यह संख्या लगभग 1.9 करोड़ तक पहुंचती है, तो यह कई निर्वाचन क्षेत्रों में परिणाम बदलने के लिए पर्याप्त प्रभाव पैदा कर सकती है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि 1.9 करोड़ मतदाता अकेले केंद्र सरकार बना या गिरा देंगे।भारत की चुनावी राजनीति सीट-दर-सीट जीत-हार, मतदान प्रतिशत, क्षेत्रीय वितरण, उम्मीदवार, गठबंधन और स्थानीय मुद्दों पर निर्भर करती है। इसलिए जेन-ज़ेड की असली शक्ति उसकी कुल संख्या से अधिक उसके स्विंग फैक्टर में हो सकती है।यही कारण है कि 2029 का चुनाव जेन-ज़ेड के लिए विशेष महत्व रखेगा। आज 2026 में लगभग 18 वर्ष का युवा 2029 में लगभग 21 वर्ष का होगा। लगभग 25 वर्ष का युवा तब 28 वर्ष का होगा। यानी 2029 तक जेन-ज़ेड का बड़ा हिस्सा केवल पहली बार मतदान करने वाला युवा नहीं रहेगा,बल्कि कॉलेज सेनिकल चुका, नौकरी खोज रहा, प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग ले रहा, स्टार्टअप शुरू कर रहा, एआई और डिजिटल अर्थव्यवस्था में अवसर तलाश रहा या शहरों में स्वतंत्र जीवन की लागत से जूझ रहा नागरिक होगा। उसके सामने राजनीतिक प्रश्न भी अधिक ठोस होंगे। साथियों, इस पीढ़ी के संभावित प्रमुख मुद्दों में रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता, पेपर लीक, शिक्षा की गुणवत्ता, बेरोजगारी कौशल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्टअप अवसर, महंगाई, आवास और शहरों में जीवन- यापन की लागत, भ्रष्टाचार, पारदर्शिता,डिजिटल स्वतंत्रता राजनीतिक जवाबदेही, पर्यावरण और मानसिक- सामाजिक दबाव प्रमुख हो सकते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि जाति, धर्म या क्षेत्रीय पहचान समाप्त हो जाएगी। भारत जैसे विविध समाज में ये तत्व महत्वपूर्ण बने रहेंगे। लेकिन इनके साथ मुद्दा-आधारित मतदान का महत्व बढ़ सकता है।यहीं से भारतीय राजनीति में एक नया समीकरण बन सकता है- पहचान + मुद्दा + डिजिटल प्रभाव । पारंपरिक राजनीति में जातीय समीकरण और संगठन चुनावी सफलता के महत्वपूर्ण आधार रहे हैं। डिजिटल युग में इनके साथ एक चौथा तत्व जुड़ रहा है किसी मुद्दे को कितनी तेजी से राष्ट्रीय विमर्श में बदला जा सकता है। जेन-ज़ेड इसी चौथे तत्व का सबसे शक्तिशाली वाहक हो सकता है।

साथियों, फिर भी सबसे बड़ा विरोधाभास यही है कि जेन-ज़ेड की सामाजिक और संभावित चुनावी ताकत बड़ी है, लेकिन राजनीतिक प्रतिनिधित्व बेहद छोटा है। 2024 की 18वीं लोकसभा में निर्वाचित सांसदों की औसत आयु 56 वर्ष थी। केवल 11 प्रतिशत सांसद 40 वर्ष या उससे कम आयु के थे, जबकि लगभग 52 प्रतिशत सांसद 55 वर्ष से अधिक आयु के थे। 2024 में 25 वर्ष की आयु में लोकसभा पहुंचने वाले चार युवा सांसद- शांभवी चौधरी, संजना जाटव, पुष्पेंद्र सरोज और प्रिया सरोज नई पीढ़ी की उपस्थिति का प्रतीक बने। लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि 25 वर्ष के सांसद और जेन-ज़ेड सांसद समान अवधारणाएं नहीं हैं; पीढ़ी की पहचान जन्म-वर्ष से होती है।विधायिकाओं में भी स्थिति धीरे-धीरे बदल रही है, लेकिन अभी भी युवा प्रतिनिधित्व सीमित है।तमिलनाडु की 2026विधानसभा में ही 25-30 वर्ष आयु के सात विधायक और 31-40 वर्ष के 42 विधायक चुने गए, जिससे पता चलता है कि कुछ राज्यों में युवा प्रतिनिधित्व बढ़ रहा है। फिर भी उसी विधानसभा में 71-80 वर्ष आयु के 19 विधायक भी हैं।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

असम-हिमाचल में कुदरत का कहर

-कांतिलाल मांडोत

सौ से ज्यादा मौतों के बाद सरकार की असली परीक्षा, राहत से आगे पुनर्वास की पूरी जिम्मेदारी

देश के पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों में मानसून ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि प्रकृति के सामने इंसानी तैयारियां कितनी भी बड़ी क्यों न हों, उसकी ताकत के आगे सब कुछ छोटा पड़ जाता है। असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या सौ के पार पहुंच चुकी है, जबकि हिमाचल प्रदेश में मानसून के दौरान बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 68 लोगों की जान जा चुकी है। हजारों परिवार प्रभावित हैं, सैकड़ों गांव पानी में डूबे हैं और सड़क, पुल, बिजली तथा दूसरी आधारभूत सुविधाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। ऐसे समय में सरकार के सामने केवल राहत और बचाव का काम ही नहीं, बल्कि प्रभावित लोगों को सुरक्षित भविष्य देने की भी बड़ी जिम्मेदारी है। असम में बाढ़ की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक बनी हुई है। राज्य के सात जिलों में करीब 1.37 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं और 456 गांव पानी में डूबे हुए हैं। पिछले 24 घंटे में गोलाघाट और कार्बी आंगलोंग में दो और लोगों की मौत के बाद इस साल बाढ़ से मरने वालों की संख्या सौ के पार पहुंच गई है। गोलाघाट सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में है, जहां करीब 70 हजार लोग बाढ़ की चपेट में हैं। शिवसागर में करीब 40 हजार और जोरहाट में 16 हजार से अधिक लोग प्रभावित बताए जा रहे हैं। कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे आने वाले दिनों में स्थिति और बिगड़ने की आशंका बनी हुई है। राज्य सरकार ने प्रभावित लोगों के लिए राहत शिविर और राहत वितरण केंद्र शुरू किए हैं। करीब 125 राहत शिविरों और राहत वितरण केंद्रों में लगभग 49 हजार लोगों तक सहायता पहुंचाई जा रही है। प्रशासन को प्रभावित इलाकों में राहत सामग्री पहुंचाने, लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने और जरूरी सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेकर लोगों से मुलाकात कर रहे हैं और प्रशासनिक मशीनरी को सक्रिय रखने का प्रयास कर रहे हैं। सरकार की यह सक्रियता जरूरी है, लेकिन इतनी बड़ी आपदा के बीच केवल मौके पर पहुंच जाना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। असली कसौटी यह है कि राहत अंतिम व्यक्ति तक कितनी तेजी और पारदर्शिता से पहुंचती है। बाढ़ केवल पानी का संकट नहीं होती। इसके साथ घर, खेत, पशुधन, रोजगार, सड़क, स्कूल और स्वास्थ्य व्यवस्था भी प्रभावित होती है। जब पानी उतरता है, तब असली चुनौती शुरू होती है। लोगों के सामने घर दोबारा बनाने, खेती को पटरी पर लाने, बच्चों की पढ़ाई शुरू कराने और रोजी-रोटी का इंतजाम करने का संकट खड़ा हो जाता है। इसलिए असम सरकार की जिम्मेदारी राहत शिविर चलाने तक सीमित नहीं हो सकती। जिन लोगों ने अपना घर, जमीन, फसल या आजीविका गंवाई है, उनके पुनर्वास के लिए स्पष्ट और समयबद्ध योजना बनानी होगी। हिमाचल प्रदेश की स्थिति भी कम गंभीर नहीं है। 30 जून से शुरू हुए मानसून के दौरान बारिश से जुड़ी घटनाओं में 68 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 14 मौतें भूस्खलन और एक मौत फ्लैश फ्लड के कारण हुई है। राज्य को करीब 886 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है। लगातार बारिश के कारण 106 सड़कें बंद हैं, जिनमें कुल्लू की 40 और मंडी की 38 सड़कें शामिल हैं। पहाड़ी राज्यों में सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि जीवनरेखा होती हैं। इनके बंद होने का अर्थ है कि गांवों तक खाद्य सामग्री, दवाइयां और दूसरी जरूरी वस्तुएं पहुंचाने में कठिनाई। मौसम विभाग ने मंगलवार को कांगड़ा, मंडी और सिरमौर में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राज्य में 16 अगस्त तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। ऐसे में प्रशासन को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए चौकन्ना रहना होगा। संवेदनशील इलाकों में लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाना और बंद सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर खोलना जरूरी है। पहाड़ों में थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकती है। यह भी सच है कि प्राकृतिक आपदा को पूरी तरह रोक पाना किसी सरकार के हाथ में नहीं है। बादल कब फटेंगे, नदी कब उफनेगी या पहाड़ कब खिसकेगा, इसका सटीक अनुमान हमेशा संभव नहीं होता। लेकिन आपदा से होने वाले नुकसान को कम करना सरकार की जिम्मेदारी जरूर है। आधुनिक मौसम पूर्वानुमान, समय पर चेतावनी, मजबूत आपदा प्रबंधन तंत्र, सुरक्षित निकासी व्यवस्था और संवेदनशील इलाकों की पहचान के माध्यम से जनहानि को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यही कारण है कि अब सरकार की जवाबदेही केवल यह बताने तक सीमित नहीं होनी चाहिए कि कितने राहत शिविर लगाए गए और कितने लोगों को राहत सामग्री दी गई। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि मृतकों के परिजनों को नियमानुसार मुआवजा समय पर मिले, घायलों को उचित उपचार मिले, बेघर परिवारों को सुरक्षित आश्रय मिले और जिन लोगों की आजीविका नष्ट हुई है, उन्हें आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। किसानों की फसल, मकानों, दुकानों और पशुधन को हुए नुकसान का निष्पक्ष आकलन कर मुआवजा दिया जाना चाहिए। असम और हिमाचल दोनों ही राज्यों में पुनर्वास सबसे बड़ी चुनौती बनने वाला है। आपदा के बाद कई परिवार महीनों तक अस्थायी व्यवस्था में रहने को मजबूर हो जाते हैं। बच्चों की पढ़ाई बाधित होती है और परिवारों की आर्थिक स्थिति बिगड़ जाती है। इसलिए पुनर्वास की प्रक्रिया कागजी घोषणाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। प्रभावित परिवारों की वास्तविक सूची तैयार कर सहायता सीधे उन तक पहुंचनी चाहिए। इसमें पारदर्शिता और निगरानी बेहद जरूरी है, ताकि संकट की घड़ी में किसी जरूरतमंद का हक न छिने। सरकार के सामने एक और बड़ी जिम्मेदारी भविष्य की आपदाओं के लिए तैयारी की है। हर साल मानसून में असम बाढ़ का सामना करता है और हिमाचल में भूस्खलन, बादल फटने तथा अचानक बाढ़ का खतरा बना रहता है। इसके बावजूद यदि हर साल नुकसान के बाद केवल राहत और मुआवजे की व्यवस्था की जाती है तो इसे पर्याप्त तैयारी नहीं कहा जा सकता। स्थायी समाधान के लिए नदी तटों की सुरक्षा, जल निकासी व्यवस्था, पहाड़ी क्षेत्रों में वैज्ञानिक निर्माण, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की निगरानी और मजबूत चेतावनी प्रणाली पर लगातार काम करना होगा। आपदा के समय सरकार का पहला कर्तव्य नागरिकों की जान बचाना है। उसके बाद घायल और प्रभावित लोगों को राहत देना तथा उनके जीवन को सामान्य स्थिति में वापस लाना उसकी जिम्मेदारी है। किसी भी सरकार की सफलता का मूल्यांकन केवल विकास परियोजनाओं या बजट घोषणाओं से नहीं किया जा सकता। असली परीक्षा तब होती है, जब कोई परिवार अपना घर खो देता है, जब किसी किसान की पूरी फसल पानी में डूब जाती है या जब किसी सड़क के टूट जाने से पूरा गांव अलग-थलग पड़ जाता है। असम में सौ से ज्यादा मौतें और हिमाचल में 68 मौतें केवल आंकड़े नहीं हैं। हर संख्या के पीछे एक परिवार, एक अधूरा सपना और एक अपूरणीय क्षति है। इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने के साथ सरकारी जिम्मेदारी भी बढ़ती जाती है। राहत और बचाव के मौजूदा प्रयासों को और तेज करने की जरूरत है। साथ ही मुआवजा, पुनर्वास और भविष्य की आपदा से सुरक्षा की ठोस व्यवस्था करनी होगी। कुदरत के सामने इंसान कई बार बौना साबित होता है, लेकिन आपदा के बाद इंसान को अकेला छोड़ देना किसी भी व्यवस्था की कमजोरी होगी। प्रकृति पर किसी का नियंत्रण नहीं, लेकिन आपदा के बीच नागरिकों को सुरक्षा देना, नुकसान कम करना और प्रभावित परिवारों को दोबारा अपने पैरों पर खड़ा करना सरकार के हाथ में है। असम और हिमाचल की मौजूदा त्रासदी इसी जिम्मेदारी की सबसे बड़ी परीक्षा है। अब सरकारों को राहत की घोषणा से आगे बढ़कर हर प्रभावित परिवार तक पहुंचना होगा।

अंगदान की संस्कृति ही मानवता को नई दिशा दे सकती है

मनुष्य जीवनभर अपने लिए बहुत कुछ अर्जित करता है-धन, संपत्ति, प्रतिष्ठा, संबंध और सुविधाएँ। लेकिन जीवन की अंतिम घड़ी में इन सबका महत्व समाप्त हो जाता है। तब यदि हमारे शरीर का कोई अंग किसी दूसरे मनुष्य की धड़कन बन जाए, हमारी आँखें किसी अंधेरे जीवन में रोशनी भर दें, हमारा यकृत या गुर्दा किसी परिवार के बुझते चिराग को फिर से जला दे, तो इससे बड़ी जीवन-सार्थकता और क्या हो सकती है? अंगदान मृत्यु के बाद भी जीवन को जारी रखने की वह मानवीय संभावना है, जो मनुष्य को केवल अपने लिए जीने वाले प्राणी से उठाकर मानवता के लिए जीने वाला बना देती है। विश्व अंगदान दिवस हमें इसी महान विचार से जोड़ता है। आज आवश्यकता केवल अंगदान के बारे में जानकारी देने की नहीं, बल्कि हमारी सोच बदलने की है। हमें यह प्रश्न अपने आप से पूछना होगा कि जिस शरीर को मृत्यु के बाद पंचतत्व में विलीन होना है, उसके उपयोगी अंग यदि किसी दूसरे व्यक्ति को जीवन दे सकते हैं तो उन्हें अपने साथ मिट्टी में मिला देना अधिक सार्थक है या किसी की सांसों का हिस्सा बना देना? मृत्यु निश्चित है, लेकिन मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन का कारण बनना हमारे हाथ में है। भारत की सांस्कृतिक स्मृति में शरीर और जीवन के महान त्याग की परंपरा बहुत पुरानी है। महर्षि दधीचि की कथा इसका सबसे प्रभावशाली उदाहरण है। पौराणिक परंपरा के अनुसार जब देवताओं को असुरों से संघर्ष के लिए ऐसे अस्त्र की आवश्यकता हुई जिसे दधीचि की अस्थियों से बनाया जा सके, तब महर्षि दधीचि ने लोककल्याण के लिए अपना शरीर ही त्याग दिया। उनकी अस्थियों से वज्र बनाया गया और उससे जनकल्याण की रक्षा हुई। यह कथा आधुनिक अर्थों में अंगदान की चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं है, लेकिन अपने शरीर को भी समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए समर्पित कर देने की भारतीय त्याग-चेतना का अत्यंत शक्तिशाली प्रतीक अवश्य है। भारत के राष्ट्रपति सचिवालय ने भी अंग एवं देहदान की भारतीय परंपरा को समझाते हुए महर्षि दधीचि के इस प्रसंग का उल्लेख किया है। हमारी परंपरा में राजा शिवि की कथा भी त्याग और जीव-दया की अद्भुत मिसाल है। एक कबूतर की रक्षा के लिए उन्होंने अपने शरीर का मांस तक देने की तत्परता दिखाई। चाहे ये प्रसंग धार्मिक आख्यान हों, लेकिन इनके भीतर छिपा संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है-अपने जीवन और शरीर को केवल अपनी निजी संपत्ति न समझना, बल्कि उसे व्यापक जीवन के कल्याण से जोड़ना। जैन दर्शन का सूत्र परस्परोपग्रहो जीवानाम भी यही बताता है कि जीव एक-दूसरे के उपकार के लिए हैं। अंगदान इस विचार का आधुनिक वैज्ञानिक रूप कहा जा सकता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने इस मानवीय भावना को वास्तविक जीवन बचाने की शक्ति प्रदान कर दी है। वर्ष 1954 में दुनिया का पहला सफल मानव किडनी प्रत्यारोपण हुआ। रोनाल्ड ली हेरिक ने अपनी एक किडनी अपने जुड़वां भाई रिचर्ड को दान की थी। यह घटना चिकित्सा इतिहास में एक ऐसी क्रांति की शुरुआत बनी, जिसने आगे चलकर अंग प्रत्यारोपण को लाखों लोगों के लिए जीवन की आशा बना दिया। इसके बाद 1967 में मानव हृदय प्रत्यारोपण की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि चिकित्सा विज्ञान मनुष्य की मृत्यु और जीवन के बीच खड़ी कई दीवारों को तोड़ सकता है। भारत ने भी इस क्षेत्र में उल्लेखनीय यात्रा की है। देश में पहला सफल किडनी प्रत्यारोपण 1 दिसंबर 1971 को चेन्नई के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर में हुआ था। उस समय शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि एक दिन भारत में हजारों लोगों के लिए अंग प्रत्यारोपण जीवन का नया द्वार बनेगा। आज चिकित्सा तकनीक इतनी आगे बढ़ चुकी है कि किडनी, लिवर, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंत जैसे अंगों के साथ कॉर्निया, त्वचा, हड्डी और हृदय वाल्व जैसे ऊतकों का भी प्रत्यारोपण संभव है। लेकिन विज्ञान की क्षमता जितनी बड़ी है, हमारी सामाजिक चेतना उस गति से नहीं बढ़ पाई। यही सबसे बड़ी चुनौती है। भारत में आज भी प्रत्यारोपण की आवश्यकता और उपलब्ध अंगों के बीच बड़ा अंतर है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2024 में देश में अंग प्रत्यारोपण की गतिविधि व्यापक रही, लेकिन मृतक दाताओं की संख्या अभी भी आवश्यकता की तुलना में बहुत कम है। इसका अर्थ साफ है-हमारे अस्पतालों में तकनीक है, डॉक्टर हैं, सर्जरी की क्षमता है, लेकिन जीवन बचाने के लिए पर्याप्त अंग नहीं हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए हमें अंगदान को मृत्यु की चर्चा नहीं, जीवन की चर्चा बनाना होगा। परिवारों में इस विषय पर समय रहते बातचीत होनी चाहिए। स्कूलों, विश्वविद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और मीडिया को मिलकर ऐसी वातावरण-निर्मिति करनी होगी जिसमें अंगदान सुनते ही भय नहीं, बल्कि करुणा और जीवन बचाने का भाव पैदा हो। आज भी अनेक लोग सोचते हैं कि मृत्यु के बाद शरीर को क्षति पहुँचाना धर्म के विरुद्ध है। कुछ लोगों को अगले जन्म की चिंता होती है, कुछ को शरीर के साथ होने वाली चिकित्सा प्रक्रिया का भय होता है और कुछ परिवार अंतिम समय में मानसिक रूप से इतने टूट जाते हैं कि अंगदान का निर्णय नहीं ले पाते। इन भ्रमों का समाधान टकराव से नहीं, संवाद, संवेदना और वैज्ञानिक जानकारी से होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझनी होगी कि अंगदान किसी पर थोपा जाने वाला धार्मिक या सामाजिक कर्तव्य नहीं है। यह एक स्वैच्छिक, नैतिक और मानवीय निर्णय है, जिसे व्यक्ति को विश्वसनीय चिकित्सा एवं कानूनी जानकारी के आधार पर लेना चाहिए। लेकिन यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से यह संकल्प करता है कि मृत्यु के बाद उसके उपयोगी अंग किसी जरूरतमंद को मिलें, तो वह अपने जीवन की अंतिम घड़ी को भी मानवता के उत्सव में बदल सकता है। भारत में अंगदान की प्रेरक घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में नागपुर में 52 वर्षीय शिक्षक कोंडबा दत्तात्रेय मडावी मृतक अंगदान करने वाले 200वें दाता बने, उनके अंगों से तीन लोगों को नया जीवन मिला। ऐसी घटनाएँ हमें बताती हैं कि अंगदान कोई दूर की आदर्शवादी कल्पना नहीं, बल्कि हमारे आसपास घटने वाली वास्तविक जीवन-बचाने वाली प्रक्रिया है। दिल्ली में 70 वर्षीय मृत महिला के गुर्दों का सफल उपयोग कर एक 56 वर्षीय महिला को जीवन की नई उम्मीद मिली-यह घटना यह भी बताती है कि केवल उम्र के आधार पर किसी संभावित दाता के अंगों को अनुपयोगी मान लेना उचित नहीं है, अंतिम निर्णय चिकित्सा स्थिति पर निर्भर करता है। भारत के कुछ राज्यों ने इस दिशा में उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। तेलंगाना में 2024 में मृतक अंगदान की दर राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक रही और उसके 'जीवदान' कार्यक्रम के माध्यम से हजारों प्रत्यारोपण संभव हुए। तमिलनाडु में भी मृतक अंगदान की व्यवस्था ने अनेक परिवारों को प्रेरित किया हैय 2026 में एक परिवार ने भाषा की बाधा के बावजूद डिजिटल अनुवाद की मदद से अपने प्रियजन के अंगदान का निर्णय लिया और अनेक मरीजों को जीवन मिला। ये घटनाएँ बताती हैं कि जहाँ संवेदना, व्यवस्था और जागरूकता मिलती हैं, वहाँ मृत्यु भी कई जीवनों को बचाने का माध्यम बन सकती है। अंगदान की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि यह रक्तदान से भी आगे की परोपकार-चेतना है।

रक्तदान में हम अपने शरीर की ऐसी चीज देते हैं जिसे शरीर फिर बना लेता है, अंगदान में हम मृत्यु के बाद ऐसी अमूल्य संपदा देते हैं जिसका उपयोग किसी दूसरे शरीर को जीवन देने के लिए हो सकता है। इसलिए, अंगदान को केवल चिकित्सा की भाषा में नहीं, मानवीय रिश्तों और करुणा की भाषा में समझना होगा। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि किसी एक दाता का निर्णय कई लोगों के जीवन को प्रभावित कर सकता है। इसलिए अंगदान केवल एक व्यक्ति की मदद नहीं, बल्कि कई परिवारों में आशा का संचार है। किसी की आँखों में रोशनी, किसी की छाती में धड़कता हृदय, किसी की सांसों में फेफड़ों की शक्ति और किसी के शरीर में काम करता हुआ नया अंग-यह सब किसी अनजान व्यक्ति की उदारता का परिणाम हो सकता है। इसलिए अंगदान को मृत्यु के बाद शरीर का अंत मानने वाली सोच से बाहर निकालकर मृत्यु के बाद भी जीवन देने की अवधारणा से जोड़ना होगा। मृत्यु अंधेरा है, लेकिन अंगदान उस अंधेरे में जलाया गया दीपक है। एक दीपक स्वयं जलता है, लेकिन उसका प्रकाश दूसरों को दिखाई देता है। इसी तरह दाता संसार से चला जाता है, लेकिन उसके अंग किसी और की सांस, धड़कन या दृष्टि बनकर जीवन को रोशन करते रहते हैं। हमारी सबसे बड़ी संपत्ति वह नहीं जो बैंक में जमा है, न वह जो तिजोरी में बंद है और न वह जो हमारे नाम पर दर्ज है। हमारी सबसे बड़ी संपत्ति वह है जिसका उपयोग हमारे बाद भी किसी जीवन को बचाने में हो सके। इस विश्व अंगदान दिवस पर हमें केवल यह संकल्प नहीं लेना चाहिए कि अंगदान करेंगे, बल्कि इससे एक कदम आगे बढ़कर यह संकल्प लेना चाहिए कि अंगदान के बारे में अपने परिवार से बात करेंगे, भ्रम दूर करेंगे और समाज में जीवन बचाने वाली इस चेतना को फैलाएँगे। क्योंकि जीवन का अंतिम अध्याय मृत्यु नहीं होना चाहिए। वह किसी दूसरे के जीवन की नई शुरुआत भी बन सकता है। आइए अपने जीवन की अंतिम विरासत मानवता के नाम करें। अंगदान का दीप जलाएँ, ताकि किसी की बुझती जिंदगी में उजाला हो। अपनी मृत्यु को किसी दूसरे की जिंदगी का कारण बनाएँ-क्योंकि इससे सुंदर मृत्यु और इससे सार्थक जीवन शायद ही कोई हो।

शरीर चला जाए, पर उसकी करुणा जीवित रहे।

सांसें रुक जाएं, पर किसी और की सांसें चलती रहें।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। दिसावरी तेजी से बुधवार को किराना बाजार में हरी इलायची में सुर्खी रही। शक्कर में बाजार मजबूती के देखे गये। खाद्य तेलों में कमोवेश भाव बने रहे। सोया तेलों में नरमी का रूख रहा। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार हरी इलायची में दिसावरी बाजार सुर्ख है। त्यौहारी माँग के चलते भावों में सुर्खी है। शक्कर में मजबूती बनी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। सोया तेलों में नरमी बनी। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। मोटर बिल्टी कामकाज में चना 6600-6650 रू. क्विंटल बोला गया। तुअर में भी धारणा तेजी की रही। भाव इस प्रकार रहे -

किराना- शक्कर 5030-5100, खोपरा गोला 360-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीर्ड?यम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 925-950, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1050-1075, सिंगापुरी 975-1075, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1175, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300, (160) 3800, (200) 4400, (250) 5000,

तेल- सींगदाना 1740-1760, मुम्बई 1760, राजकोट तेलिया 2730, सोया साल्वेंट 1410-1415, सोया रिफाइंड 1470-1475, कपास्या 1650, धूलिया 1660, कड़ी 1660,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1675, मुम्बई पाम 1495, मुम्बई सोया 1495,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 7100-7300, सोयाबीन 6900, टोली (महुआ बीज) 5300-5400, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6600-6650, एवरेज 6200-6300, विशाल 6300-6350, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9300-9500, उड़द गर्मी 8600-9300, ग्रेविटी क्लीन 9700-10000, हल्की 5000-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार मजबूती के देखे गए। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 233500, चाँदी (99) 233400, टंच 232800, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 148800,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ ही 95.33 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया छह पैसे नीचे आकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.42 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तेजी की मुख्य वजह होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी अनिश्चितता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.40 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह फिसलकर 95.42 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया मंगलवार को छह पैसे टूटकर 95.36 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 99.87 पर रहा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 188 अंक, निफ्टी 35 अंक गिरा

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 187.90 अंक नीचे आकर 77,966.35 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 35.75 अंक फिसलकर 24,435.95 पर बंद हुआ। आज आईटी शेयरों में आई गिरावट का प्रभाव भी बाजार पर पड़ा है। कारोबार के दौरान सूचकांकों में निफ्टी आईटी में सबसे अधिक गिरावट रही। इसके बाद निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.45, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी ऑटो, निफ्टी सर्विसेज 0.14 और निफ्टी कमोडिटीज के शेयरों में भी गिरावट रही। दूसरी ओर निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मीडिया, निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.70, निफ्टी मेटल 0.54, निफ्टी पीएसई, निफ्टी इन्फ्रा और निफ्टी एनर्जी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजार में मिलाजुला कारोबार हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। आज सुबह निफ्टी करीब 80 अंक गिरकर 24400 के नीचे आ गया, जबकि सेंसेक्स लगभग 250 अंकों की गिरावट के साथ 77900 के नीचे कारोबार करता दिखा।

बैंकिंग में एआई का जिम्मेदारी से करें इस्तेमाल-आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बैंकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने की नसीहत दी है। एफआईबीएसी 2026 सम्मेलन को संबोधित करते हुए मल्होत्रा ने साफ कहा कि एआई को नियंत्रित किए जाने वाले जोखिम के बजाय एक क्षमता के रूप में देखा जाना चाहिए जिसका सावधानी से उपयोग हो। साथ ही उन्होंने कड़े शब्दों में आगाह किया कि बैंक के फैसलों की जिम्मेदारी अंततः बैंक की ही होती है, न कि उसके एल्गोरिद्म की। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि ब्रिक्स देशों के सदस्य तेज भुगतान प्रणाली को केंद्रीय बैंक की डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) से जोड़ने पर भी चर्चा कर रहे हैं। आरबीआई गवर्नर ने एआई मॉडल से जुड़े जोखिमों पर बोलते हुए कहा कि आरबीआई इसे क्षमता के रूप में देखता है। हालांकि, उन्होंने चेताया कि बैंकिंग प्रणाली में एआई अपनाने से मानवीय निर्णय क्षमता और जवाबदेही कम होने का जोखिम हो सकता है। मल्होत्रा ने जोर दिया, हम यह नहीं कह सकते कि फैसला मॉडल ने किया। इसमें सार्थक मानवीय निगरानी, फैसले को समझाने और हस्तक्षेप करने की क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने इसे ब्लैक बॉक्स समस्या बताते हुए कहा कि एआई सिस्टम के किसी छोटे व्यवसाय को कर्ज न देने की सलाह देने पर, ऋणदाता और नियामक दोनों को कारण जानने का हक है। मल्होत्रा ने एआई में पक्षपात और भेदभाव के जोखिम पर भी आगाह किया, खासकर अगर वह पुराने कर्ज के आंकड़ों पर आधारित हो। उन्होंने थर्ड-पार्टी वेंडर पर निर्भरता और डेटा गोपनीयता के खतरों का भी जिक्र किया, कहा कि ग्राहकों को डिजिटल पर्सनल डेटा सुरक्षा कानून के पालन से कहीं ज्यादा की उम्मीद करनी चाहिए। आरबीआई गवर्नर ने भारतीय बैंकों को एआई अपनाने में पीछे न रहने पर जोर देते हुए कहा कि वैकल्पिक डेटा जैसे नकदी प्रवाह और जीएसटी फाइलिंग पर प्रशिक्षित एआई मॉडल ऋण आवंटन की लागत को कम कर सकते हैं।

अब प्लास्टिक और फ़ॉइल में नहीं मिलेगा पान मसाला-एफएसएसएआई

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने पान मसाला की पैकेजिंग को लेकर एक बड़ा बदलाव किया है। अब पान मसाला को प्लास्टिक, एल्युमीनियम फ़ॉइल या मेटलाइज़्ड लेयर वाले मटीरियल में पैक नहीं किया जा सकेगा। खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग) संशोधन नियम, 2026 के तहत 10 अगस्त को भारत के राजपत्र में प्रकाशित इन नए प्रावधानों का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित पैकेजिंग सुनिश्चित करना है। नए नियमों के अनुसार पान मसाला को अब अनुसूची 4 में एक नई श्रेणी के रूप में शामिल किया गया है। एफएसएसएआई ने स्पष्ट किया है कि पान मसाला की पैकेजिंग के लिए कागज़, पेपरबोर्ड, सेलुलोज़ या प्राकृतिक रूप से मिलने वाले अन्य मटीरियल का ही इस्तेमाल किया जा सकता है, बशर्ते इनमें प्लास्टिक का कोई अंश न हो। इसके तहत पॉलीइथिलीन, पॉलीप्रोपाइलीन, पॉलिएस्टर, पॉलीविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) या कोई अन्य सिंथेटिक पॉलीमर को-पॉलीमर या लैमिनेट प्रतिबंधित कर दिए गए हैं। यहां तक कि कागज़ की बाहरी परत होने पर भी अंदर प्लास्टिक या मेटलाइज़्ड लेयर का उपयोग वर्जित है। विनिर्माताओं के लिए एफएसएसएआई ने टिन या कांच के कंटेनर को भी पैकेजिंग के मंज़ूर विकल्पों में शामिल किया है। यह संशोधन खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग) नियम, 2018 में बदलाव के रूप में आया है। इसके अलावा, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम, 2016 के कुछ नियम भी पान मसाला की पैकेजिंग पर लागू होंगे। ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। एफएसएसएआई ने इन बदलावों को अंतिम रूप देने से पहले 28 अप्रैल को ड्राफ़्ट जारी कर जनता से आपत्तियां और सुझाव मांगे थे, जिन पर विचार करने के बाद ही यह अंतिम अधिसूचना जारी की गई है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन थोड़ा व्यस्त और भागदौड़ भरा रह सकता है। एक साथ कई जिम्मेदारियां आने से मन पर दबाव महसूस होगा, लेकिन आपकी समझदारी हर चुनौती को आसान बना देगी। बाहर किसी से छोटी-मोटी कहासुनी होने की संभावना है, इसलिए अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। आपकी विनम्रता और मधुर व्यवहार ही बिगड़ते हालात को संभालने का काम करेगा। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा और स्वादिष्ट भोजन का आनंद भी उठाएंगे।

वृषभ- आज का दिन उपलब्धियों और सम्मान से भरा रहने वाला है। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात आपके भविष्य के लिए नए अवसर लेकर आ सकती है। आपकी कार्यशैली और मेहनत की हर तरफ सराहना होगी। आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी और धन लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं। परिवार में सुख-समृद्धि का माहौल रहेगा। हालांकि काम के साथ-साथ अपनी सेहत का भी ध्यान रखें।

मिथुन- आज का दिन खुशियों और सुकून से भरा रहेगा। कामकाज में सही दिशा और उचित मार्गदर्शन मिलने से आपके कई महत्वपूर्ण कार्य आसानी से पूरे होंगे। यदि राजनीति, सामाजिक क्षेत्र या किसी नए काम में कदम रखने की योजना बना रहे हैं तो हर निर्णय सोच-समझकर लें। परिवार के सामने कोई पुरानी बात उजागर हो सकती है, इसलिए संयम बनाए रखें।

कर्क- आज आपका आत्मविश्वास ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। व्यापार में कोई बड़ी डील फिलहाल अटक सकती है, लेकिन निराश होने की जरूरत नहीं है। सही समय आने पर परिस्थितियां आपके पक्ष में होंगी। मामा पक्ष से आर्थिक लाभ मिलने के संकेत हैं। परिवार के साथ कहीं घूमने-फिरने का कार्यक्रम बन सकता है, जिससे मानसिक तनाव कम होगा। पड़ोस या आसपास के लोगों के साथ अनावश्यक विवाद से बचें।

सिंह- आज आपको घर और कार्यक्षेत्र दोनों जगह संतुलन बनाकर चलना होगा। जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन आपकी मेहनत और आत्मविश्वास आपको सफल बनाएंगे। विदेश से जुड़े कार्य करने वालों को कोई अच्छी खबर मिल सकती है। प्रेम संबंधों में अपनापन और मधुरता बढ़ेगी, वहीं पारिवारिक जीवन में भी समझदारी से काम लेना जरूरी रहेगा।

कन्या- आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपका सम्मान बढ़ेगा। आपकी रचनात्मक सोच और प्रतिभा लोगों को प्रभावित करेगी। आय और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा, ताकि भविष्य में आर्थिक परेशानी न आए। परिवार या दोस्तों के साथ किसी मनोरंजन कार्यक्रम में शामिल होकर मन प्रसन्न रहेगा। संतान के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतें।

तुला- आज का दिन बदलाव और नई शुरुआत का संकेत दे रहा है। नौकरी बदलने या नई जिम्मेदारी मिलने के अवसर सामने आ सकते हैं। अपने लिए कोई नई और पसंदीदा वस्तु खरीदने का मन बनेगा। जीवनसाथी के लिए किया गया छोटा-सा सरप्राइज रिश्तों में नई मिठास घोल देगा। आसपास के लोगों पर आंख मूंदकर भरोसा करने से बचें।

वृश्चिक- आज खुशियों की कई वजहें आपको मिलने वाली हैं। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने लगेंगे और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपको हर कदम पर मिलेगा। मां के स्वास्थ्य में सुधार होने से मन को बड़ी राहत मिलेगी। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी या नया अवसर मिल सकता है। परिवार में चल रहे पुराने मतभेद बातचीत और समझदारी से खत्म होंगे, जिससे घर का माहौल फिर से खुशहाल और सकारात्मक बनेगा।

धनु- आज का दिन व्यस्त जरूर रहेगा, लेकिन आपकी मेहनत अच्छे परिणाम भी दिलाएगी। जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करने की आपकी आदत आपको दूसरों से अलग पहचान दिलाएगी। जीवनसाथी की ओर से मिला कोई सरप्राइज या प्यार भरा उपहार आपका दिन यादगार बना सकता है। यात्रा के दौरान कोई ऐसी जानकारी मिलेगी जो भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित होगी।

मकर- आज तकनीक, शिक्षा और ज्ञान से जुड़े लोगों के लिए दिन काफी अनुकूल रहेगा। नई चीजें सीखने का अवसर मिलेगा और आप हर अनुभव से कुछ नया हासिल करेंगे। विद्यार्थियों को शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलेंगे। सरकारी कार्यों में थोड़ी देरी या भागदौड़ संभव है, इसलिए धैर्य बनाए रखें।

कुंभ- आज नई शुरुआत के लिए समय अनुकूल है। नया काम शुरू करने या किसी नई योजना पर काम करने का विचार सफल हो सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए उठाए गए कदम भविष्य में लाभ देंगे। परिवार का सहयोग और समर्थन आपको हर निर्णय में आत्मविश्वास देगा। पुराने कर्ज या आर्थिक जिम्मेदारियों को कम करने की दिशा में अच्छी प्रगति होगी।

मीन- आज व्यापार और करियर में सफलता के अच्छे संकेत मिल रहे हैं। नई योजनाओं पर खर्च जरूर बढ़ेगा, लेकिन भविष्य में वही निवेश लाभ का कारण बनेगा। लंबे समय से चली आ रही कोई समस्या समाप्त होने से मन को राहत मिलेगी। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, ताकि आर्थिक संतुलन बना रहे।

शब्दजाल - 8349

शब्दजाल में जॉनी वाकर की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

मे	म	सा	ब	सी	ब	से	ज	ग	ल	ट्य
म	रे	ली	प्रे	शा	न	स	व	ज	कां	ड़
स	मे	हु	बा	दी	छ	मि	आ	क	ब	क
इं	नौ	ब	जु	बा	वा	स	थ	ह	ष	रा
डि	आ	शि	का	र	चा	न	सा	न	भ	जा
या	ल	मि	र	रा	क	ब	ती	ण	घ	रा
द	सिं	प	ल	छ	वा	र	स	बा	व	नी
ह	ह	ऊ	ई	न	ब	क	फ	चो	श	क
म	म	तु	ला	र	की	स	या	औ	र	आ
दो	गॉ	ल	प	लि	जी	रा	भ	म	प	द
नों	ड	क	र्क	य	क	र	त	सं	ता	न

मेरे हुजूर, शिकार, मेमसाब, नवाब साहब, मिलन की रात, संतान, सेवक, राजा रानी, शान, हम दोनों

शब्दजाल - 8348 का हल

छ	त्ती	स	घं	टे	द	रि	बु	लं	दी	क
दो	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ता	ली
उ	उ	ला	ल	को	ठी	ची	ता	रा	ऊं	क
स्ता	ज	स	दो	पु	ज	न	ही	न	चे	क
द	खु	चो	द	लू	लं	का	रो	ग	लो	क
जी	द	ल	रों	य	ख	धुं	ना	हि	ग	को
ती	लो	लै	ड़ी	की	प	ध	श	चु	र	ल
क	र्ज	ला	ई	धा	बा	क	गो	ल	नौ	ण
ने	बा	म	ब्न	ब्रा	ह	रा	री	श	प	ती
तें	दु	ज	प	व	जी	र्ते	त	बें	हा	त
क	दु	नू	रा	नी	ल	गा	य	द	प	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

13 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कर्क में
चंद्र	सिंह में
मंगल	मिथुन में
बुध	कर्क में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
सिंह	05.57 बजे से
कन्या	08.09 बजे से
तुला	10.19 बजे से
वृश्चिक	12.34 ब.से
धनु	14.50 बजे से
मकर	16.55 बजे से
कुंभ	18.42 बजे से
मीन	20.15 बजे से
मेष	21.45 बजे से
वृष	23.25 बजे से
मिथुन	01.23 बजे से
कर्क	03.37 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 225 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 20.42 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 06.07 बजे तदनन्तर मघा 04.39 बजे प्रातः को समाप्त।
योग वरीयान 12.16 बजे को समाप्त।
करण किस्तुघ्न 09.51 बजे तदनन्तर बव 20.42 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 0.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 43'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872800
जूलियन दिन 2461265.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर
तारीख 29

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक		अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक	
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक		चर	07.11 से	08.43 बजे तक	
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक		रोग	08.43 से	10.15 बजे तक	
चर	10.19 से	11.47 बजे तक		काल	10.15 से	11.47 बजे तक	
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक		लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक		उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक	
काल	02.43 से	04.11 बजे तक		शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक		अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः स्वप्न का संदेश

एक संत की साधना और भक्तिमय जीवन की बड़ी ख्याति थी। एक रात उन्होंने स्वप्न देखा कि उनकी मृत्यु हो चुकी है और वह एक देवदूत के सामने खड़े हैं। देवदूत सब मृत लोगों से उनके कर्मों का ब्योरा मांग रहा था। काफी देर बाद जब उनकी बारी आई, तो देवदूत ने उनसे पूछा, 'आप बताएं, आपने जीवन में क्या अच्छे कार्य किए जिनका आपको पुण्य मिला हो?' संत सोचने लगे- मेरा तो सारा जीवन ही पुण्य कार्यों में व्यतीत हुआ है, मै कौन सा एक काम बताऊं। वह बोले, 'मैं पांच बार तीर्थयात्रा कर चुका हूं।' देवदूत बोला, 'आपने तीर्थयात्राएं तो कीं, लेकिन आप अपने इस कार्य की चर्चा हर व्यक्ति से करते रहे। इसके कारण आपके सारे पुण्य नष्ट हो गए।' संत को भारी ग्लानि हुई। फिर कुछ हिम्मत कर उन्होंने कहा, 'मैं प्रतिदिन भगवान का ध्यान और उनके नाम का स्मरण करता था।' देवदूत ने कहा, 'जब आप ध्यान करते और कोई दूसरा व्यक्ति वहां आता, तो आप कुछ अधिक समय तक जप-ध्यान में बैठते थे। चलिए कोई और पुण्य कार्य बताइए।' संत को लगा कि उनकी अब तक की सारी तपस्या बेकार चली गई। उनकी आंखों से पश्चाताप के आंसू बह निकले। इतने में उनकी नींद खुल गई। वह स्वप्न का संदेश समझ गए। वह समझ गए कि उन्हें अपनी साधना पर गर्व हो गया था। वे अपने त्यागमय जीवन के बदले दूसरों से कुछ अपेक्षाएं रखने लगे थे। उस दिन से उन्होंने स्वयं को बदलने का फैसला किया और सहज होकर साधना करने लगे।

फिल्म वर्ग पहेली - 7293

1		2		■	3			■	4
	■		■	5		■	■	6	
7	8		■	■	9		10	■	
■		■	11	12		■	13		■
14		15	■		■	16		■	17
	■	18	19		■		■	20	
21	22	■		■	23		24	■	
■	25		■	26		■	27		■
28		■	29	■		■		■	30
31				■	32			■	

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबु' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि, जेबा, अश्विनीभावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7292

खु	दा	र	■	गे	मां	स	■	आ	शा
शी	■	त	ला	श	■	प	ड़ो	स	न
■	ध	न	वा	न	■	ने	■	रा	■
ध	र्मा	■	रि	■	जू	■	झु	■	सु
■	त्मा	■	स	हे	ली	■	म	सी	हा
फ्रा	■	श	■	मा	■	गु	रू	■	ग
गु	म	रा	ह	■	मे	ला	■	डॉ	■
न	■	बी	■	आ	■	म	हा	न	ता
■	काँ	■	आ	शि	की	■	द	■	ल
वां	टे	ड	■	क	■	इं	सा	फ	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7602

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

सूडोकु नवताल -7601 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8817

1		2	3	■	4	5		6
	■	7		8			■	
9	10	■	■		■	■	11	
12		■	13		14	■	15	
■	16			■	17			■
18		■	19	20		■	21	22
23		■	■		■	■	24	
	■	25	26		27	28	■	
29				■	30			

बाएँ से दाएँ

1. घूमना-फिरना-4
4. पक्षियों का शोर-4
7. धोखाधड़ी, मक्कारी-5
9. भस्म, खाक -2
11. आज्ञापालक, कर्मचारी-2
12. मगन, लीन-2
13. नेत्रावरण-3
15. त्याग, दक्षिणा-2
16. जीभ, जिव्हा-3
17. मक्खन-3
18. पेड़ का मध्य व मोट भाग-2
19. गर्भ-3
21. निवास, रहना-2
23. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. पानी, नीर-2
25. इच्छा पूर्ति करना-5
29. एक मुस्लिम महीना-4
30. भाग्य, नसीब-4

ऊपर से नीचे

1. अनबन, झगड़ा-4
2. भालू-2
3. परिणाम-2
4. प्याला-2
5. बालों का गुच्छा-2
6. वर, इच्छापूर्ति-4
8. नीरज, जलज-3
10. भयानक-5
11. दयालु-5
13. आश्रय, शरण-3
14. करिश्मा, करतब-3
18. तहखाना-4
20. मगरमच्छ-3
22. शलवार, पायजामा-4
25. आनंद-2
26. झुका हुआ-2
27. पत्र, चिट्ठी-2
28. नासिका, घ्राणेंद्रिय-2

शब्द पहेली -8816 का हल

■	ल	बा	दा	■	स	ल	वा	र
प	■	■	न	सी	ब	■	■	त
ल	■	र	बी	■	क	ल	■	ज
क	म	त	र	ता	■	त	म	गा
■	द	■	ता	■	रा	■	ग	■
म	न	का	■	मो	ह	त	र	मा
र	■	ला	र	■	दे	र	■	म
ह	■	■	प	र	ख	■	■	ला
म	र	घ	ट	■	ना	पा	क	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

जीवती पर्व पर ग्रामीण अंचलों में दिखी आस्था और लोक परंपराओं की झलक

पशुधन का पूजन कर किसानों ने जताया आभार, माताओं ने संतान की सुख-समृद्धि के लिए की पूजा; विभिन्न समाजों ने निभाईं सदियों पुरानी परंपराएं

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्रामीण अंचलों में परंपरा, आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक जीवती पर्व बुधवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। श्रावण मास की अमावस्या के अवसर पर मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर सुबह से ही गांवों में उत्साह का माहौल रहा। घरों में पूजा-अर्चना के साथ किसानों ने पशुधन का पूजन किया, वहीं महिलाओं ने परिवार और संतान की सुख-समृद्धि के लिए जीवती माता की पूजा की। जीवती पर्व का ग्रामीण जीवन और कृषि संस्कृति से गहरा जुड़ाव है। खेती-किसानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बैलों एवं अन्य पशुधन के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने के लिए किसानों ने पशुओं को स्नान कराया। इसके बाद हल्दी का लेप लगाकर पूजा-अर्चना की गई तथा गुड़ से बने लड्डू और विभिन्न पकवान खिलाए गए। पर्व के दिन पशुधन को विश्राम दिया गया और उनसे कृषि कार्य नहीं कराया गया। किसानों ने अपने पशुओं के स्वस्थ, निरोगी और सुरक्षित रहने की कामना की।

माताओं ने संतान की दीर्घायु के लिए की पूजा

जीवती पर्व महिलाओं के लिए भी विशेष महत्व रखता है। महिलाओं ने जीवती माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। माताओं ने अपने पुत्रों को गोद में बिठाकर आशीर्वाद दिया और उनकी दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की। घर-आंगन में पूजा-पाठ और पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच पर्व की खुशियां मनाई गईं।

अलग-अलग समाजों ने निभाई पुरानी लोक परंपराएं

जीवती पर्व पर ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न समाजों की सदियों पुरानी परंपराओं की झलक भी देखने को मिली। सुनार समाज के लोगों ने घर-घर जाकर जीवती लगाने की परंपरा निभाई। वहीं लोहार समाज के लोगों ने घरों के दरवाजों पर पारंपरिक रूप से कील ठोकने की रस्म निभाई। ढीमर समाज के लोगों ने भी अपनी पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार घर-घर पहुंचकर पर्व की रस्में पूरी कीं। इन परंपराओं के दौरान लोगों ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं तथा सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और मेल-जोल का संदेश दिया।

प्रकृति और पशुधन के सम्मान का संदेश देता है पर्व

जीवती पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान और लोक रीति-रिवाजों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण जीवन में प्रकृति, कृषि और पशुधन के महत्व को भी रेखांकित करता है। सावन की हरियाली के बीच मनाया जाने वाला यह पर्व मनुष्य और प्रकृति के साथ पशुधन के सदियों पुराने आत्मीय संबंध को दर्शाता है। आधुनिकता के दौर में भी ग्रामीण समाज द्वारा इन परंपराओं को उत्साहपूर्वक निभाया जाना क्षेत्र की समृद्ध लोक संस्कृति, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत के जीवंत बने रहने का प्रमाण है।

साडरा में 18 से श्री अखण्ड रामचरित मानस पाठ व विविध कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। श्रावण मास की पावन बेला में हनुमान चौक साड़रा में हनुमान जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में तथा श्री अखण्ड रामचरित मानस पाठ समिति. एकल अभियान लांजी अभिनंदन लाइफ फाउंडेशन के सहयोग से 18 एवं 19 अगस्त को दो दिवसीय धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ, संकीर्तन यात्रा, ध्वज स्थापना, योग-प्राणायाम, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य शिविर, हवन-पूजन एवं विशाल भंडारे सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। समिति के अध्यक्ष प्रमोद बलारखेड़े, उपाध्यक्ष जितेन्द्र बापुरे, सचिव लीलाधर भटेरे, सहसचिव हेमराज भटेरे एवं कोषाध्यक्ष सुरेंद्र उपाध्याय सहित समिति सदस्यों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

18 अगस्त को धार्मिक आयोजनों का शुभारंभ

कार्यक्रम के प्रथम दिवस मंगलवार, 18 अगस्त को सुबह 6 से 7 बजे तक योग, प्राणायाम एवं ध्यान का आयोजन होगा। इसके बाद सुबह 8 से 10 बजे तक संकीर्तन यात्रा एवं ध्वज स्थापना की जाएगी। श्रद्धालु हनुमान मंदिर से ग्राम के प्रमुख मार्गों से होते हुए संकीर्तन यात्रा में शामिल होंगे। इसके पश्चात अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ का शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही धर्म, आध्यात्मिकता एवं बच्चों की शिक्षा को लेकर मार्गदर्शन दिया जाएगा। समिति द्वारा विशेष रूप से बच्चों एवं युवाओं को संस्कार, धर्म और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है।

वृक्षारोपण और स्वास्थ्य शिविर बनेगा आकर्षण

दूसरे दिन बुधवार, 19 अगस्त को सुबह 10 बजे से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समिति ने विभिन्न स्थानों पर 25-25 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। इसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया जाएगा। दोपहर 12 बजे से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित होगा, जिसमें स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा उपलब्ध रहेगी। जरूरतमंद मरीजों

को उपचार संबंधी मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। इसके बाद दोपहर 1 बजे रामायण पाठ की पूर्णाहुति होगी। हवन, यज्ञ, पूजन एवं कन्या पूजन सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए जाएंगे। शाम 5 बजे से मानस प्रसादम एवं विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे।

धर्म के साथ सेवा और सामाजिक एकता का संदेश

हनुमान जन्मोत्सव समिति ने बताया कि यह आयोजन किसी एक व्यक्ति या परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि सभी समाजजनों, माताओं-बहनों, युवाओं एवं ग्रामवासियों की सहभागिता से आयोजित किया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता, पर्यावरण संरक्षण, सेवा भावना और संस्कारों को बढ़ावा देना है। समिति ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में सहभागी बनने तथा अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहयोग प्रदान करने की अपील की है।

बी.एस.ई. पाली अकादमी संस्थान में मनाया 'हर घर तिरंगा'

पद्मेश न्यूज। लांजी। सी.बी.एस.ई. पाली अकादमी संस्थान बिसोनी में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत विभिन्न देशभक्तिपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नर्सरी से कक्षा 10वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना व्यक्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान की संचालिका वंदना वैद्य, प्रबंधक संजय चौरे एवं प्राचार्य श्रद्धा कांड्रा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर संचालिका वंदना वैद्य ने कहा कि तिरंगा देश के गौरव, एकता और अखंडता का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक को तिरंगे का सम्मान करते हुए 'हर घर तिरंगा' अभियान में सहभागिता करनी चाहिए। प्रबंधक संजय चौरे ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ-साथ उनमें राष्ट्रभक्ति एवं देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी विद्यालय का महत्वपूर्ण दायित्व है। वहीं प्राचार्य श्रद्धा कांड्रा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को देश की प्रगति में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

तिरंगा यात्रा ने बढ़ाया देशभक्ति का उत्साह

अभियान के तहत विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में तिरंगा लेकर विद्यार्थियों ने देशभक्ति के नारों के साथ वातावरण को राष्ट्रप्रेम से सराबोर कर दिया। इस दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इसके अलावा विद्यार्थियों के लिए चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपनी प्रतिभा के साथ देशप्रेम की भावनाओं को प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को

अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान बनाए रखने का संकल्प दिलाया गया। पूरे आयोजन में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कारंजा के राम तालाब में सवा करोड़ का काम, लोगों ने कहा नहीं हुआ दस लाख रूपए से अधिक का काम

सूचना पटल पर निर्माण कार्यों की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम पंचायत कारंजा का राम तालाब इन दिनों पानी से ज्यादा सरकारी खर्च के कारण चर्चा में है। राम तालाब की कहानी फिलहाल पानी की सतह से ज्यादा उन दस्तावेजों में छिपी हुई है, जिनमें सरकारी धन के निकलने और काम के दर्ज होने का पूरा ब्यौरा मौजूद है। सवा करोड़ रुपये की चर्चा सच है या आंकड़ा कुछ और है-इसका फैसला अब रिकॉर्ड और स्थल की संयुक्त जांच से ही हो सकेगा। तालाब के जीर्णोद्धार और सुविधाओं के नाम पर अलग-अलग कार्य कराए जाने की जानकारी है, लेकिन इन कार्यों का कितना बजट था और अब तक कितनी राशि खर्च की गई, इसका विवरण आम लोगों के लिए सामने नहीं रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक तालाब परिसर में हुए विभिन्न निर्माण कार्यों पर करीब सवा करोड़ रुपये की शासकीय राशि खर्च की गई है। इतनी बड़ी रकम खर्च होने की जानकारी सामने आने के बाद भी स्थल पर ऐसा कोई स्पष्ट विवरण उपलब्ध नहीं है, जिससे ग्रामीण कार्य की लागत और निर्माण की मात्रा का सीधा मिलान कर सकें। यही वजह है कि राम तालाब में खर्च हुई राशि का पूरा लेखा.जोखा जानने के लिए

अब सरकारी अभिलेखों की तरफ देखना पड़ रहा है।

दो काम बताए जा रहे, पर पूरी तस्वीर सार्वजनिक नहीं

राम तालाब में करीब दो कार्य कराए जाने की जानकारी सामने आई है। इनके अलावा भी अलग-अलग निर्माण कार्य कराए जाने की बात कही जा रही है। लेकिन कार्यों की संख्या, स्वीकृत राशि, कार्य एजेंसी और भुगतान का विवरण सार्वजनिक नहीं होने से यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि तालाब के विकास पर कुल कितनी रकम लगाई गई। ग्रामीणों को यदि योजना का नाम और राशि की जानकारी ही उपलब्ध न हो तो निर्माण की लागत का आकलन करना मुश्किल होना स्वाभाविक है। सरकारी काम में सूचना पटल इसी वजह से लगाया जाता है, ताकि गांव का कोई भी व्यक्ति मौके पर खड़े होकर काम और खर्च का विवरण देख सके। राम तालाब पर लगाया गया सूचना पटल अब टूटकर जमीन पर पड़ा बताया जा रहा है। उस पर दर्ज रहने वाली स्वीकृति, राशि और कार्य से संबंधित जानकारी ग्रामीणों के उपयोग में नहीं है।

सवा करोड़ की चर्चा, लेकिन खर्च का ब्योरा पर्दे के पीछे

राम तालाब के लिए तटबंध सुदृढ़ीकरण यानी री-सेक्शनिंग ऑफ बंड तथा पनघट निर्माण जैसे कार्य स्वीकृत किए जाने की जानकारी है। इन कार्यों का उद्देश्य तालाब की उपयोगिता बढ़ाना और ग्रामीणों को सुविधा उपलब्ध कराना था। सूत्रों के अनुसार राम तालाब में अलग-अलग निर्माण कार्यों पर लगभग सवा करोड़ रुपये खर्च किए जाने की जानकारी सामने आई है। यह आंकड़ा सरकारी दस्तावेजों से प्रमाणित होना अभी बाकी है, लेकिन इतनी बड़ी राशि की चर्चा के बाद संबंधित विभाग के लिए कार्यवार खर्च का विवरण सार्वजनिक करना आवश्यक हो जाता है।

दो साल से अधूरा स्कूल भवन, एक कमरे में पढ़ रहे पहली से पांचवीं तक के 45 बच्चे

न शौचालय, न पानी, न बैठने की पर्याप्त व्यवस्था; परसवाड़ा के प्राथमिक स्कूल में मूलभूत सुविधाओं का टोटा

पद्मेश न्यूज। लांजी। महाराष्ट्र सीमा से लगे ग्राम पंचायत परसवाड़ा का शासकीय प्राथमिक स्कूल वर्षों से मूलभूत सुविधाओं के अभाव में संचालित हो रहा है। स्कूल में कक्षा पहली से पांचवीं तक 45 छात्र-छात्राएं दर्ज हैं और तीन शिक्षक पदस्थ हैं, लेकिन बच्चों के लिए न पर्याप्त कक्ष हैं, न शौचालय, न बाथरूम और न ही नल-जल की व्यवस्था। सबसे बड़ी परेशानी यह है कि करीब दो साल से स्कूल का नया भवन अधूरा पड़ा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। जानकारी के अनुसार वर्ष 2022-23 में स्कूल भवन जर्जर होने के बाद ग्रामीणों और ग्राम पंचायत की मांग पर राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा 28 फरवरी 2024 को नवीन स्कूल भवन निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई थी। निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत परसवाड़ा को बनाया गया और भवन का निर्माण एक वर्ष में पूरा किया जाना था। लेकिन निर्माण एजेंसी को निर्माण कार्य के लिए आवश्यक राशि पूरी उपलब्ध नहीं होने के कारण भवन आज भी अधूरा पड़ा है।

एक कमरे में पांच कक्षाएं, उसी में सामान और शिक्षकों की बैठक

स्कूल भवन अधूरा होने के कारण वर्तमान में बच्चों को एक ही अतिरिक्त कमरे में पहली से पांचवीं तक की कक्षाएं संचालित कर पढ़ाया जा रहा है। इसी कमरे में स्कूल का सामान रखा हुआ है और शिक्षकों की बैठक व्यवस्था भी है। ऐसे में बच्चों की पढ़ाई किस तरह प्रभावित हो रही होगी, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

शौचालय नहीं, घर या खुले में जाने मजबूर बच्चे

स्कूल में शौचालय और बाथरूम की सुविधा नहीं होने से छात्र-छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों को शौचालय जाने के लिए शिक्षकों से छुट्टी लेकर अपने घर जाना पड़ता है, जबकि बाथरूम के लिए उन्हें खुले स्थान का सहारा लेना पड़ रहा है। स्कूल से घर आने-जाने के दौरान सड़क पर वाहनों की आवाजाही के कारण बच्चों के साथ दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

नल-जल व्यवस्था भी नहीं, बच्चों की परेशानी बढ़ी

स्कूल परिसर में पेयजल के लिए नल-जल की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। मूलभूत सुविधाओं के अभाव में नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के साथ शिक्षक भी परेशान हैं। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि बच्चों को बेहतर शिक्षा का अधिकार तभी मिलेगा, जब उन्हें पढ़ाई के लिए सुरक्षित और सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि अधूरे पड़े स्कूल भवन का निर्माण जल्द से जल्द पूरा कराया जाए और स्कूल में शौचालय, बाथरूम, पेयजल सहित अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। ग्रामीणों का कहना है कि दो साल से अधूरे भवन के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, इसलिए जिम्मेदार विभाग को मामले में तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत बोलेगांव में निकली देशभक्ति रैली

पद्मेश न्यूज। बोलेगांव। संदीपनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव में शासन के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा अभियान के तहत देशभक्ति और जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिसर में प्रार्थना सभा के साथ हुई। संस्था प्राचार्य बी.आर. गुरदे सर के कुशल नेतृत्व में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं ने तिरंगा रैली निकाली। रैली में विद्यार्थियों ने 卐वंदे मातरम卐, भारत माता की जय सहित विभिन्न देशभक्ति नारों और

गीतों के माध्यम से ग्रामवासियों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं देशभक्ति की भावना जागृत करने का संदेश दिया। रैली विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर ग्राम के प्रमुख मार्गों से होते हुए संपूर्ण गांव में भ्रमण करती रही। इस दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक नारे लगाते हुए ग्रामीणों को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत करना रहा। रैली में ग्राम के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं संचालन में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

15 हजार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के प्रमोशन का रास्ता साफ

- सीएम बोले- पदोन्नति में बाधा नहीं बनेगी सीपीसीटी

भोपाल। मध्यप्रदेश के 15 हजार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति में बाधा बनी सीपीसीटी की डिग्री अब जरूरी नहीं होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की पदोन्नति में सीपीसीटी परीक्षा बाधक नहीं बनेगी। उन्होंने निर्देश दिए है कि तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की पदोन्नति में सीपीसीटी परीक्षा को उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता पर जल्द सकारात्मक निर्णय लिया जाए। यह सुनिश्चित करें कि सभी तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिले। सीपीसीटी परीक्षा के कारण कोई भी तृतीय-चतुर्थ श्रेणी का कर्मचारी पदोन्नति से वंचित या रिवर्ट नहीं हो।

सीपीसीटी परीक्षा की डिग्री की अनिवार्यता लागू करने का फैसला सामान्य प्रशासन विभाग ने लेते हुए 22 जुलाई को कहा था कि जिसके पास यह डिग्री नहीं होगी, वह पदोन्नति के लिए पात्र नहीं होगा। इसके बाद जीएडी ने जुलाई में की गई अपनी ही पदोन्नति की कार्यवाही को रद्द कर प्रमोट किए गए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को रिवर्ट कर दिया था। इसके बाद मप्र राज्य कर्मचारी संघ, तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ, लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ समेत अन्य कर्मचारी संगठनों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। पिछले दिनों राज्य कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने विन्ध्याचल भवन के सामने 22 जुलाई को जारी जीएडी के आदेश की होली जलाई थी और जीएडी अफसरों के मुर्दाबाद के नारे लगाए थे तथा आदेश निरस्त किए जाने की मांग की थी।

अनुकंपा नियुक्ति में बाधा बनी है सीपीसीटी

सामान्य प्रशासन विभाग ने अनुकम्पा नियुक्ति के मामले में भी सीपीसीटी की अनिवार्यता तय कर दी है। ऐसे में जिन कर्मचारियों की असमय मौत के बाद उनके परिजनों को अनुकम्पा नियुक्ति मिलनी थी वह अनुकंपा नियुक्ति मिलने का रास्ता बंद हो गया था। कई युवकों को अपने पिता की मौत के बाद मिली अनुकम्पा नियुक्ति के बाद नौकरी गंवाना पड़ी है। इसके विरोध में मंत्रालय के सामने तीन दिन पहले प्रदर्शन कर नौकरी गंवाने वाले युवकों ने विरोध स्वरूप मुंडन भी कराया था।

मुख्यमंत्री का सीपीसीटी की परीक्षा पास करने की बाधता पदोन्नति प्राप्त करने के लिए नहीं रहने का निर्णय स्वागत योग्य - पाण्डे

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने निर्णय लिया है, कि सीपीसीटी की परीक्षा पास करने की बाधता पदोन्नति प्राप्त करने के लिए नहीं रहेगी। यह निर्णय प्रदेश की कर्मचारियों के लिए स्वागत योग्य है। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के कर्मचारी हितेषी निर्णय का स्वागत करता है। मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करता है। कर्मचारी नेता ब्रह्मानंद पटेरिया, कृष्णा दुबे , लव प्रकाश पाराशर, हरि सिंह गुर्जर आदि ने मुख्यमंत्री के निर्णय का स्वागत किया है। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि मध्य प्रदेश सरकार ने प्रदेश में तृतीय श्रेणी के पद पर पदोन्नति प्राप्त करने के लिए सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करने की शर्त रखी थी। जिस कारण सैकड़ो कर्मचारी चतुर्थ श्रेणी से तृतीय श्रेणी के पद पर पदोन्नति प्राप्त करने से वंचित हो गए थे। दर्जनों कर्मचारियों को पदोन्नति प्राप्त करने के बाद पदावन कर दिया गया था। अब मुख्यमंत्री के नए निर्णय के बाद सीपीसीटी परीक्षा की बाधता हटाने पर पदवानत हुए दर्जनों कर्मचारी पुनः पदोन्नति प्राप्त कर लेंगे और हजारों कर्मचारियों को तृतीय श्रेणी के पद पर पदोन्नति प्राप्त हो जाएगी। यह निर्णय कर्मचारी हितैषी है और लंबे समय से प्रदेश के कर्मचारी पदोन्नति से सीपीसीटी की बाध्यता को समाप्त करने की मांग कर रहे थे। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने भी अगले सप्ताह मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेज कर मांग करी थी, कि पदोन्नति से सीपीसीटी की परीक्षा की बाधता तत्काल हटाई जाए ।मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच की मांग को मंजूर करके प्रदेश के कर्मचारियों को पदोन्नति प्राप्त करने का सुगम रास्ता प्रशस्त किया है।

आधी रात में मप्र वक्फ बोर्ड के पुनर्गठन की फाइल चली

- हाई कोर्ट ने खड़े किए सवाल, पूछा- इतनी जल्दी क्यों?

भोपाल। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के पुनर्गठन को लेकर दायर याचिका ने सरकारी प्रक्रिया की समय-सारिणी पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने दावा किया कि बोर्ड के पुनर्गठन से जुड़ी नोटशीट पर रात एक बजे हस्ताक्षर किए गए। सवाल उठाया गया कि ऐसी क्या जल्दबाजी थी कि महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया आधी रात में पूरी करनी पड़ी। कार्यवाहक मुख न्यायाधीश विवेक रूसिया व न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने प्रारंभिक सुनवाई के बाद मुख्य सचिव सहित चार अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 28 सितंबर को होगी।

चार जुलाई 2026 की अधिसूचना को चुनौती दी

सिवनी निवासी शोएब राजा खान ने चार जुलाई 2026 की अधिसूचना को चुनौती दी है। याचिका के अनुसार तीन जुलाई को बोर्ड के चार सदस्यों ने इस्तीफा दिया और अगले ही दिन सरकार ने इस्तीफे स्वीकार कर पूरे बोर्ड का नए सिरे से गठन कर दिया।

अधिसूचना की वैधानिकता पर सवाल उठाया गया

याचिकाकर्ता का तर्क है कि वक्फ अधिनियम की धारा 99 के तहत बोर्ड को भंग या अधिग्रहित किए बिना कार्यकाल के बीच पूरा बोर्ड बदलने का प्रविधान नहीं है। इसलिए अधिसूचना की वैधानिकता पर सवाल उठाया गया है।

सुनवाई के दौरान अधिवक्ता हिमांशु मिश्रा ने पक्ष रखा, जबकि शासन की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता ब्रह्मदत्त सिंह उपस्थित हुए। हाई कोर्ट अब यह जांचेगा कि पुनर्गठन के पीछे सरकार ने किस वैधानिक प्रविधान का सहारा लिया और पूरी प्रक्रिया कानून के अनुरूप थी या नहीं।

राहुल गांधी सितंबर में आएंगे उज्जैन

- संभाग के कांग्रेस कार्यकर्ताओं से करेंगे संवाद; महाकाल दर्शन भी संभावित

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सितंबर में उज्जैन आ सकते हैं। प्रस्तावित दौरे में वे उज्जैन संभाग के कांग्रेस संगठन सृजन के तहत नियुक्त पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद करेंगे। कार्यक्रम में उज्जैन के अलावा रतलाम, शाजापुर, देवास, आगर मालवा, मंदसौर और नीमच जिलों के कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे। राहुल गांधी के प्रस्तावित दौरे की जानकारी सामने आने के बाद कांग्रेस संगठन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। उज्जैन जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश परमार और शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी कार्यक्रम की तैयारियों और संगठनात्मक रणनीति पर काम कर रहे हैं। हालांकि, दोनों नेता अभी दौरे को लेकर सार्वजनिक रूप से ज्यादा जानकारी देने से बच रहे हैं।

राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए क्षीरसागर और कार्तिक मेला ग्राउंड को संभावित स्थल के रूप में देखा जा रहा है। प्रशासन की ओर से जिस स्थान की अनुमति मिलेगी, वहीं कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। स्थल तय होने के बाद वहां डोम सहित अन्य व्यवस्थाएं की जाएंगी। प्रस्तावित कार्यक्रम में राहुल गांधी संभाग के कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संगठन की जमीनी स्थिति की जानकारी लेंगे। बैठक में जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, जिला और ब्लॉक कार्यकारिणी के सदस्य, मंडलम अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी, ग्राम पंचायत अध्यक्ष

और बीएलए-2 सहित अन्य पदाधिकारी शामिल होंगे।

पंचायत और मंडलम स्तर के कार्यकर्ताओं पर फोकस

राहुल गांधी पंचायत कमेटियों के अध्यक्षों और मंडलम कमेटियों के पदाधिकारियों से भी बातचीत करेंगे। इस दौरान संगठन को बूथ और पंचायत स्तर तक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की भूमिका बढ़ाने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर चर्चा होने की संभावना है। कांग्रेस संगठन सृजन के माध्यम से तैयार किए गए नए संगठनात्मक ढांचे के पदाधिकारियों से राहुल गांधी का सीधा संवाद पार्टी के लिए अहम माना जा रहा है। इसके जरिए प्रदेश में संगठन की जमीनी स्थिति, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और स्थानीय स्तर की चुनौतियों की जानकारी लेने की कोशिश होगी। राहुल गांधी के उज्जैन दौरे की तारीख अभी अंतिम रूप से तय नहीं हुई है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक उज्जैन के बाद रीवा संभाग में भी इसी तरह का कार्यक्रम प्रस्तावित है। हालांकि, रीवा दौरे की तारीख भी फिलहाल तय नहीं हुई है।

महाकाल दर्शन का भी कार्यक्रम संभावित

उज्जैन दौरे के दौरान राहुल गांधी के बाबा महाकाल के दर्शन करने की भी संभावना है। इससे पहले उज्जैन आने पर वे श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। इस बार भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से उनके मंदिर जाने की तैयारी बताई जा रही है। हालांकि वे कार्यक्रम से पहले महाकाल दर्शन करेंगे या बाद में, यह अभी तय नहीं हुआ है। कांग्रेस के लिए यह दौरा संगठनात्मक रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि राहुल गांधी सीधे संभाग के जमीनी कार्यकर्ताओं से संवाद कर आगामी चुनावी और संगठनात्मक रणनीति का फीडबैक ले सकते हैं।

मध्य प्रदेश में भी एनालॉग पनीर पर लगा बैन

महाराष्ट्र-गुजरात-छत्तीसगढ़ के बाद ऐसा करने वाला चौथा राज्य

भोपाल। महाराष्ट्र, गुजरात और छत्तीसगढ़ के बाद अब मध्य प्रदेश में भी एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगा दिया है। बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुजरात रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री निवास पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर प्रदेश में एनालॉग पनीर के उत्पादन, बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। बताया जा रहा है कि एनालॉग पनीर को असली दूध से बने पनीर के विकल्प के तौर पर तैयार किया जाता है। इसमें दूध की जगह या दूध के साथ वनस्पति वसा, स्टॉर्च और अन्य सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी कम कीमत के कारण बाजार में इसकी खपत तेजी से बढ़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा मध्य प्रदेश में एनालॉग पनीर पर हम प्रतिबंध लगा रहे हैं। जैसा अन्य राज्यों ने लगाया है। हम प्राकृतिक रूप से दुग्ध उत्पादन को बढ़ाएंगे और प्राकृतिक रूप से ही पनीर बनाएंगे। मध्य प्रदेश में एनालॉग पनीर की रोजाना आवक और बिक्री करीब 300 से 400 क्विंटल होने का अनुमान है। इस हिसाब से प्रदेश में हर महीने करीब 9 हजार से 12 हजार क्विंटल, यानी 900 से 1200 टन एनालॉग पनीर खपने की बात सामने आई है। बड़ी मात्रा में इसकी बिक्री को देखते हुए सरकार ने अब इस पर सख्ती का निर्णय लिया है।

त्योहारों में जमकर होती पनीर की बिक्री

स्वास्थ्य मंत्री का कहना है त्योहार का समय चल रहा है और कुछ समय बाद रक्षाबंधन आने वाला है। ऐसे में दूध से बने उत्पादों की मांग बढ़ जाती है, तो ऐसे उत्पाद शुद्ध मिलें। इसकी हम चिंता कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई से लगातार हमारा अभियान चल रहा है कि जनता को शुद्ध दूध और शुद्ध मावा मिले।

लोगों को नहीं पता अंतर

उन्होंने कहा कि ग्राहक को पता नहीं चलता है कि एनालॉग पनीर और सामान्य पनीर में क्या अंतर है। जबकि साफ आदेश है कि इसको बताकर बेचा जाए, लेकिन आदेश के बाद भी प्रदेश में लोगों को बिना बताए एनालॉग पनीर बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से भी इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद गलत तरीके से एनालॉग पनीर तैयार किया जा रहा है।

दतिया उपचुनाव के बाद मप्र के तीन बड़े नेताओं ने पीएम मोदी से की मुलाकात

कुछ अन्य नेताओं ने भी पीएमओ से मांगा है समय

भोपाल। दतिया विधानसभा उपचुनाव में हार से मप्र भाजपा में बड़े उठापठक की संभावना जताई जा रही है। साथ ही पार्टी के भीतर विवाद बढने् की स्थित बन रही है। 3 अगस्त को चुनाव परिणाम के अगले ही दिन पार्टी ने समीक्षा बैठक कर दतिया भाजपा की पूरी कार्यकारिणी को ही भंग कर दिया है। जबकि कुछ नेताओं पर कार्रवाई के लिए हाईकमान तक सिफारिश कर दी है। इस बीच मप्र भाजपा के तीन बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं सांसद वीडी शर्मा और मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की है। जबकि कुछ अन्य नेताओं ने पीएमओ से मुलाकात के लिए समय मांगा है।

केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों की प्रधानमंत्री से मुलाकात सामान्य मानी जाती हैं। शिवराज सिंह चौहान केंद्रीय कृषि एवं पंचायत मंत्री हैं। लोकसभा चल रही है। ऐसे में उनकी प्रधानमंत्री से मुलाकात होना सामान्य है। इसी तरह खजुराहो सांसद वीडी शर्मा की भी प्रधानमंत्री से मुलाकात सामान्य है। क्योंकि रोजाना किसी न किसी क्षेत्र के सांसद प्रधानमंत्री से मुलाकात करते हैं। नरेन्द्र सिंह तोमर मप्र विधानसभा के अध्यक्ष हैं, अध्यक्ष के नाते उनकी भी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात होना सामान्य है। लेकिन दतिया विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद जिस तरह से मप्र के नेता एक के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर रहे हैं। उससे मप्र में सियासी पारा चढ़ रहा है। राजनीतिक गलियारों में मुलाकातों को लेकर अलग-अलग खबरें तैरने लगी हैं। हर नेता का समर्थक अपने हिसाब से खबर को तूल देने में लगा है। तीनों नेताओं के पीएम से मुलाकात की तस्वीरें बाहर आईं तो मप्र भाजपा अलर्ट मोड में आ गई।

चर्चा के केंद्र में दतिया चुनाव का परिणाम

प्रधानमंत्री मोदी के साथ मप्र तीनों नेताओं की अलग-अलग दिन करीब 15 मिनट से 30 मिनट तक की लंबी मुलाकातें हुई हैं। चर्चा है कि पीएम के साथ चर्चा में विकास के मुदद‌े के अलावा मप्र के विषयों पर भी चर्चा हुई है। जिसमें दतिया विधानसभा चुनाव का परिणाम भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जिन तीन नेताओं ने पिछले 8 दिन के भीतर मुलाकातें की हैं। उनमें शिवराज सिंह चौहान, वीडी शर्मा और नरेन्द्र सिंह तोमर की प्रदेश भर में पकड़ है और अपने लोग हैं।

अपार आईडी बनाने की अनिवार्यता बन रही बाधक

- पौने दो लाख विद्यार्थियों के बोर्ड परीक्षा फार्म अटकेंगे

भोपाल। प्रदेश के पौने दो लाख विद्यार्थियों की दसवीं और बारहवीं कक्षा की परीक्षा आवेदन में भारत सरकार की अपार (ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री) आईडी व्यवस्था बाधक बन सकती है। इसे देखते हुए चालू शिक्षा सत्र से इस आईडी की अनिवार्यता खत्म करने की मांग स्कूल शिक्षा विभाग ने माध्यमिक शिक्षा मंडल से की है। दरअसल कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए अपार आईडी बनाने के लिए तय समय सीमा में यह आईडी नहीं बन पा रही है। इसके बाद लोक शिक्षण संचालनालय ने माध्यमिक शिक्षा मंडल को इसकी समय सीमा बढ़ाने के लिए कहा है।

लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 9वीं के नामांकन तथा कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा आवेदन प्रक्रिया में अपार आईडी को वैकल्पिक आईडी के रूप में स्वीकार करने और आवेदन की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2026 तक

बढ़ाने को भी कहा है। लोक शिक्षण संचालनालय समग्र शिक्षा (सेकेंडरी एजुकेशन) की ओर से सचिव माध्यमिक शिक्षा मंडल को लिखे पत्र में कहा गया है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं के आवेदन तथा कक्षा 9वीं के नए विद्यार्थियों के नामांकन आवेदन में डीआईएसई पोर्टल पर आधारित अपार आईडी को अनिवार्य जानकारी के रूप में मांगा गया है।

वर्तमान शैक्षणिक सत्र में कक्षा 9वीं से 12वीं तक करीब 80 प्रतिशत विद्यार्थियों की अपार आईडी बन चुकी है, जबकि लगभग 20 प्रतिशत विद्यार्थियों की अपार आईडी बनना अभी बाकी है। संचालनालय ने आशंका जताई है कि यदि अपार आईडी को अनिवार्य रखा गया तो जिन विद्यार्थियों की आईडी अभी नहीं बनी है, वे कक्षा 9वीं के नामांकन और कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा आवेदन से वंचित हो सकते हैं। इससे विद्यार्थियों के वार्षिक परीक्षा में शामिल होने में भी परेशानी उत्पन्न हो सकती है। यहां बता दें कि प्रदेश में करीब नौ लाख विद्यार्थी हाईस्कूल परीक्षा देने वाले हैं।

अपार आईडी की जगह ऑप्शनल आईडी की मांग

विद्यार्थियों की परेशानी को देखते हुए लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 9वीं के नामांकन आवेदन तथा कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा आवेदनों में अपार आईडी को फिलहाल वैकल्पिक आईडी के रूप में स्वीकार करने का अनुरोध किया है। साथ ही आवेदन की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2026 तक बढ़ाने की मांग की गई है, ताकि सभी विद्यार्थी आसानी से अपने नामांकन एवं परीक्षा आवेदन जमा कर सकें।

2027-28 से अपार आईडी अनिवार्य करने का प्रस्ताव

संचालनालय ने स्पष्ट किया है कि आगामी शैक्षणिक सत्र 2027-28 के परीक्षा आवेदनों में अपार आईडी को अनिवार्य आईडी के रूप में रखा जा सकता है। इससे विद्यार्थियों को पर्याप्त समय में अपार आईडी बनवाने का अवसर मिल जाएगा और भविष्य में परीक्षा आवेदन प्रक्रिया के दौरान किसी विद्यार्थी को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

प्रधानमंत्री मोदी से मप्र विधानसभा अध्यक्ष तोमर की सौजन्य भेंट

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने नई दिल्ली में संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी से वर्तमान हालात के साथ ही प्रदेश के विकास और विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा की।

नई दिल्ली यात्रा के दौरान विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ ही केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भी भेंट की।

तोमर की इन मुलाकातों को मध्य प्रदेश से जुड़े विभिन्न विषयों और केंद्र एवं राज्य के बीच समन्वय की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मप्र में कानून का हो रहा दुरुपयोग

- पूर्व नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. गोविंद सिंह ने कहा.. - 5 साल में 1 हजार से ज्यादा लोगों पर फर्जी कार्रवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. गोविंद सिंह ने प्रदेश सरकार पर मध्यप्रदेश डकैती और व्यपहरण प्रभावित क्षेत्र अधिनियम, 1981 के कथित दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश से डकैतों का सफाया हो चुका है, इसके बावजूद यह कानून अब भी लागू है और इसके जरिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं, किसानों तथा युवाओं को कथित तौर पर झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। पत्रकार वार्ता के दौरान डॉ. सिंह ने कहा कि सरकार को इस कानून को तत्काल समाप्त करना चाहिए। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री को पत्र लिखने की बात भी कही।

डॉ. गोविंद सिंह ने कहा कि करीब 15-16 साल पहले ग्वालियर-चंबल और रीवा संभाग में डकैतों का आतंक था। उस समय 500 से अधिक डकैत करीब 20-22 गिरोहों में सक्रिय बताए जाते थे। किसानों और व्यापारियों में भय का माहौल था और कई परिवारों को पलायन तक करना पड़ा था। उनके मुताबिक, तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह के कार्यकाल में 1981 में डकैतों और उनके सहयोगियों पर कार्रवाई के लिए यह कानून बनाया गया था। इसके तहत आरोपियों को लंबे समय तक जमानत नहीं मिलने का प्रावधान था। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि वर्ष 2007 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश में डकैत समस्या खत्म होने की घोषणा की थी। उन्होंने यह भी कहा कि 2012 में तत्कालीन गृह मंत्री उमाशंकर गुप्ता ने विधानसभा में भी इस कानून को समाप्त करने की बात कही थी।

5 साल में 1 हजार से ज्यादा लोगों पर कार्रवाई का दावा

गोविंद सिंह ने आरोप लगाया कि 2020 से 2025 के बीच ग्वालियर-चंबल के छह जिलों और रीवा संभाग के तीन जिलों में इस कानून का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हुआ। उनके अनुसार, इस दौरान 1 हजार से ज्यादा किसानों और युवाओं पर दस्यु अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि कानून का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दबाने के लिए किया जा रहा है। हालांकि, ये आरोप कांग्रेस नेता की ओर से लगाए गए हैं और इन मामलों में पुलिस या सरकार का पक्ष सामने आना बाकी है।

800 का मोबाइल गिरने पर दस्यु एक्ट लगाने का आरोप

डॉ. सिंह ने दतिया की एक कथित घटना का जिक्र करते हुए कहा कि दो लोगों के विवाद में महज 800 रुपये का मोबाइल गिरने के मामले में पुलिस ने दस्यु उन्मूलन कानून की धारा लगा दी। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ थाने में मारपीट की गई। गोविंद सिंह ने दावा किया कि घटना से संबंधित तस्वीरें उनके पास मौजूद हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि कानून में एसपी की एनओसी के आधार पर जमानत का प्रावधान है, लेकिन यदि पुलिस ही किसी व्यक्ति पर गलत तरीके से मामला दर्ज कर रही हो तो एनओसी कौन देगा?

रेत परिवहन को लेकर भाजपा विधायक के परिवार पर निशाना

पत्रकार वार्ता में गोविंद सिंह ने एक स्थानीय भाजपा विधायक के पिता पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि विधायक के पिता ने पांच नए ट्रैक्टर खरीदे हैं और इनका इस्तेमाल कथित तौर पर अवैध रेत परिवहन में किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राजनीतिक प्रभाव के कारण पुलिस इन वाहनों पर कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने इस पूरे मामले की जांच की मांग की।

सिंध नदी में पनडुब्बियों से खनन का आरोप

गोविंद सिंह ने सिंध नदी में कथित अवैध रेत खनन का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि नदी के भीतर पनडुब्बी मशीनों के जरिए रेत निकाली जा रही है और बिना वैध टेंडर के इसे उत्तर प्रदेश के कानपुर, इटावा और औरैया तक भेजा जा रहा है। उन्होंने पुलिस, खनिज और राजस्व विभाग के अधिकारियों की कथित मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि अवैध रेत कारोबार में अधिकारियों की भूमिका की जांच होनी चाहिए। उनके मुताबिक, 22 चक्का हाईवा से करीब 5 हजार रुपये और ट्रैक्टर-ट्रॉली से 500 से 1 हजार रुपये तक की कथित वसूली की जा रही है। गोविंद सिंह ने कहा कि उन्होंने अवैध खनन को लेकर एनजीटी में याचिका भी दायर की है और मामले की जांच के लिए कमेटी गठित की गई है।

अब माननीयों को सीएम सचिवालय में ही सुनवाई की गारंटी

भोपाल। मप्र के नए प्रशासनिक मुखिया ने अपने अनुभवों के आधार पर प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त करने की कवायद शुरू कर दी है। इसकी शुरुआत सीएम सचिवालय से हुई है। दरअसल, अब तक माननीयों की शिकायत रहती थी कि मुख्यमंत्री की गैरमौजूदगी में सचिवालय में उनकी सुनने वाला कोई नहीं रहता। खबरची का कहना है कि नए प्रशासनिक मुखिया ने इस समस्या का तोड़ निकालते हुए एक ऐसा रोस्टर तैयार करवाया है, जिसके तहत अब सीएम सचिवालय में हमेशा सचिव स्तर का एक अधिकारी मौजूद रहेगा। यह अधिकारी विधायकों की समस्याएं सुनेगा और उनके निराकरण के लिए संबंधित विभागों से समन्वय करेगा। यानी अब माननीयों को शिकायत लेकर इधर-उधर भटकने के बजाय सचिवालय में ही 'सुनवाई की गारंटी' मिलेगी।

नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे सभी मुकाबले

भारत और अफगानिस्तान के बीच 3 टी-20 मैचों की सीरीज 13 सितंबर से खेली जाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टी-20 सीरीज की तारीखों को कन्फर्म किया है। मुकाबले 13, 15 और 17 सितंबर को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे। बोर्ड ने 10 अगस्त को भेजे लेटर में कहा कि BCCI ने तारीखों पर सहमति दी है। इस सीरीज के साथ ही भारत के बांग्लादेश दौरा की संभावना लगभग खत्म हो गई है।

सीरीज को लेकर BCCI या अफगानिस्तान बोर्ड से कन्फर्मेशन आना बाकी है। यह पहली बार होगा कि अफगानिस्तान बाइलेटरल सीरीज में आधिकारिक तौर पर भारत की मेजबानी करेगा। बोर्ड ने मीडिया राइट्स होल्डर्स से अपनी एडवांस प्लानिंग, शेड्यूलिंग, प्रोडक्शन अरेंजमेंट, प्रमोशनल एक्टिविटीज और दूसरी तैयारियां शुरू करने को कहा है।

बांग्लादेश सीरीज संकट में

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने भारत के साथ 6 मैचों के लिए 1 से 13 सितंबर की तारीखें तय की थी। इनमें 3 टी-20 और 3 वनडे मैच खेले जाने थे। बोर्ड प्रेसिडेंट तमीम इकबाल ने कहा था कि हमने सरकार से कहा है कि भारत से बात करें। तमीम ने विदेश मंत्रालय जाकर सुरक्षा की गारंटी मांगी थी। हालांकि बांग्लादेश सरकार या BCCI की ओर से इसपर कोई स्टेटमेंट नहीं आया। अब अफगानिस्तान सीरीज का कम से कम एक मैच इस विंडो से टकरा रहा है।

अभी आधिकारिक ऐलान बाकी

ACB ने तारीखों की पुष्टि तो कर दी है, लेकिन बोर्ड ने यह भी साफ किया कि संबंधित अधिकारियों की ओर से सीरीज का सार्वजनिक आधिकारिक ऐलान अभी बाकी है। हालांकि, अफगानिस्तान बोर्ड ने अपने कमर्शियल पार्टनर्स को भेजे पत्र में मीडिया राइट्स होल्डर्स से इन तारीखों के आधार पर अपनी तैयारियां शुरू करने को कहा है।

ब्रॉडकास्ट राइट्स को लेकर भी हलचल

सीरीज के प्रसारण अधिकारों को लेकर भी बातचीत तेज हो गई है। ITW Universe के पास मीडिया राइट्स हैं और वह तीनों मुकाबलों के लीनियर राइट्स के लिए JioStar, Sony Sports, Zee Unite8 के साथ बातचीत कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रॉडकास्टर को अगले 24 घंटे में फाइनल किया जा सकता है। वहीं, सीरीज के डिजिटल राइट्स FanCode के पास हैं।

वैभव सूर्यवंशी नेट्स में डिफेंस की प्रैक्टिस करते दिखे

वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी की तैयारी शुरू कर दी है। वे नागपुर में राजस्थान रॉयल्स के कैंप में रेड बॉल क्रिकेट की प्रैक्टिस कर रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को ट्रेनिंग का वीडियो शेयर किया। इसमें सूर्यवंशी बॉल छोड़ने और डिफेंस करते नजर आए। अटैकिंग शॉट्स पर भी काम किया। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने सिर्फ प्रिपरेशन लिखा। 15 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले वैभव दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन की ओर से खेलेंगे। वैभव को टीम का वाइस-कैप्टन बनाया गया है। 23 अगस्त को उनका मैच नॉर्थ-ईस्ट जोन से है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन टीम की कप्तानी करेंगे। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 सीरीज खत्म होने के बाद वैभव ने अपना फोकस रेड-बॉल क्रिकेट पर कर लिया है। वे नागपुर में राजस्थान रॉयल्स के परफॉर्मेंस सेंटर में ट्रेनिंग कर रहे हैं। रॉयल्स ने खिलाड़ियों के लिए 10 दिन का ट्रेनिंग कैंप लगाया है।

शुभमन के पास 183 रनों की पारी खेलकर विशिष्ट क्लब में आने का अवसर

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल के पास श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 183 रनों की पारी खेलकर एक विशिष्ट क्लब का हिस्सा बनने का अवसर है। अभी इस क्लब में तीन महान कप्तान, सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली हैं। इसे मिथक कहें या कुछ और इन तीनों दिग्गजों ने अपने करियर के अहम मोड़ पर एकदिवसीय क्रिकेट में 183 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली है, जिससे बाद से ही इनकी नेतृत्व क्षमता उभरकर सामने आयी और ये तीनो ही महान कप्तानी बने। इसी प्रकार अब भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल के पास भ्री श्रीलंका दौरे पर इस 183 रनें के क्लब में शामिल होने और इन दिग्गजों की राह पर चलने का सुनहरा अवसर है। भारतीय क्रिकेट इतिहास में 183 का आंकड़ा महज एक स्कोर नहीं, बल्कि एक ऐसी विरासत है जिसने भारत के सबसे सफल कप्तानों के करियर को एक नई दिशा दी है। सबसे पहले 1999 विश्व कप में सौरव गांगुली ने टॉन्टन में श्रीलंका के खिलाफ 183 रनों की आक्रामक पारी खेली थी। उसके बाद से ही उनकी कप्तानी में एक अलग प्रकार की आक्रामकता आई थी। इसी प्रकार साल 2005 में धोनी ने जयपुर में श्रीलंका के विरुद्ध लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद 183 रन बनाये थे और वह विश्व के सबसे खतरनाक फिनिशर के रूप में निखकर सामने आये और इसी कारण उन्हें भारत के सबसे सफल कप्तान के तौर पर पहचान मिली। अंत में, 2012 के एशिया कप में विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ ढाका में 183 रनों की शानदार पारी खेलकर भारत को जीत दिलाई थी। यह पारी उनकी बल्लेबाजी और भविष्य की कप्तानी के अगले उत्तराधिकारी होने की घोषणा थी। अब शुभमन गिल, जिन्हें वर्तमान में भारतीय टीम के भविष्य के कप्तान के रूप में देखा जा रहा है, के सामने भी ऐसी ही एक ऐतिहासिक पारी खेलने का मौका है। श्रीलंका के आगामी दौरे पर उनके सामने कई बड़ी चुनौतियां होंगी। श्रीलंका की पिचें हमेशा से स्पिन गेंदबाजों के लिए मददगार साबित होती हैं, जहाँ प्रमोद जयसूर्या, रंजीत और वेल्लागे जैसे चतुर स्पिनरों के सामने बड़े रन बनाना आसान नहीं होगा। गिल को न केवल व्यक्तिगत रूप से रन बनाने होंगे, बल्कि टीम के एक सीनियर खिलाड़ी और लीडर के रूप में भी जिम्मेदारी निभानी होगी। आधुनिक क्रिकेट की मांग है कि गिल अपनी पारी की शुरुआत से ही रन गति को बनाए रखें, जो श्रीलंका के धीमे मैदानों पर उनकी एक बड़ी परीक्षा साबित होगी। शुभमन के पास वह तकनीक और क्षमता है जो उन्हें इस विशिष्ट क्लब का हिस्सा बना सकती है। वह पहले ही टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट में दोहरा शतक लगा चुके हैं, जो दिखाता है कि वह लंबी और बड़ी पारियां खेलना जानते हैं।

सार्थक रंजन की आक्रामक पारी से दिल्ली स्ट्राइकर ने लायंस को हराया

नई दिल्ली। कप्तान सार्थक रंजन की अच्छी बल्लेबाजी से नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में अपना चौथा मैच जीता है। वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ अपने चौथे लीग मैच में सार्थक ने 30 गेंदों में 57 रनों की आक्रामक पारी खेलकर अपनी टीम को 8 विकेट से जीत दिलाई। वेस्ट दिल्ली के खिलाफ हुए मुकाबले में सार्थक ने 190 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। उनकी पारी में 8 चौके और 2 छक्के शामिल थे। उनकी इस आतिशी पारी की सहायता से नॉर्थ दिल्ली ने 147 रनों के लक्ष्य को केवल 14.2 ओवर में ही हासिल कर सभी को हैरान कर दिया। इस जीत के साथ, नॉर्थ दिल्ली की टीम ने सत्र के अपने पांच मैचों में से तीसरी जीत दर्ज की है। उन्हें एक मैच में हार का सामना करना पड़ा है जबकि एक मुकाबले का कोई परिणाम नहीं निकला था। सार्थक के अलावा, नॉर्थ दिल्ली के लिए वैभव कंडपाल ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने 43 गेंदों पर नाबाद 64 रन बनाए, जिसमें 5 छक्के और 3 चौके शामिल थे। वहीं, यश भाटिया ने भी सिर्फ 11 गेंदों में 21 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे जीत और भी आसान हो गई। इससे पहले, वेस्ट दिल्ली की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 146 रन ही बना पाई थी।

लिवरपूल ने बार्सिलोना के डिफेंडर रोनाल्ड अराउजो को शामिल किया

लंदन। इंग्लिश फुटबॉल क्लब लिवरपूल ने आगामी 2026-27 सीजन के लिए बार्सिलोना के डिफेंडर रोनाल्ड अराउजो को अपने साथ जोड़ा है। लिवरपूल को उम्मीद है कि अराउजो के आने से उनकी रक्षापंक्ति मजबूत होगी। लिवरपूल ने अराउजो को एक सत्र के लिए कर्ज पर लिया है। अराउजो मूल रुप से उरुग्वे के है और उनके आने से क्लब के अपनी रक्षापंक्ति और बेहतर होनी की उम्मीद है। लिवरपूल ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इस समझौते की पुष्टि की, जिसके तहत 27 वर्षीय अराउजो लिवरपूल के साथ जुड़ेंगे। अराउजो ने इस कदम पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वह एक ऐसे बड़े क्लब के लिए खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं जिसका इतिहास और पहचान विशाल है। उन्होंने बताया कि जैसे ही लिवरपूल की रुचि सामने आई, बातचीत तेजी से आगे बढ़ी और उन्हें लगा कि यह उनके करियर के इस पड़ाव पर एक आदर्श फैसला है। अराउजो ने कहा कि वह अपने नए साथियों से मिलने के साथ ही जल्द से जल्द मैदान पर उतरना चाहते हैं। गौरतलब है कि अराउजो साल 2018 में बार्सिलोना का हिस्सा बने थे, जहां उन्होंने शुरुआत क्लब की बी टीम से की। 2019 में उन्हें सीनियर टीम के लिए डेब्यू करने का मौका मिला और 2020-21 सीजन से वह नियमित रूप से टीम का अभिन्न अंग बन गए। बार्सिलोना के लिए उन्होंने अब तक 213 मैचों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने 14 गोल किए हैं।

उरुग्वे में रेंटिस्टास से प्रोफेशनल करियर शुरू करने के बाद, उन्होंने बोस्टन रिवर के लिए भी खेला था, जिसके बाद वह यूरोप चले गये।

बार्सिलोना के साथ अराउजो ने कई बड़ी ट्रॉफियां जीती हैं, जिनमें तीन ला लिगा खिताब, दो कोपा डेल रे ट्रॉफी और तीन स्पेनिश सुपर कप शामिल हैं। हाल ही में, उन्हें क्लब का कप्तान भी नियुक्त किया गया था, जो उनकी नेतृत्व क्षमता और क्लब के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। लिवरपूल में वह नंबर 33 की जर्सी पहनेंगे और उनका मुख्य रोल सेंटर-बैक का होगा। हालांकि; जरूरत पड़ने पर वह राइट-बैक के तौर पर भी प्रभावी ढंग से खेल सकते हैं। यह गुण लिवरपूल के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है, खासकर एक लंबे और थका देने वाले सीजन में जहां अलग-अलग डिफेंसिव कॉम्बिनेशन की आवश्यकता पड़ती है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सागर धनखड़ हत्याकांड मामले में सुशील कुमार की जमानत याचिका खारिज की

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिग्गज पहलवान सुशील कुमार को जूनियर पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड मामले में जमानत देने से इंकार कर दिया। अदालत ने सुशील की नियमित जमानत याचिका को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट की पीठ ने मामले की गंभीरता, गवाहों पर सुशील कुमार के संभावित प्रभाव और मुकदमे की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न होने की आशंका को देखते हुए जमानत नहीं दी। अदालत ने कहा कि जमानत एक सामान्य नियम है और जेल एक अपवाद पर इस मामले में कथित अपराध की प्रकृति बेहद गंभीर है। कोर्ट ने इसे एक पूर्व नियोजित और गंभीर हमले का मामला माना, जिसके कारण एक व्यक्ति को अपना जीवन खोना पड़ा।

हाई कोर्ट ने विशेष रूप से सुशील के प्रभाव और गवाहों पर उनके संभावित असर को लेकर चिंता जतायी। इस संबंध में, अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के उस पुराने फैसले का भी हवाला दिया जिसमें इन्हीं कारणों से सुशील की अंतरिम जमानत रद्द की गई थी। उस समय सुप्रीम कोर्ट ने इस बात को भी ध्यान में रखा कि जब सुशील अस्थायी तौर पर जेल से बाहर आये तब कुछ गवाह अपने बयान से पीछे हट गये थे। हाई कोर्ट ने कहा कि मौजूदा जमानत याचिका पर विचार करते समय इन तथ्यों को भी ध्यान में रखा गया

मामले में उपलब्ध सबूतों का भी अदालत ने उल्लेख किया, जिनमें कथित तौर पर एक हथियार की बरामदगी, घटना के वीडियो फुटेज और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री शामिल है। कोर्ट ने कहा कि इन सबूतों की पूरी जांच और उनका मूल्यांकन अभी ट्रायल के दौरान किया जाना बाकी है। ऐसे में, अदालत ने मौजूदा चरण में सुशील को जमानत देना सही नहीं समझा।

वहीं सुशील की ओर से जमानत की मांग करते हुए उनके वकील ने दलील दी थी कि पिछली बार जमानत रद्द होने के बाद से ही हालातों में काफी बदलाव आया है। इसके अतिरिक्त, वकील ने यह भी तर्क दिया कि सुशील कुमार पांच साल से अधिक समय से न्यायिक हिरासत में हैं और अब मुकदमे में मुख्य रूप से केवल औपचारिक और सरकारी गवाहों की गवाही ही शेष है। वहीं दिल्ली पुलिस और सागर धनखड़ के पिता ने इस जमानत याचिका का कड़ा विरोध किया था।

कैनेडियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे शेल्टन, टिएन से होगा मुकाबला

मॉन्ट्रियल । अमेरिका के बेन शेल्टन ने यहां जारी कनाडाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। शेल्टन ने क्वार्टरफाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य के जैकब मेंसिक को सीधे सेटों में 6-3, 6-1 से हरा दिया। शेल्टन ने एक घंटे से अधिक समय तक चले इस मैच में अपनी सर्विस और रिटर्न गेम दोनों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए कुल 18 विनर्स लगाए और सिर्फ तीन गलतियां की। पूरे मैच के दौरान उन्हें एक भी ब्रेक अंक का सामना नहीं करना पड़ा, जो उनकी सर्विंग क्षमता का प्रमाण है। अपनी जीत के बाद शेल्टन ने खुशी जताते हुए कहा, बहुत अच्छा लगा। मैं अपने रिटर्न गेम से बहुत खुश था अब मेरा प्रयास इसी प्रदर्शन को सेमीफाइनल में भी बरकरार रखना रहेगा।।

अब सेमीफाइनल में शेल्टन का मुकाबला अपने ही हमवतन 12वीं वरीयता प्राप्त लर्नर टिएन से होगा। यह मुकाबला बेहद रोमांचक होने की संभावना है। दोनो के आंकड़े देखें तो पहले के मुकाबलों में टिएन हावी रहे हैं। दोनों खिलाड़ियों के बीच हुए पिछले मुकाबलों में टिएन 2-0 से आगे रहे हैं। इसी साल की शुरुआत में इंडियन वेल्स के दूसरे दौर में टिएन ने शेल्टन को हराया था। वहीं टिएन क्वार्टरफाइनल में डेनियल मेरिडा को 6-3, 6-2 से हराकर अपने पहले मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। टिएन ने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन , इंडियन वेल्स में भी अच्छा प्रदर्शन किया था।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पिशिप की तैयारियों से उत्साहित हैं सिंधु

नई दिल्ली। यहां 17 से 23 अगस्त तक होने वाले विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप (बीडब्ल्यूएफ) की तैयारियां जोरों पर हैं। इस चैम्पियनशिप को लेकर स्टार खिलाड़ी पी वी सिंधु भी उत्साहित हैं। सिंधु ने उम्मीद जताई कि इस टूर्नामेंट में शामिल होने वाले सभी खिलाड़ी भारत की विशेष मेहमाननवाजी का अनुभव भी करेंगे। इस चैम्पियनशिप के लिए नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम को नया रुप दिया जा रहा है। देश में 17 साल बाद ये चैंपियनशिप होगी। इसलिए इस टूर्नामेंट को लेकर प्रशंसकों में भी खासा उत्साह है। हालांकि, इसी स्टेडियम में इस साल जनवरी में इंडिया ओपन के दौरान खिलाड़ियों ने सुविधाओं और परिस्थितियों को लेकर सवाल उठाए थे। इस बार प्रयास किये जा रहे हैं कि ऐसी कोई समस्या सामने न आये। यहां तक की बंदरों को दूर रखने के लिए भी पक्के इंतजाम किये जा रहे है।

टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में भारतीय खिलाड़ी आयुष शेट्टी का मुकाबला पहले दौर में मौजूदा चैंपियन और टॉप सीड चीन के शी यूकी से होगा। यह मुकाबला भारतीय प्रशंसकों के लिए टूर्नामेंट के सबसे रोमांचक शुरुआती मैचों में से एक हो सकता है।वहीं पुरुष युगल में भारत की स्टार जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पहले दौर में बाई मिली है। ऐसे में दोनों का सामना दूसरे दौर में स्कॉटलैंड के अलेक्जेंडर डन और एडम प्रिंगल तथा थाईलैंड के चालोएमपोन चारोनकितामोर्न और वरापोल थोंगसा-न्गा के मुकाबले के विजेता से होगा।

इस टूर्नामेंट में भारतीय फैंस की सबसे ज्यादा नजरें पीवी सिंधु पर रहेंगी। पांच बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता सिंधु टूर्नामेंट से पहले शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने पिछले महीने जापान ओपन का खिताब जीतकर अपनी तैयारियों का मजबूत संकेत दिया है। ड्रॉ के मुताबिक सिंधु को विश्व की नंबर-1 दक्षिण कोरिया की एन से यंग और डिफेंडिंग चैंपियन जापान की अकाने यामागुची से खेलना है। वहीं महिला युगल में भारत की दो बार की ऑल इंग्लैंड सेमीफाइनलिस्ट गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली पहले दौर में स्पेन की पाउला लोपेज और लूसिया रोड्रिगेज से भिड़ेंगी। अगर भारतीय जोड़ी यह मुकाबला जीतती है तो दूसरे दौर में उसका सामना अमेरिका की 16वीं वरीयता प्राप्त लॉरेन लैम और एलिसन ली की जोड़ी से हो सकता है।

रोनाल्डो ने गर्लफ्रेंड जॉर्जीना से शादी रचायी

लिस्बन। पुर्तगाल के कप्तान और स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 11 साल साथ रहने के बाद अपनी गर्लफ्रेंड जॉर्जीना रोड्रिगेज से शादी रचायी है। रोनाल्डो और जॉर्जीना ने अपनी शादी की जानकारी सोशल मीडिया के जरिये दी है। इस रोमांटिक जोड़े ने मंगलवार को पुर्तगाल के कासकैस में एक निजी समारोह आयोजित कर शादी की रस्मे निभाई। ठीक एक साल पहले 11 अगस्त 2025 को ही दोनों की सगायी हुई थी। इस यादगार अवसर पर उनके परिवार के करीबी सदस्यों के साथ ही उनके बच्चे भी उपस्थित थे।

रोनाल्डो और जॉर्जीना ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की तस्वीरें साझा की हैं, उनमें उनके बाएं हाथ की उंगलियों में अंगूठियां साफ दिखाई दे रही हैं। इस समारोह की कोई अन्य तस्वीर या वीडियो अब तक सामने नहीं आये हैं।

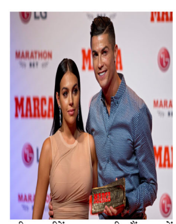

इस दंपत्ति के शादी से पहले ही पांच बच्चे हुए हैं। इनके नाम क्रिस्टियानो जूनियर, जुड़वां बच्चे ईवा और माटेओ, अलाना मार्टिना और बेला एस्मेरल्डा आदि हैं।

रोनाल्डो खेल के बाद अपनी पत्नी और बच्चों के ही साथ समय बिताते हैं। जब भी उन्हें खेल से फुर्सत मिलती है, वह अधिकतर उनके साथ ही छुट्टियां बिताने जाते हैं और क्वालिटी टाइम बिताते हैं। यह जोड़ा सोशल मीडिया पर भी परिवार से जुड़ी जानकारी साझा करते है। इससे उनकी मजबूत बॉन्डिंग और पारिवारिक मूल्यों का अंदाजा होता है। यहां तक कि रोनाल्डो और जॉर्जीना के पारिवारिक जीवन पर 'आई एम जॉर्जीना' भी बन चुकी है, जो दुनिया भर में लोकप्रिय हुई है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक बार शून्य पर आउट होने वाले कप्तान हैं फिंच

रोहित भी सूची में शामिल

मुम्बई। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई दिग्गज कप्तानों के नाम पर भी ऐसे अनचाहे रिकार्ड दर्ज है। जिन्हें कोई भी खिलाड़ी अपने नाम पर नहीं चाहता है। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच के नाम पर पर हैं। ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम की कप्तानी करते हुए फिंच कुल 8 बार बिना खाता खोले ही आउट हो गये। इस सूची में दूसरे नंबर पर जिम्बाब्वे के वर्तमान टी20 कप्तान सिकंदर रजा हैं। रजा अब तक 7 बार बतौर कप्तान बिना कोई रन बनाए आउट हो चुके हैं। हाल ही में भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के अंतिम मैच में भी वह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये थे।

पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम का नाम भी इस सूची में शामिल है। पाक की टी20 कप्तानी संभालते हुए वह 6 बार शून्य पर ही आउट हुए हैं। बाबर हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दुनिया के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने हुए हैं। उन्होंने 4500 से अधिक रन बनाये है।

वहीं भारत के पूर्व कप्तन रोहित शर्मा का नाम भी इस सूची में है। रोहित टी20 अंतराष्ट्रीय में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए 6 बार बिना कोई रन बनाए पवेलियन लौटे हैं जबकि रोहित इसमें संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने कुल 5 शतक लगाये हैं। ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल उनके साथ इस रिकॉर्ड को साझा करते हैं। रोहित के नाम जहाँ 5 शानदार शतक हैं, वहीं कप्तानी में 6 बार शून्य पर आउट होना एक ऐसा अनचाह रिकार्ड है जिसे वह भूलना चाहेंगे।

केवल कप्तानी ही नहीं, बल्कि ओवरऑल टी20 इंटरनेशनल करियर में भी रोहित शर्मा कुल 12 बार शून्य पर आउट हुए हैं, जो इस प्रारुप में भारत के लिए सबसे ज्यादा डक का शिकार होने का रिकॉर्ड है। इसके बावजूद, वह भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं और ओवरऑल लिस्ट में दूसरे नंबर पर कायम हैं, जिन्होंने 4000 से अधिक रन बनाए हैं।

जेसन रॉय यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग में ग्लास्गो कॉस्मिक से खेलेंगे

ग्लास्गो। इंग्लैंड के आक्रामक सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय अब यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के पहले संस्करण में ग्लास्गो कॉस्मिक की ओर से खेलते दिखेंगे। फ्रेंचाइजी ने कहा है कि जेसन के आने से उसकी टीम बेहतर होगी और लीग का आकर्षण भी बढ़ेगा। गौरतलब है कि 36 साल के रॉय इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम में शामिल रहे हैं, विशेषकर 2019 विश्व कप में उनकी भूमिका अविस्मरणीय है, जहाँ उन्होंने अपनी आक्रामक शुरुआत से इंग्लैंड टीम को मजबूती प्रदान की थी। हालांकि, 2023 के बाद उन्होंने अपने देश के लिए कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है पर वह प्रथम श्रेणी और पेशेवर टी20 लीग क्रिकेट में वह लगातार खेलते रहे हैं। टी20 क्रिकेट में 137 का स्ट्राइक रेट उनके आक्रामक अंदाज को दिखाता है। जेसन लय में होने पर किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर सकते हैं।

वहीं ग्लास्गो कॉस्मिक में शामिल होने पर इस बल्लेबाज ने खुशी जताते हुए कहा, जब कप्तान ने मुझसे पूछा कि क्या मैं उपलब्ध हूं, तो मैं बहुत उत्साहित हो गया और तुरंत तैयार हो गया। मैं ग्लास्गो कॉस्मिक की तरफ से खेलने और इस रोमांचक सफर का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्सुक हूं। यह मेरे लिए एक नया और रोमांचक अध्याय है, और मैं मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।

वहीं टीम के मुख्य कार्यकारी राशिद अली खान ने कहा है कि रॉय के आने से टीम को लाभ होगा। उन्होंने कह, जेसन अपनी पीढ़ी के सबसे कुशल खिलाड़ियों में से एक हैं, जिनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड रहा है। उनके अनुभव का हमारी टीम को काफी फायदा मिलेगा, खासकर युवा खिलाड़ियों को उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। उनका मैदान पर मौजूद होना टीम के मनोबल को बढ़ाएगा और महत्वपूर्ण क्षणों में उनके अनुभव का लाभ मिलेगा। रॉय का अनुभव और नेतृत्व टीम को उद्घाटन सत्र में एक मजबूत शुरुआत प्रदान करने में अहमक भूमिका निभाएगा। गौरतलब है कि यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग का पहला सत्र 26 अगस्त से शुरू होकर 20 सितंबर तक चलेगा, जो लगभग एक महीने तक चलने वाला क्रिकेट का रोमांचक उत्सव होगा। इस लीग में आयरलैंड, उत्तरी आयरलैंड, नीदरलैंड और स्कॉटलैंड का प्रतिनिधित्व करने वाली छह फ्रेंचाइजी टीमें भाग लेंगी, जो यूरोपीय क्रिकेट को एक नया आयाम प्रदान करेंगी।

हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा बाइक यात्रा एवं जागरूकता रैली का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। भारत सरकार के 'हर घर तिरंगा अभियान 2026' के अंतर्गत दिनांक 09 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज दिनांक 12 अगस्त 2026 को स्व.दिलीप भटारे शासकीय महाविद्यालय, किरनापुर द्वारा तिरंगा बाइक यात्रा एवं तिरंगा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय परिसर से पैदल तिरंगा जागरूकता रैली के रूप में हुई, जिसका शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुनीता जैन द्वारा किया गया। इसके पश्चात तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व वरेण्य सिरसाटे, सहायक प्राध्यापक द्वारा किया गया।

तिरंगा ध्वज से सुसज्जित बाइकों के साथ छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक रैली में सहभागिता की। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर तथा बाइकों पर तिरंगा ध्वज लगाकर राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर बड़गांव ग्राम पंचायत पहुँची। वहाँ विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय परिवार द्वारा ग्रामवासियों से संपर्क कर हर घर तिरंगा अभियान' के उद्देश्य एवं महत्व की जानकारी दी गई। ग्रामीणों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया तथा विभिन्न घरों पर तिरंगा ध्वज भी लगाया गया।इसके पश्चात एनएसएस के छात्र-छात्राओं द्वारा बड़गांव चौक पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समाज को नशे से दूर रहने एवं नशामुक्त जीवन अपनाने का प्रभावी संदेश दिया गया। विद्यार्थियों की प्रस्तुति को ग्रामीणों एवं उपस्थित नागरिकों द्वारा सराहा गया।

कार्यक्रम के अगले चरण में ग्राम पंचायत परिसर में पटवारी महोदय द्वारा विद्यार्थियों को संगठन की शक्ति, एकता एवं सामूहिक प्रयास के महत्व के संबंध में प्रेरणादायक जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने विद्यार्थियों को एकजुट होकर समाज एवं राष्ट्र के विकास में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुनीता जैन द्वारा ग्राम पंचायत के सरपंच का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने कहा कि सरपंच महोदय महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के हितों के प्रति सदैव तत्पर रहते हैं तथा महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों में सहयोग प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम के अंत में सुश्री साक्षी बंसोड़, जागरूकता अभियान की समन्वयक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने वाले महाविद्यालय परिवार, ग्राम पंचायत, ग्रामवासियों, विद्यार्थियों एवं सभी सहभागी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक जागरूकता की भावना को सुदृढ़ करना रहा। महाविद्यालय परिवार एवं ग्रामवासियों की सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

वंचित विद्यार्थियों के लिए बीएससी प्रथम वर्ष की एनालिटिकल केमेस्ट्री परीक्षा 19 अगस्त को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बीएससी प्रथम वर्ष पुरानी पूरक परीक्षा में बीएससी प्रथम वर्ष मेजर द्वितीय के एनालिटिकल केमेस्ट्री प्रश्नपत्र की परीक्षा 7 अगस्त 2026 को आयोजित की गई थी। उक्त परीक्षा से वंचित छात्र-छात्राओं के लिए पुनः परीक्षा 19 अगस्त 2026 को आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जो परीक्षार्थी 7 अगस्त को आयोजित परीक्षा में शामिल नहीं हो सके थे, वे ही 19 अगस्त को होने वाली पुनः परीक्षा में सम्मिलित होंगे। वहीं, जिन विद्यार्थियों ने 7 अगस्त को इस प्रश्नपत्र की परीक्षा पहले ही दे दी है, उन्हें पुनः आयोजित परीक्षा में शामिल नहीं होना है। विश्वविद्यालय ने परीक्षार्थियों से परीक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में कलेक्टर कुमार सत्यम करेंगे ध्वजारोहण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय बालाघाट स्थित पुलिस परेड ग्राउंड में जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में कलेक्टर कुमार सत्यम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वे प्रातः निर्धारित समय पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे तथा परेड का निरीक्षण कर सलामी लेंगे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में पुलिस एवं विभिन्न विभागों के जवानों द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया जाएगा। समारोह में देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित विभिन्न आयोजन भी होंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमापूर्ण एवं भव्य रूप से आयोजित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

शासकीय महाविद्यालय हट्टा में प्रवेश का अंतिम चरण

पद्मेश न्यूज। हट्टा। म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया 10 अगस्त से 14 अगस्त तक जारी है। यह% प्रवेश का अंतिम चरण है, नव प्रवेशित छात्र-छात्राएं 10 अगस्त से 14 अगस्त तक ऑनलाईन पंजीयन करवाकर प्रवेश प्राप्त कर सकते है। चर्चा में शासकीय महाविद्यालय हटा के प्राचार्य ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 10 अगस्त से महाविद्यालय में स्नातक कक्षा में प्रवेश की प्रक्रिया जारी है और जिन्हें उक्त कक्षाओं में प्रवेश लेना है। उसकी अंतिम तिथि 14 अगस्त तक है। इस चरण में प्रवेश प्रक्रिया पहले *आओं पहले पाओं* के आधार पर होगी। आगे बताया कि प्रवेश केवल विषयों में रिक्त सीट होने पर ही दिया जायेगा। रिक्त सीटों की जानकारी विद्यार्थियों की लॉगिन एवं महाविद्यालय की लॉगिन पर प्रदर्शित होगी। वहीं पंजीकृत विद्यार्थी सीधे प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। नवीन पंजीकृत विद्यार्थी केवल एक ही महाविद्यालय में पंजीयन कर सकेंगे और महाविद्यालय के हेल्प सेंटर पर वेरीफिकेशन के पश्चात शुल्क जमा करने के लिए ऑफर दिया जायेगा, इसके पश्चात् विद्यार्थी उसी दिन शुल्क जमा करके प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। उक्त प्रक्रिया के अन्तर्गत 14 अगस्त 2026 को शाम 5 बजे तक प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश प्राप्त कर सकेगें।

MP HIGHER EDUCATION

हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा रंगोली एवं चित्र प्रदर्शनी आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में 'हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं एनसीसी के माध्यम से किया जा रहा है। इसी क्रम में 11 अगस्त 2026 को महाविद्यालय परिसर में तिरंगा रंगोली एवं चित्र प्रदर्शनी कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन 'हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा' अभियान के संयोजक डॉ. डुलेश्वरी टेंभरे, डॉ. गजानंद कटरे एवं प्रो. सुखचंद एड़े तथा तिरंगा रंगोली एवं चित्र प्रदर्शनी की संयोजक डॉ. तारा सिंगराम के नेतृत्व में किया गया। तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता एवं चित्र प्रदर्शनी में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने तिरंगे के रंगों और राष्ट्रभक्ति की भावना को रंगोली एवं चित्रों के माध्यम से आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में तिरंगा रंगोली समिति की सदस्य डॉ. चित्रमाला भीमटे एवं डॉ. हिना सोनी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रोत्साहित किया गया।

मप्र के नेशनल पार्क और अभयारण्यों के नदी-नाले उफान पर

भोपाल। मध्य प्रदेश में मानसून की सक्रियता का असर न केवल शहरों में दिखाई दे रहा है बल्कि, प्रदेश के जंगल भी जलमग्र हो रहे हैं। वन क्षेत्रों, नदी-नालों और वन्यजीव आवासों में भी जलभराव और तेज बहाव की स्थिति को देखते हुए वन अमला जहां सतर्क हो गया है। वहीं बढ़ते जल स्तर को देखते हुए वन्यजीवों के सुरक्षित पर्यावास व ठिकानों की निगरानी भी बढ़ा दी है।

जानकारी के मुताबिक मंडला, डिंडोरी, बालाघाट, सिवनी, जबलपुर, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, रीवा, सीधी और सिंगरौली जैसे पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में भारी बारिश के कारण जंगलों से गुजरने वाले नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। इसका असर वन्यजीवों के आवास, भोजन और सुरक्षित आवाजाही पर भी पड़ सकता है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अचानक बढ़ा जलस्तर छोटे नालों, कच्चे रास्तों और निचले वन क्षेत्रों को काट देता है। इससे हिरण, चीतल, सांभर, जंगली सूअर जैसे शाकाहारी वन्यजीव ऊंचे और सुरक्षित स्थानों की ओर जाते हैं। इसके साथ ही बाघ और तेंदुए जैसे मांसाहारी जीवों की गतिविधियों का क्षेत्र भी बदल सकता है। इससे वन्यजीवों को खतरा भी हो सकता है। इसको देखते हुए निगरानी बढ़ाकर पैदल गश्त दुगनी करने के निर्देश दिये गये है। वन क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति को केवल आपदा नहीं बल्कि वन प्रबंधन और जल संरक्षण का संकेतक भी माना जाता है।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर छात्राओं को लक्ष्य, नेतृत्व और राष्ट्रनिर्माण का संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 12 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर ने की। मुख्य अतिथि के रूप में तहसीलदार छवि पंत एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी फिरदोश शाह उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि फिरदोश शाह ने छात्राओं को जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं के अधिकार एवं कर्तव्यों की जानकारी देते हुए लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी से जुड़े अपने अनुभव भी साझा किए। तहसीलदार छवि पंत ने छात्राओं में युवा शक्ति, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्रनिर्माण की भावना विकसित करने पर जोर दिया। महाविद्यालय की सह प्राध्यापक डॉ. दीपरत्ना मासुलकर ने छात्राओं को अपनी प्रतिभा, ऊर्जा एवं रचनात्मकता के माध्यम से व्यक्तित्व विकास करने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में छात्राओं को नैतिक मूल्यों, मानसिक स्वास्थ्य एवं सामाजिक संवेदनशीलता को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की सीख दी। उन्होंने छात्राओं से अपने लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में युवाओं की वर्तमान भूमिका एवं भविष्य की संभावनाओं पर सारगर्भित चर्चा की गई। कार्यक्रम का वातावरण प्रेरणादायी एवं सकारात्मक रहा। कार्यक्रम में छात्राओं एवं महाविद्यालयीन स्टाफ की सहभागिता रही तथा सभी को सशक्त युवा, सशक्त समाज, सशक्त राष्ट्र के संकल्प के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में शाला प्रबंधन समिति का गठन

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासन के निर्देशानुसार 12 अगस्त 2026 को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लांजी में शाला प्रबंधन समिति का गठन किया गया। विद्यालय के शैक्षणिक विकास, विद्यार्थियों के हितों तथा विद्यालय की व्यवस्थाओं को अधिक प्रभावी एवं सहभागी बनाने के उद्देश्य से आयोजित प्रक्रिया में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों के अभिभावकों, पालक-शिक्षक संघ के सदस्यों, पूर्व छात्रों, आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं सहित विद्यालय परिवार की सहभागिता रही। गठन प्रक्रिया प्रारंभ होने से पूर्व विद्यालय के प्राचार्य द्वारा शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों को उपस्थित सदस्यों के समक्ष कंडिका-वार पढ़कर सुनाया गया। इसके बाद समिति के पदाधिकारियों के चयन की प्रक्रिया शुरू हुई। उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से श्रीमती रेखा शुक्ला को शाला प्रबंधन समिति का अध्यक्ष तथा श्रीमती गायत्री मिसारे को उपाध्यक्ष चुना। सम्पूर्ण गठन प्रक्रिया जनपद पंचायत सभापति एवं जनपद सदस्य दिनेश लांडे की उपस्थिति में संपन्न हुई। साथ ही विद्यालय में भवन निर्माण समिति एवं शैक्षणिक समिति का भी गठन किया गया, ताकि विद्यालय की अधोसंरचना, शैक्षणिक गतिविधियों एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जुड़े कार्यों

को बेहतर समन्वय के साथ आगे बढ़ाया जा सके।

विद्यार्थियों के हित में सामूहिक सहभागिता पर जोर

इस अवसर पर नवगठित समिति के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक सहभागिता से कार्य करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में सभापति दिनेश लांडे, नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती रेखा शुक्ला, उपाध्यक्ष श्रीमती गायत्री मिसारे, शाला प्राचार्य फुल्लारे, पवन कंकरायने, महेश मेश्राम, श्रीमती कुणी आसटकर, जगदीश हनोते, शैलेन्द्र बागड़े, रुपेन्द्र बोपचे, श्रीमती वनमाला भौतिक, श्रीमती सोनिया गुरहे, श्री प्रेमलाल मातरे, श्रीमती वंदना उके, जितेन्द्र ठवरे, श्रीमती भारती पाण्डे, श्रीमती दुणी आसटकर एवं श्रीमती पूनम गुप्ता सहित शाला शिक्षक एस.ई. बनोठे, बी.आर. चिखले, श्रीमती ए. दुरुगकर, श्रीमती ए. मौर्य एवं श्रीमती आर. ताण्डेकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अंत में शाला प्राचार्य सहित समस्त शाला परिवार ने नवगठित शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों को बधाई देते हुए विद्यालय के विकास एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा व्यक्त की।

कलेक्टर ने ली स्वास्थ्य विभाग की बैठक, गांव-गांव डोर-टू-डोर मॉनिटरिंग के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर कुमार सत्यम ने 12 अगस्त बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की बैठक लेकर बिरसा एवं बैहर क्षेत्र में हाल ही में बीमार हुए बच्चों के स्वास्थ्य की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में कुंडेकसा सहित बोंदारी और कोरका गांवों में बीमार बच्चों की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि बिरसा क्षेत्र की 20 गांवों की 5 ग्राम पंचायतों तथा बैहर क्षेत्र की 20 गांवों की 4 ग्राम पंचायतों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कड़ी निगरानी रखी जाए। प्रत्येक गांव में बीमार बच्चों की पहचान, स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी गांव का एक भी बच्चा स्वास्थ्य निगरानी से नहीं छूटना चाहिए।

प्रत्येक गांव में स्वास्थ्य अमले की तैनाती

कलेक्टर कुमार सत्यम ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि बिरसा और बैहर के चिन्हित 40 गांवों में स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के मैदानी अमले की ड्यूटी लगाई जाए। प्रत्येक गांव में सेक्टर सुपरवाइजर, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, सहायिका और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। वहीं प्रत्येक दो गांवों के लिए एक मेडिकल ऑफिसर की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए। इसके तहत कुल 40 एएनएम, 40 आशा कार्यकर्ता, 40 सहायिका तथा 20 मेडिकल ऑफिसर की ड्यूटी सुनिश्चित करने को कहा गया है। साथ ही एक-एक ईएमयू और एम्बुलेंस की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक गांव में घर-घर जाकर बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली जाए। बच्चों में बीमारी के लक्षण पाए जाने पर तत्काल स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के साथ महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, पंचायत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी गांवों में उपस्थित रहकर निगरानी करने के निर्देश दिए।

आंगनवाड़ी केंद्रों में साफ-सफाई पर जोर

कलेक्टर श्री सत्यम ने आंगनवाड़ी केंद्रों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य को देखते हुए स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आस्था, संस्कार और सेवा का महाअभियान : मुंडेसरा में अखण्ड रामचरित मानस पाठ

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी-किरनापुर क्षेत्र के ग्राम मुंडेसरा में अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ समिति, ग्राम समितियों एवं अभिनंदन लाइफ फाउंडेशन के सहयोग से 11 अगस्त को अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ का शुभारंभ हुआ, जिसका 12 अगस्त को विश्रांति के साथ समापन किया गया। धार्मिक आयोजन के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, जैविक खेती, नशामुक्ति एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़ी गतिविधियां भी आयोजित की गईं। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीराम, माता सीता एवं लक्ष्मण की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद नगर कीर्तन एवं राम यात्रा निकाली गई, जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हवन-यज्ञ, गौ पूजन, योग शिविर, पौधारोपण, हल्दी-कुमकुम एवं बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

स्वास्थ्य शिविर में 514 ग्रामीणों की जांच

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 514 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं। वहीं मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर में 255 लोगों की आंखों की जांच की गई, जिनमें 110 लोगों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। शिविर में डॉ. नम्रता पसीने, डॉ. जतिन भंडारकर एवं डॉ. वागीश राहंगडाले सहित चिकित्सकीय टीम ने सेवाएं दीं।

आयोजन के दौरान ग्रामीणों को जैविक खेती, शिक्षा एवं संस्कार, प्लास्टिक मुक्त अभियान तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। बच्चों को शिक्षा और अनुशासन का महत्व बताया गया, जबकि पौधारोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। जरूरतमंद दिव्यांगजनों के लिए जयपुर फुट एवं कृत्रिम हाथ उपलब्ध कराने की सेवा पहल की जानकारी भी दी गई। आयोजकों ने कहा कि धार्मिक आयोजनों को स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और समाज सेवा से जोड़कर जनकल्याण का माध्यम बनाया जा सकता है। इसी उद्देश्य से सावन माह में क्षेत्र के 30 गांवों में अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

बिनोरा में भी शुरू हुआ अखण्ड पाठ

इसी क्रम में 12 अगस्त को ग्राम बिनोरा में संगीतमय अखण्ड श्रीरामचरित मानस पाठ का शुभारंभ किया गया। इसका समापन 13 अगस्त को विश्रांति, स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क मोतियाबिंद जांच, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान एवं महाप्रसाद के साथ होगा।

12 साल बाद कॉलेजों में लौटेगी छात्र राजनीति की गूंज

भोपाल। मध्यप्रदेश में करीब 12 साल बाद छात्रसंघ चुनाव की आहट से विश्वविद्यालयों और कॉलेज परिसरों में सियासी हलचल तेज होने लगी है। जबलपुर हाईकोर्ट के आदेश के बाद चुनाव का रास्ता साफ होने के बावजूद विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को अब तक शासन के औपचारिक निर्देश का इंतजार है। चुनाव की तारीख, प्रक्रिया, मतदान प्रणाली और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर तस्वीर साफ नहीं है। इसके बावजूद छात्र संगठनों ने संभावित चुनाव को देखते हुए तैयारियां शुरू कर दी हैं। माना जा रहा है कि सितंबर में सरकारी और निजी कॉलेजों में छात्रसंघ चुनाव कराए जा सकते हैं। चुनाव हुए तो वर्ष 2016-17 के बाद पहली बार कॉलेज परिसरों में फिर चुनावी माहौल नजर आएगा। मध्यप्रदेश में छात्रसंघ चुनाव का लंबा इतिहास रहा है। वर्ष 1987 में आखिरी बार पूर्ण प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव हुए थे। 1988 में हिंसा, तोडफ़ोड़ और विवादों के बाद प्रत्यक्ष चुनावों पर रोक लगा दी गई।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

लांजी डबल मनी कांड में सातवीं सूची जारी, 200 और निवेशकों के नाम सामने आए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बहुचर्चित डबल मनी मामले में पुलिस ने निवेशकों की सातवीं सूची जारी कर 200 और निवेशकों के नाम सार्वजनिक किए हैं। नई सूची सामने आने के बाद अब तक पुलिस द्वारा सात अलग-अलग सूचियों में कुल 1112 निवेशकों के नाम सार्वजनिक किए जा चुके हैं। पुलिस द्वारा चरणबद्ध तरीके से निवेशकों की जानकारी सामने लाने की कार्रवाई लगातार जारी है।पुलिस की पहली सूची में 113 निवेशकों के नाम शामिल किए गए थे। इसके बाद 150-150 निवेशकों के नाम वाली चार सूचियां जारी की गईं। छठवीं सूची में 199 निवेशकों के नाम सार्वजनिक किए गए थे, जबकि अब सातवीं सूची में 200 निवेशकों के नाम सामने आए हैं। इस तरह पुलिस अब तक 1112 निवेशकों की जानकारी सार्वजनिक कर चुकी है।नाम सामने आने के बाद भी कई निवेशक हेल्प डेस्क तक नहीं पहुंचे, पुलिस ने सूची में शामिल निवेशकों से अपील की है कि वे अपने निवेश से संबंधित दस्तावेज, रसीदें और अन्य जरूरी कागजात लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बनाए गए हेल्प डेस्क पर पहुंचें। पुलिस द्वारा इन दस्तावेजों के आधार पर निवेशकों की जानकारी दर्ज की जा रही है, जो मामले की जांच में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि पुलिस लगातार निवेशकों की सूचियां जारी कर रही है, लेकिन इसके बावजूद कई निवेशक अभी तक हेल्प डेस्क पर पहुंचकर अपनी जानकारी दर्ज नहीं करा पाए हैं। पुलिस ऐसे सभी निवेशकों से भी जल्द दस्तावेजों के साथ हेल्प डेस्क पहुंचने की अपील कर रही है। सोमेंद्र की रिमांड खत्म, जेल भेजा गया। मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी लगातार पूरे नेटवर्क की पड़ताल कर रही है। एसआईटी प्रमुख नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी ने अनौपचारिक चर्चा में बताया कि आरोपी सोमेंद्र की पुलिस रिमांड अवधि पूरी हो चुकी है और उसे जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी के जेल जाने के बाद भी मामले की जांच जारी है। पुलिस की विशेष टीम अपने स्तर पर जांच करते हुए डबल मनी मामले से जुड़े एजेंटों और अन्य लोगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। निवेशकों से प्राप्त दस्तावेजों और जांच के दौरान सामने आ रहे तथ्यों के आधार पर पुलिस पूरे मामले की कड़ियों को जोड़ने में जुटी हुई है।

डेंजर रोड सामूहिक दुष्कर्म मामले में चार आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने कोर्ट से मांगी रिमांड

नाबालिग छात्रा की शिकायत पर हुई कार्रवाई, जंगल में वारदात के बाद सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों तक पहुंची पुलिस

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में डेंजर रोड के समीप जंगल में नाबालिग छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की कथित घटना के मामले में पुलिस की कार्रवाई आगे बढ़ गई है। नाबालिग की शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज करने के बाद कोतवाली पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर 12 अगस्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस ने मामले की आगे की जांच और पूछताछ के लिए न्यायालय से चारों आरोपियों की दो दिन की पुलिस रिमांड मांगी है।

इस मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि घटना सामने आने के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय ने प्रेस वार्ता के दौरान डेंजर रोड के समीप जंगल में नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना होने की पुष्टि की थी। हालांकि पुलिस की ओर से अभी तक मामले से जुड़ी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। नाबालिग की पहचान से संबंधित किसी भी जानकारी को भी गोपनीय रखा जा रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना कुछ दिन पहले की बताई जा रही है। बताया गया है कि एक शासकीय स्कूल में अध्ययनरत नाबालिग छात्रा अपने परिचित एक अन्य नाबालिग छात्र के साथ डेंजर रोड की ओर गई थी। दोनों कुछ समय के लिए वैनगंगा नदी की ओर घूमने के बाद वापस लौट रहे थे। इसी दौरान डेंजर रोड के समीप एक नाले के आसपास कथित रूप से चार युवकों ने दोनों को रोक लिया। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने पहले छात्र को रोककर उसके साथ मारपीट की। इस दौरान छात्र किसी तरह वहां से निकलने में सफल रहा। इसके बाद आरोपियों ने छात्रा के साथ कथित रूप से सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद पीड़ित छात्रा ने कोतवाली थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी। नाबालिग की शिकायत प्राप्त होने के बाद कोतवाली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रकरण दर्ज किया और आरोपियों की तलाश शुरू की। घटना स्थल के आसपास के क्षेत्र के अलावा शहर में लगे विभिन्न सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले गए। पुलिस ने आने-जाने वाले रास्तों पर लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच की और संदिग्धों की गतिविधियों के संबंध में जानकारी जुटाई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज और जांच के दौरान सामने आए अन्य तथ्यों के आधार पर पुलिस चार संदिग्धों तक पहुंची। पूछताछ एवं जांच के बाद चारों को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया।12 अगस्त को पुलिस ने चारों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया। मामले की जांच अभी प्रारंभिक चरण में होने के कारण पुलिस ने आरोपियों की दो दिन की रिमांड मांगी है। रिमांड के दौरान पुलिस घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ कर सकती है और उपलब्ध साक्ष्यों का आरोपियों के बयानों से मिलान करेगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों में तीन युवक शहर के झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र से संबंधित बताए जा रहे हैं, जबकि एक आरोपी शहर में कैटरिंग का काम करता है। हालांकि पुलिस ने अभी आरोपियों की पहचान से संबंधित आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की है।

पुलिस अधिकारी मामले में बरत रहे गोपनीयता

नाबालिग से जुड़े संवेदनशील मामले को देखते हुए पुलिस अधिकारी घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी देने से बच रहे हैं। पुलिस की ओर से अभी तक आरोपियों के नाम, घटना से जुड़े अन्य संवेदनशील विवरण अथवा जांच की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। नाबालिग पीड़िता की पहचान गोपनीय रखना भी कानूनन आवश्यक है, इसलिए पुलिस द्वारा मामले से जुड़ी संवेदनशील जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा रही है।

इस प्रकार हुई थी घटना

पुलिस सूत्रों अनुसार बताया जा रहा है कि एक शासकीय स्कूल में अध्ययनरत नाबालिग छात्रा अपने परिचित एक अन्य शासकीय स्कूल के छात्र के साथ डेंजर रोड की ओर गई थी। दोनों पहले वैनगंगा नदी की ओर घूमने गए और वहां से वापस लौटते समय डेंजर रोड के समीप स्थित एक नाले के पास रुके। इसी दौरान वहां पहले से छिपे चार युवकों ने दोनों को रोक लिया। आरोपितों ने पहले छात्र के साथ मारपीट और हाथापाई की। मौका पाकर छात्र वहां से भाग निकला, जबकि आरोपितों ने छात्रा को रोक लिया। आरोप है कि इसके बाद चारों युवकों ने छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीडि़ति छात्रा ने कोतवाली थाने पहुंचकर पूरे मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

तेज रफ्तार ऑटो ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर

फाइनेंस कंपनी कर्मचारी घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम गर्रा स्थित वीरांगना अवंतीबाई चौक से रेंगाटोला मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज के समीप बुधवार को सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक युवक घायल हो गया। सामने से तेज रफ्तार से आ रहे ऑटो ने मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे मोटरसाइकिल सवार युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गया। घायल युवक अखिलेश पिता कप्तान सिंह ब्रम्हे 36 वर्ष वार्ड नंबर 2 भटेरा चौकी बालाघाट निवासी है जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया।जहां उसका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अखिलेश ब्रम्हे चोलामंडलम फाइनेंस कंपनी में कार्यरत हैं। बताया गया कि 12 अगस्त की सुबह वह अपने कार्य के सिलसिले में मोटरसाइकिल से ग्राम रेंगाटोला गए थे। वहां काम निपटाने के बाद करीब 9 बजे वह मोटरसाइकिल से अपने कार्यालय बालाघाट लौट रहे थे।अखिलेश रेंगाटोला से गर्रा रोड होते हुए वीरांगना अवंतीबाई चौक की ओर आ रहे थे। इसी दौरान रेलवे ओवरब्रिज के पास सामने से तेज रफ्तार में आ रहे एक ऑटो ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर लगते ही अखिलेश मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर गए और उन्हें चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसी दौरान एक व्यक्ति ने अपने चार पहिया वाहन से घायल अखिलेश को जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया।जहा उनका उपचार किया जा रहा है।हादसे में शामिल ऑटो का नंबर एमपी 50 एमवी 6655 बताया गया है। घटना की सूचना के बाद जिला अस्पताल पुलिस ने घायल अखिलेश का बयान दर्ज किया और अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई के लिए कोतवाली भेज दी है। कोतवाली पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही हैं।

भैंस चराते समय ग्रामीण पर झपटा भालू- हाथ की हथेली काटी-पंचेरा के जंगल में हुई घटना

घायल का जिला अस्पताल में कराया गया उपचार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम पंचेरा के जंगल में भैंस चराने गए एक ग्रामीण पर जंगली भालू ने अचानक हमला कर दिया। भालू के हमले में ग्रामीण के बाएं हाथ की हथेली में चोट आई है। भालू के हमले में घायल मनोज पिता स्व.सुरपसिह कुमरे 47 वर्ष ग्राम पंचेरा निवासी है। जिसका पहले समनापुर में निजी चिकित्सक से उपचार कराया गया। वहीं 12 अगस्त को वन विभाग के कर्मचारियों ने उसे जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया। जहां उसका उपचार किया गया। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचेरा निवासी रमेश कुमरे खेती-मजदूरी का काम करता है। 9 अगस्त को वह अपने साले संतलाल मंडावी के साथ भैंस चराने पंचेरा के जंगल गया था। सुबह करीब 11 बजे रमेश ने भैंसों को जंगल में चरने के लिए छोड़ दिया और वह अपने साले के साथ वहीं खड़ा था।इसी दौरान पीछे से आए जंगली भालू ने अचानक रमेश पर हमला कर दिया। भालू ने उसके बाएं हाथ की हथेली को काट लिया। जिससे खून निकलने लगा। हमले के बाद रमेश अपने साले संतलाल के साथ भैंसों के झुंड के बीच से किसी तरह सुरक्षित बाहर निकला। इसके बाद भालू भी जंगल की ओर भाग गया।घटना के बाद रमेश अपने साले के साथ घर पहुंचा और फिर समनापुर जाकर निजी चिकित्सक से उपचार कराया। 12 अगस्त को घटना की जानकारी वन विभाग को मिली। सूचना पर वन विभाग के कर्मचारी पंचेरा पहुंचे और घायल रमेश को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट लेकर आए।जिला अस्पताल में उपचार के बाद जिला अस्पताल पुलिस ने घायल रमेश का बयान दर्ज किया। अस्पताल से प्राप्त तहरीर को अग्रिम कार्रवाई के लिए घटना से संबंधित ग्रामीण थाना भेजा गया है। वन विभाग द्वारा घटना को लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सामने चल रही मोटरसाइकिल से भिड़ी मोटरसाइकिल-भाई-बहन घायल

भरवेली मानेगांव के पास हुआ हादसा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र के बैहर रोड पर ग्राम मानेगांव के पास बुधवार को सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार भाई-बहन घायल हो गए। दोनों को मामूली चोटें आई हैं। हादसे के बाद उन्हें अन्य मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर उपचार कराया गया।दोनो घायल जितेंद्र पिता लक्ष्मण टेकाम 22 वर्ष अपनी बहन सावित्री पिता लक्ष्मण टेकाम 16 वर्ष ग्राम कसंगी चौकी सोनेवानी थानां रूपझर निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जितेंद्र टेकाम अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। 11 अगस्त को जितेंद्र टेकाम अपनी बहन सावित्री टेकाम 16 वर्ष के साथ मोटरसाइकिल से बालाघाट मोबाइल बनवाने आए थे। रात होने के कारण दोनों भाई-बहन बालाघाट में अपनी मौसी के घर रुक गए थे।12 अगस्त को दोनों मोटरसाइकिल से अपने गांव कसंगी लौट रहे थे। दोपहर करीब 4 बजे बैहर रोड पर भरवेली से आगे ग्राम मानेगांव के पास उनकी मोटरसाइकिल सामने चल रही एक अन्य मोटरसाइकिल से पीछे से टकरा गई। टक्कर के बाद जितेंद्र और सावित्री दोनों मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर गए और घायल हो गए।हादसे में दोनों भाई-बहन को मामूली चोटें आईं। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों की मदद से दोनों को दूसरी मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया। जहां उनका उपचार किया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट